page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 12/11/2025 1:22 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 पुलिस ने किडनैपिंग मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर पंजाब पुलिस को सौंपा

5 बल्लेबाजी में फेल लेकिन कप्तानी में चमक बिखेर रहे सूर्यकुमार यादव

8 आलू की खेती

न्यूनतम 9

मौसम जम्मू

अधिकतम 19

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-303 | जम्मू तवी, वीरवार 11 दिसम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

एसआईआर के विरोध का मकसद घुसपैठियों को मतदाता सूची में बनाए रखना : अमित शाह

नई दिल्ली, 10 दिसंबर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को विपक्ष पर घुसपैठ को बढ़ावा देने का आरोप लगाया और कहा कि मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर का विरोध केवल इसलिए किया जा रहा है ताकि घुसपैठियों को मतदाता सूची में बनाए रखा जा सके।

अमित शाह ने लोकसभा में चुनाव सुधारों पर हुई चर्चा का उत्तर देते हुए विपक्ष खासकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लगाए आरोपों का जवाब दिया। इस दौरान गृहमंत्री ने विपक्ष पर घुसपैठ का बचाव करने का आरोप लगाया। इसी बीच विपक्ष के सदन से बाहिर्गमन किया। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि विपक्ष डर के भाग गया। विपक्ष ने दो सत्रों को इस मुद्दे पर बर्बाद किया अब जब बारीकी से बता रहे हैं तो भाग गए। वहीं, शाह ने कहा कि नेहरु, इंदिरा, राजीव और सोनिया पर बोलने पर कांग्रेस ने लोकसभा का बहिष्कार नहीं किया, लेकिन घुसपैठियों पर बोलने पर कांग्रेस ने सदन का बहिष्कार कर दिया। विपक्ष 200 बार भी सदन का बहिष्कार करेगा, फिर भी हम एक भी घुसपैठिये को मतदान का अधिकार नहीं देंगे।

शाह ने कहा कि देश एक बार जनसाख्यिकी के आधार पर बंट चुका है और हम नहीं चाहते कि आने वाली पीढ़ी फिर से जनसांख्यिकी के आधार

पर देश का बंटवारा देखे। जनसांख्यिकी में भारी बदलाव लोकतंत्र और राष्ट्रीय सुरक्षा दोनों के लिए गंभीर खतरा है तथा एनडीए सरकार की नीति स्पष्ट रूप से पहचान करो, हटाओ और वापस भेजो डिटेक्ट, डिलिट और डिपोर्ट की है। वहीं विपक्ष घुसपैठ को सामान्य कर उसे मान्यता देना चाहता है। उन्होंने कहा कि विपक्ष एसआईआर पर चार महीने से एकतरफा झूठ फैला कर देश की जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहा है। मृत्यु होने या दो जगह पर मतदाता होने पर नाम काटना, 18 वर्ष की आयु होने पर नाम जोड़ना और घुसपैठियों को चुन-चुन कर डिलीट करना ही एसआईआर है।

घुसपैठिये पीएम और सीएम का चुनाव कर, देश को असुरक्षित न बना पायें, इसीलिए मतदाता सूची का शुद्धिकरण जरूरी है, और उसी का नाम एसआईआर है।

घुसपैठ रोकने के लिए अपनी सरकार के प्रयासों का उल्लेख करते हुए शाह ने पश्चिम बंगाल सरकार पर इसे बढ़ावा देने का आरोप लगया। उन्होंने कहा कि बिहार ने घुसपैठ के खिलाफ मत दिया अब बंगाल भी यही करने जा रहा है।

उन्होंने कहा कि घुसपैठिये बंगाल से लगती सीमा से आते हैं, उनका आधार और राशन कार्ड वहां बनता है वे वहां की मतदाता सूची में है। क्या पश्चिम बंगाल सरकार की कोई जिम्मेदारी नहीं है? उन्होंने विपक्ष से कहा कि घुसपैठ के आधार पर चुनाव जीत जाओगे लेकिन देश की सुरक्षा को ताक पर रख दोगे।

चुनाव सुधारों पर चर्चा का हवाला देते हुए गृह मंत्री ने कहा कि सत्र की शुरुआत में दो दिन तक गतिरोध रहा, जिससे यह गलत धारणा बनी कि सरकार चर्चा से बच रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा-एनडीए चर्चा से कभी नहीं भागती, लेकिन विपक्ष चर्चा को एसआईआर के नाम पर केन्द्रित करना चाहता था, जबकि यह विषय चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति प्रधानमंत्री का देश को सबसे बड़ा तोहफ़ा : सिन्हा

जम्मू, 10 दिसंबर। जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को स्कूलों और एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन से कहा कि उनका एक ही मकसद हो-भविष्य की चुनौतियों के लिए खास लोग बनाना।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जम्मू में एक प्राइवेट स्कूल के वर्षगांठ समारोह में कहा कि दुनिया लेटेस्ट टेक्नोलॉजी से बड़े बदलाव देख रही है और स्कूलों को रचनात्मकता, जिज्ञासा, आलोचनात्मक सोच और समस्या को सुलझाने की क्षमता में मदद के लिए नए टूल्स इस्तेमाल करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

उपराज्यपाल ने कहा कि आलोचनात्मक सोच और जिज्ञासा छात्रों की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि अध्यापक और माता-पिता को छात्रों को उनकी रुचियां, जुनून और क्षमताएं के आधार पर पढ़ाई करने देना चाहिए। सिन्हा ने कहा कि शैक्षिक संस्थानों को चार खास बातों पर खास ध्यान देना चाहिए- पहुँच, समानता, गुणवत्ता और परिणाम।

उन्होंने कहा कि शिक्षिकों के लिए दोहरे मकसद हैं, छात्रों को कॉलेज के लिए तैयार और भविष्य के लिए तैयार करना और उन्हें लगातार बदलते स्किल्स से परिचित कराना जिससे वे 21वीं सदी के ग्लोबल सिटिजन बन

रट्टा मारने पर नहीं, ओरिजिनैलिटी पर ध्यान दें

बच्चों को अपनी पसंद का काम आज़ादी से करने दें

भारत के भविष्य के लिए बदलाव लाने वाली शिक्षा अपनाएं

सकें। उपराज्यपाल सिंहा ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आने से क्लासरूम में क्रांति आ जाएगी जिससे टीचर डेटा एनालिसिस का इस्तेमाल करके छात्रों की काबिलियत को समझ सकेंगे और बेहतर मेंटरिंग दे सकेंगे।

उन्होंने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करने वाला हाइब्रिड क्लासरूम मॉडल यह पक्का करेगा कि टेक्नोलॉजी से चलने वाली शिक्षा सभी के लिए आसान हो। शिक्षिकों की भूमिका सिर्फ़ जानकारी देने वाले से बदलकर मेंटर की हो जाएगी।

उन्होंने कहा कि टीचरों की मुख्य ज़िम्मेदारी बच्चों में ज़रूरी स्किल, क्रिएटिविटी डालना और उन्हें सपने और पक्का इरादा देना होगा। उन्होंने कहा कि इसमें उन्हें उनके रीति-रिवाजों, भाषा, मूल्यों, प्यार, दया, अहिंसा और भाईचारे से भी मिलवाना शामिल है।

खबर संक्षेप

कुख्यात ड्रग तस्कर की 2 करोड़ रुपये की संपत्ति पुलिस ने जब्त की

श्रीनगर, 10 दिसंबर। श्रीनगर पुलिस ने बुधवार को बताया कि मादक पदार्थों के खतरे को रोकने और अवैध मादक पदार्थों के व्यापार को बढ़ावा देने वाले ढांचे को नष्ट करने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत श्रीनगर पुलिस ने मादक पदार्थों और मनोरोगी पदार्थों एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों के तहत लगभग 2 करोड़ रुपये मूल्य के एक तीन मंजिला आवासीय मकान और 1 कनाल जमीन को जब्त कर लिया है। पुलिस ने एक विज्ञप्ति में बताया कि यह संपत्ति कुख्यात ड्रग तस्कर मंजूर अहमद भट निवासी शालतांग के पिता फयाज अहमद भट पुत्र गुलाम मोहम्मद भट निवासी शालतांग के कब्जे में है। आरोपी परिमपोरा पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/22, 29 के तहत एफआईआर संख्या 98/ 2025 में शामिल था। जांच के दौरान यह स्थापित हुआ कि उक्त संपत्ति मादक पदार्थों की तस्करी से प्राप्त अवैध आय से अर्जित की गई थी। इन निष्कर्षों के आधार पर सक्षम प्राधिकारी ने एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68-एफ के तहत संपत्ति को कुर्क करने का आदेश दिया। अधिग्रहण की कार्यवाही कार्यकारी मजिस्ट्रेट और स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में कानूनी प्रक्रियाओं का पूर्ण अनुपालन करते हुए संपन्न की गई।

जम्मू कश्मीर, लद्दाख में 3.6 लाख मनरेगा जॉब कार्ड कैंसिल किए गए

जम्मू, 10 दिसंबर। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने लोकसभा को बताया है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में 2019-20 और 2024-25 के बीच 3.6 लाख से ज्यादा MGNREGS जॉब कार्ड हटाए गए। मंत्रालय ने यह भी कन्फर्म किया कि 10 अक्टूबर से 14 नवंबर, 2025 तक एक महीने के वेरिफिकेशन विंडो के दौरान 79,674 मज़दूरों को रोल से हटा दिया गया। ऑफिशियल डेटा से पता चलता है कि जम्मू-कश्मीर में 3,06,271 जॉब कार्ड हटाए गए, जिनका सालाना आंकड़ा 2019-20 में 33,032 से लेकर 2023-24 में 73,015 तक था। इसी समय के दौरान लद्दाख में 5,670 कार्ड हटाए गए।

पुलिस ने धारदार हथियारों के साथ तीन कुख्यात व्यक्तियों को किया गिरफ्तार

जम्मू, 10दिसंबर। नरवाल जम्मू पुलिस ने आपराधिक तत्वों पर कार्रवाई करते हुए उसकी नरवाल चौकी ने धारदार हथियारों के साथ तीन कुख्यात व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। शांति और जनसुरक्षा बनाए रखने की अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराते हुए जम्मू पुलिस ने त्वरित और समन्वित कार्रवाई में तीन कुख्यात व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और उनके पास से टोका, तलवार और खोखरी सहित धारदार हथियार बरामद किए।

यह निर्णायक कार्रवाई नरवाल चौकी के प्रभारी पुलिस स्टेशन नरवाल के नेतृत्व में पुलिस चौकी की एक टीम द्वारा एसपी सिटी साउथ एसडीपीओ सिटी ईस्ट और एसएचओ बहू फोर्ट के करीबी पर्यवेक्षण में और एसएसपी जम्मू के समग्र पर्यवेक्षण में की गई। प्रारंभिक पूछताछ के दौरान गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान रॉकी सिंह पुत्र स्वर्गीय राम सिंह, निवासी राजीव नगर, नरवाल जिला जम्मू शिव पुत्र स्वर्गीय राम सिंह, निवासी राजीव नगर नरवाल जिला जम्मू साहिल पुत्र सुरेश, निवासी अमृतसर, आंध्र प्रदेश वर्तमान में राजीव नगर नरवाल जिला जम्मू के रूप में हुई है।

इंडिगो संकट पर नजर रखेगा डीजीसीए, आठ सदस्यीय निगरानी दल गठित

नई दिल्ली, 10 दिसंबर। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो के हालिया संकट के बीच नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयरलाइन इंडिगो पर निगरानी कड़ी कर दी है। डीजीसीए ने बुधवार को आठ सदस्यों वाली निगरानी टीम गठित की है, जिसमें दो सदस्यों को इंडिगो के कॉरपोरेट कार्यालय में तैनात किया जाएगा। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने जारी आदेश में कहा कि राहुल भाटिया के नियंत्रण वाली एयरलाइन कंपनी इंडिगो में चालक दल की कमी के कारण बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द होने के बाद 8 सदस्यीय

निगरानी दल गठित किया गया है। इस निगरानी दल में एक उपमुख्य उड़ान संचालन निरीक्षक, वरिष्ठ उड़ान संचालन निरीक्षक और दो अन्य उड़ान संचालन निरीक्षक शामिल होंगे। इनमें से दो सदस्य रोजाना इंडिगो के मुख्य कार्यालय में तैनात रहेंगे। उन्हें एयरलाइन के पूरे बेड़े, औसत उड़ान दूरी, कुल पायलटों की संख्या, नेटवर्क विवरण, चालक दल के सेवा के घंटे, प्रशिक्षण में लगे चालक दल और अन्य संबंधित मामलों की निगरानी करनी होगी। आदेश में कहा गया कि डीजीसीए कार्यालय के दो और अधिकारी एक वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी और एक उप निदेशक इंडिगो के मुख्य कार्यालय में तैनात किए जाएंगे, ताकि वे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की रद्द होने की स्थिति, धनवापसी की स्थिति, समय पर उड़ान परिचालन, नागरिक उड्डयन नियमों के अनुसार यात्रियों को मुआवजा और सामान की वापसी की निगरानी कर सकें।

जम्मू-कश्मीर, लद्दाख की अदालतों के लिए 15 दिन की शीतकालीन अवकाश की घोषणा

श्रीनगर, 10 दिसंबर। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय ने बुधवार को कश्मीर की सभी जिला अदालतों और जम्मू संभाग की चयनित अदालतों के साथ-साथ केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में संचालित अदालतों के लिए 15 दिनों की शीतकालीन छुट्टी की घोषणा की।

रजिस्ट्रार जनरल द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार शीतकालीन अवकाश 1 जनवरी से 15 जनवरी 2026 (दोनों दिन सम्मिलित) तक रहेगा।

आदेश में कहा गया है कि छुट्टी कश्मीर प्रांत के सभी जिला न्यायालयों और जिला किश्तवाड़, जिला डोडा में स्थित अदालतों और जिला रामबन में बटोट, गूल, बनिहाल और उखराल और जम्मू डिवीजन के जिला कठुआ में बानी में स्थित अदालतों पर लागू होती है। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में कार्यरत सभी अदालतें भी उक्त अवधि के लिए बंद रहेंगी। अधिसूचना में संबंधित जिलों के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीशों और मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने अधिकार क्षेत्र के भीतर अवकाश अवधि के दौरान तत्काल आपराधिक मामलों के निपटान के लिए उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें।

नए CIC को चुनने के लिए PM की अगुवाई वाली कमेटी की मीटिंग हुई, राहुल ने जताई असहमति

नई दिल्ली, 10 दिसंबर। नए चीफ इन्फॉर्मेशन कमिश्नर को चुनने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली कमेटी की बुधवार को यहां मीटिंग हुई और पता चला है कि CIC और आठ इन्फॉर्मेशन कमिश्नरों की नियुक्ति पर फैसला हो गया है, जिसमें लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने जाहिर तौर पर असहमति जताई है। यह मीटिंग डेढ़ घंटे से ज्यादा समय तक प्रधानमंत्री के ऑफिस में हुई और इसमें गांधी और गृह मंत्री अमित शाह शामिल हुए। सूत्रों ने कहा कि विपक्ष के नेता ने नियुक्त लोगों के बारे में और जानकारी मांगी और पता चला है कि उन्होंने चीफ इन्फॉर्मेशन कमिश्नर और आठ अन्य इन्फॉर्मेशन कमिश्नरों के चयन के लिए अपनाए गए क्राइटेरिया पर सवाल उठाया है। चयन की प्रक्रिया से नाखुश, विपक्ष के नेता ने अपनी असहमति जताई। तय की गई नियुक्तियों की जानकारी पता नहीं चली है।

आवामी इत्तेहाद पार्टी चेयरमैन ने दिया इस्तीफा, लोकसभा चुनाव के बाद 4 उम्मीदवार मैदान में

श्रीनगर, 10 दिसंबर। आवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) ने 2024 के लोकसभा चुनाव में सबको चौंका दिया जब इसके फाउंडर इंजीनियर राशिद ने कश्मीर की राजनीति के दो बड़े नेताओं को हराकर बारामूला सीट जीती। मुश्किल से डेढ़ साल बाद पार्टी अब उथल-पुथल में है और एक के बाद एक नेता पार्टी छोड़ रहे हैं। पार्टी जिसने 2024 के लोकसभा चुनाव में अपनी शानदार जीत के बाद कश्मीर की राजनीति में खुद को एक विकल्प के तौर पर खड़ा किया था, टूट रही है और इसकी राजनीतिक मामलों की समिति के चेयरमैन इशितयाक कादरी ने सबके सामने अपने इस्तीफे का ऐलान कर दिया है। कादरी ने एक वीडियो मैसेज में कहा कि मैं न सिर्फ एआईपी की राजनीतिक मामलों की समिति के चेयरमैन के पद से बल्कि इसकी बेसिक सदस्यता से भी इस्तीफा दे रहा हूं। उन्होंने कहा कि उन्होंने 2024 का लोकसभा चुनाव राजनीतिक कैदियों की रिहाई के लिए लड़ा था लेकिन एक भी कैदी को रिहा नहीं करवा पाए। उन्होंने कहा कि मैंने और मेरे साथियों ने तय किया कि हम एआईपी के जेल में बंद सुप्रीमो इंजीनियर राशिद को मैदान में उतारेंगे और एक ही एजेंडा पर सहमत हुए, इंजीनियर राशिद समेत बेगुनाह राजनीतिक कैदियों की रिहाई। कैदियों के माता-पिता, रिश्तेदारों और पड़ोसियों को लगा कि हमारा एजेंडा सच है और उन्होंने हमें बड़ी संख्या में वोट दिया जिससे इंजीनियर राशिद एमपी बने।

कश्मीरी कैदियों को घाटी की जेलों में ट्रांसफर करने की अपनी अर्जी पर हाई कोर्ट से नरमी की उम्मीद है : महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर, 10 दिसंबर। महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को कहा कि उन्हें कश्मीरी कैदियों को घाटी की जेलों में ट्रांसफर करने की अपनी अर्जी पर हाई कोर्ट से नरमी की उम्मीद है। उन्होंने इस मामले पर जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट में एक अर्जी दी है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक महिला का बिना तारीख वाला वीडियो पोस्ट किया जिसने दावा किया कि वह कोट भलवाल जेल में बंद अपने बेटे से मिलने जम्मू जा रही है। अज्ञात महिला ने दावा किया कि वह 270 किलोमीटर की दूरी पैदल तय करेगी क्योंकि जम्मू जाने वाली सड़क पर कोई ट्रैफिक नहीं था।

महबूबा ने एक्स पर कहा कि यह दिल दहला देने वाला वीडियो जिसमें एक माँ अपने कैद बेटे को देखने के लिए कश्मीर से सैकड़ों मील पैदल चलकर जम्मू की कोट बिलावल जेल तक पहुँचती है, उन परिवारों की खामोश तकलीफ़ दिखाता है जिनके अपने दूर की जेलों में बंद हैं इसीलिए मैंने माननीय हाई कोर्ट से गुज़ारिश की कि अंडरट्रायल कैदियों को उनके अपने जेलों में शिफ्ट किया जाए ताकि परिवार उनसे इज्ज़त से मिल सकें और उनकी कानूनी लड़ाई में मदद कर सकें। उम्मीद है कि हमदर्दी भरी राय मिलेगी।

कड़ी सुरक्षा के बीच विधायक मेहराज मलिक की जीएमसी में मेडिकल जांच हुई

कठुआ 10 दिसंबर। डोडा के विधायक मेहराज मलिक को कड़ी सुरक्षा के बीच मेडिकल जांच के लिए जीएमसी कठुआ लाया गया। मेहराज मलिक पिछले करीब 3 महीनों से पीएसए के तहत कठुआ जिला जेल में बंद हैं। विधायक मेहराज मलिक को मेडिकल जांच के लिए बुधवार को जीएमसी कठुआ लाने के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। पुलिस और सुरक्षा बलों ने जीएमसी के आसपास कड़ी सुरक्षा की थी। गौरतलब हो कि मेहराज मलिक पर आरोप है कि उन्होंने कुछ ऐसे बयान दिए हैं जो कानून व्यवस्था के लिए खतरा हो सकते हैं। इसी के चलते उन्हें पीएसए के तहत गिरफ्तार किया

गया था। वहीं कुछ दलों ने मेहराज मलिक की गिरफ्तारी को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। उनका आरोप है कि सरकार विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए इस तरह की कार्रवाई कर रही है।

इंडिगो फ्लाइट में रुकावट से जम्मू एयरपोर्ट पर सबसे कम असर

जम्मू तवी, 10 दिसंबर। जम्मू एयरपोर्ट के डायरेक्टर देवेंद्र यादव ने बुधवार को कहा कि हाल ही में देश भर में इंडिगो फ्लाइट में रुकावट के दौरान जम्मू एयर टर्मिनल सबसे कम प्रभावित हुआ। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट पर फ्लाइट ऑपरेशन पूरी तरह से स्थिर है। जम्मू एयरपोर्ट पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में डायरेक्टर यादव ने कहा, हाल ही में इंडिगो में रुकावट के दौरान, पैसेंजर की बिना रुकावट सुविधा और आसान मूवमेंट पक्का करने के लिए सभी स्टेकहोल्डर्स ने बहुत करीबी कोऑर्डिनेशन से काम किया। उन्होंने कहा, जम्मू एयरपोर्ट पर फ्लाइट ऑपरेशन स्थिर हो गया है और देश भर के अलग-अलग एयरपोर्ट पर हाल ही में इंडिगो फ्लाइट कैंसिल होने और देरी के दौरान एयरपोर्ट पर सबसे कम असर पड़ा। डायरेक्टर ने कहा कि एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के स्टाफ, CISF, एयरलाइंस, ग्राउंड-हैंडलिंग टीम, मे आई हेल्प यू डेस्क और हाउसकीपिंग स्टाफ ने बिना रुकावट ऑपरेशन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई।

उन्होंने यह भी कहा कि सीनियर सिटिजन, बच्चों, प्रेग्नेंट महिलाओं और कम चलने-फिरने वाले पैसेंजर को खास मदद दी गई। डायरेक्टर ने आगे कहा, अलग-अलग जगहों पर एड-हॉक सीटिंग का इंतज़ाम किया गया था और संबंधित एयरलाइन के स्टेशन मैनेजर को सीधे सुपरविज़न के लिए मौजूद रहने का निर्देश दिया गया था। हाइजीन पर ध्यान देने की बात कहते हुए, डायरेक्टर यादव ने कहा कि एक्स्ट्रा हाउसकीपिंग स्टाफ़ तैनात किया गया था, टॉयलेट साफ़ करने की फ़्रीक्वेंसी बढ़ाई गई थी

सबसे खास सर्दियों का अहसास

हर साल एक नया अहसास है ठंड का मौसम। इस बार ठंड में सर्दी-जुकाम से डरने की जगह इनसे लड़ने के लिए खुद को और अपने परिवार को तैयार कीजिए। ठंड के लिए ऐसे ऊनी कपड़ों का चुनाव कीजिए, जो आपके परिवार को पर्याप्त गर्माहट दे और साथ ही स्टाइलिश लुक भी। कैसे चुनें ऊनी कपड़ों और उनकी देखभाल के दौरान किन बातों को ध्यान में रखें -

सर्दी के मौसम में बदरंग और बोरिंग दिखने के दिन अब लद गए। जाड़े का मौसम भी अब स्टाइलिश हो गया है। ठंड से बचने के लिए अब जरूरी नहीं कि खुद को बोरिंग और गहरे रंग के कपड़ों के हवाले कर दिया जाए। ठंड से खुद को और अपने परिवार को बचाते हुए अब आप स्टाइलिश भी दिख सकती हैं, पर इसके लिए जरूरी है कि अपने कपड़ों का चुनाव आप सोच-समझकर करें और साथ ही गर्मी के कपड़ों और ठंड के कपड़ों के बीच अच्छा तालमेल भी बिठाएं।

लेयरिंग का है मौसम

वो दिन गए जब ठंड के मौसम में अपने कपड़ों की परत को छुपाने की कोशिश करते थे। अब एक साथ दो-तीन कपड़े पहनने और उन्हें दिखाने का ट्रेंड आ गया है। अपने ठंड के कपड़ों को निकालें और तरह-तरह के कॉम्बिनेशन में उन्हें पहनें। जरूरी नहीं है कि ठंड का मौसम आते ही आप अपने गर्मी वाले कपड़ों को अलविदा कह दें। उन्हें भी ठंड के मौसम में अपने गर्म कपड़ों के बीच जगह दें। ठंड के मौसम में फैशनेबल दिखने का मूलमंत्र यही है। अपने जैकेट, कार्डिगन और पुलोवर को अपने कॉटन के शर्ट या ड्रेस के साथ पहनें। एक्सपेरिमेंट करने से नहीं घबराएं। एक्सपेरिमेंट करेंगी, तभी कपड़ों की कई परत के साथ भी औरों से अलग दिखेंगी।

सोच-समझकर चुनें रंग

ठंड के मौसम में हमेशा गहरे और आकर्षक रंग चुनें। पेस्टल रंग के कपड़े ठंड के मौसम को नीरस बना देंगे। ठंड के कपड़े खरीदते वक्त ऐसे रंग चुनें जो इस बदरंग मौसम में रंग भरें। ऐसे स्वेटर या ऊनी कपड़े न चुनें, जिसके पैटर्न में एक साथ ढेर सारे रंग हों। साधारण पैटर्न और एकाध रंग वाले ऊनी कपड़े चुनें। ऑरेंज, गोल्डन ब्राउन, ऑफ व्हाइट या फिर पीले रंग वाले ऊनी कपड़े पहनने से बचें।

एक्सेसरीज भी बदलें

अपनी एक्सेसरीज में बदलाव लाकर आप अपने लुक को बेहद आसानी से बदल सकती हैं। अगर ठंड बहुत ज्यादा है तो पशमीना शॉल को अपने वॉर्डरोब में शामिल करें। साथ ही आप स्टाइलिश मफलर और फर वाले स्टोल से भी स्टाइल स्टेटमेंट बना सकती हैं। हैट्स और ऊनी टोपी भी ठंड के मौसम में आपको स्टाइलिश लुक देंगे और ठंड से भी बचाएंगे।

फ्लोरल प्रिंट्र से बनाएं दूरी

फ्लोरल प्रिंट के कपड़े गर्मी के मौसम में ही ज्यादा अच्छे लगते हैं। अगर आपको ये प्रिंट बहुत ही ज्यादा पसंद हैं और आप ठंड में भी इन्हें पहनना चाहती हैं तो ठंड के मौसम में थोड़े गहरे प्रिंट वाले कपड़े अपने लिए चुनें। ठंड के मौसम के आपके वॉर्डरोब में ये गहरे फ्लोरल पिंट्र वाले कपड़े आसानी से घुल-मिल जाएंगे। अगर आप फ्लोरल प्रिंट्र वाले कपड़े पहन ही रही हैं तो पूरी बाजू वाले कपड़े चुनें। इससे फ्लोरल प्रिंट का असर कुछ कम हो जाएगा।

बूट्स से बनें फैशनेबल

गर्मियों के फुटवियर को कुछ माह आराम दें और जूते और बूट्स को अपने वॉर्डरोब में शामिल करें। अपनी गर्मी के मौसम के कपड़े को ठंड वाला लुक देने के लिए इससे बेहतर तरीका कुछ और नहीं। जींस और कार्डिगन के साथ बूट्स पहनें और ठंड से बचने के साथ-साथ इस मौसम के अनुकूल लुक भी पाएं।

बच्चों जैसे मुलायम, उनके कपड़े

ठंड से मासूम बच्चों को बचाकर रखना आसान काम नहीं है। बच्चों के लिए ठंड का मौसम सेहत भरा रहे, इसके लिए जरूरी है कि इस सर्द मौसम में भी वो पूरी तरह से गर्म रहें। बच्चों के लिए ठंड के कपड़ों का चुनाव करते वक्त इसलिए हमेशा फैशन और ट्रेंड की जगह उनके आराम और कपड़ों की गर्माहट का ध्यान रखें। बच्चों के लिए हमेशा मुलायम और आरामदायक ऊनी कपड़े चुनें। कपड़े का फैब्रिक ऐसा हो जो उनकी मुलायम त्वचा को किसी प्रकार का नुकसान न पहुंचाए। बच्चों के ऊनी कपड़े हमेशा थोड़े हल्के रंग के चुनें ताकि आपको आसानी से पता चल सके कि वो कब गंदे हो गए हैं और उन्हें साफ करने की जरूरत है। बच्चे को कभी भी एक साथ ढेर सारे कपड़े न पहनाएं। बहुत ज्यादा कपड़े पहनाने पर उन्हें सांस लेने में दिक्कत हो सकती है। बच्चे के लिए ढीली फिटिंग वाले और ढेर सारे बटन वाले ऊनी कपड़े चुनें ताकि इन कपड़ों को पहनाते और उतारते वक्त आपको और आपके बच्चे दोनों को परेशानी न हो। बच्चे के लिए पूरी बाजू वाले ऊनी कपड़े चुनें ताकि उनके हाथ भी गर्म रहें। अगर ठंड बहुत ज्यादा हो तो बच्चे के कान में रुई के फाहे डाल दें और ऊनी टोपी या स्कार्फ पहनाएं ताकि बच्चे का सिर भी गर्म रहे। कभी भी बच्चे को सबसे पहले ऊनी कपड़ा न पहनाएं। पहले नीचे कोई सूती कपड़ा पहनाएं और उसके ऊपर से उसे ऊनी कपड़ा पहनाएं। बच्चे की त्वचा में किसी तरह की एलर्जी न हो, इसलिए ठंड के मौसम में उसके पूरे शरीर में हर दिन विंटर क्रीम लगाएं। ठंड बहुत ज्यादा हो, तब भी सोते वक्त बच्चे को ढेर सारे कपड़े न पहनाएं और न ही उनके ऊपर ढेर सारे कंबल डालें। बच्चे के पैरों को गर्म रखने के लिए उनके लिए ऐसे पाजामे खरीदें, जिनके साथ जुराबें जुड़ी हुई रहती हैं। बच्चे के हाथ भी जल्दी ठंडे हो जाते हैं, इसलिए उनके हाथों को गर्म रखने के लिए उन्हें ग्लव्स पहनाना न भूलें।

खिल उठेंगे आपके ऊनी कपड़े

- ऊनी कपड़ों की ओर बैक्टीरिया और धूल-मिट्टी जल्दी आकर्षित होते हैं, इसलिए अपने जैकेट और कोट को नियमित अंतराल पर ब्रश से साफ करें। इससे आपके सर्दियों के कपड़े न सिर्फ साफ रहेंगे, बल्कि किसी तरह की स्किन एलर्जी और रैशेज होने की आशंका भी नहीं रहेगी।
- ठंड के कपड़ों को बीच-बीच में धूप में सुखाएं। पर ध्यान रहे कि सूरज की तेज रोशनी आपके ऊनी कपड़ों पर सीधी न पड़े। ऐसा करने से आपके ऊनी कपड़े बदरंग हो जाएंगे। वहीं धूप में ऊनी कपड़ों को सुखाने से उसकी नमी गायब हो जाएगी और साथ ही सभी कीटाणु भी मर जाएंगे। ऊनी कपड़े को धूप में सुखाने से वो न सिर्फ आपको ज्यादा गर्माहट देंगे, बल्कि उन्हें पहनने पर भी आपको ज्यादा अच्छा महसूस होगा।
- अपने भारी-भरकम स्वेटर को वॉर्डरोब में लटकाकर नहीं रखें। भारी स्वेटर को लटकाकर रखने से स्वेटर की फिटिंग बिगड़ जाती है। साथ ही हैंगर से स्वेटर को लटकाकर रखने से कंधे वाले हिस्से के जल्दी फटने की आशंका बढ़ जाती है।
- ऊनी कपड़े बेहद नाजुक होते हैं। लंबी उम्र देने के लिए ऊनी कपड़ों को धोने के लिए हमेशा माइल्ड साबुन या डिटर्जेंट और गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। माइल्ड साबुन और डिटर्जेंट के इस्तेमाल से आपके ऊनी कपडमें की चमक और उनका वास्तविक लुक बरकरार रहेगा। गुनगुना पानी आपके ऊनी कपड़ों में छिपे कीटाणुओं को मारेगा और उसकी स्वच्छता को बरकरार रखेगा।
- स्वेटर और कार्डिगन में अकसर रोंए हो जाते हैं। ये रोंए स्वेटर और किसी अन्य वस्तु के बीच रगड़ खाने से होते हैं। ये रोंए आपके नए और स्टाइलिश स्वेटर को भी पुराना और गंदा लुक दे सकते हैं। इन रुंओं को हटाने के लिए छोटे रेजर का इस्तेमाल करें और अपने स्वेटर को फिर से नया लुक दें।
- अपने स्वेटर पर लगे दाग-धब्बों को हटाने के लिए कभी भी उन पर ब्लीच का इस्तेमाल न करें। ब्लीच के इस्तेमाल से आपका स्वेटर बदरंग हो जाएगा। कभी भी ऐसे डिटर्जेंट में स्वेटर न धोएं, जिसमें ब्लीच हो।
- एक ही स्वेटर को तीन दिन से ज्यादा लगातार न पहनें। ऐसा करने से स्वेटर का शेप बिगड़ जाता है। साथ ही आपका स्वेटर जल्दी खराब और पुराना भी हो जाएगा।

ठंड में बच्चा न हो पस्त

अचानक मौसम परिवर्तन का असर सभी पर होता और इससे छोटे बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। सर्दी, जुकाम और गले में इंफेक्शन के अलावा छोटे बच्चों को ये परेशानियां सबसे ज्यादा होती हैं –

रोटा वायरल डायरिया – इसमें बच्चे को दस्त, उल्टी और बुखार एक साथ होता है। बच्चे के शरीर में पानी की मात्रा कम हो जाती है और बुखार के कारण वह सुस्त और चिड़चिड़ा हो जाता है। बच्चा कभी-कभी बहुत कमजोर भी हो जाता है।

एलर्जी और अस्थमा – इस मौसम में बच्चों को सांस संबंधी परेशानी भी होती है। बंद नाक और गले में जकड़न के साथ नाक और आंख से पानी भी गिरता रहता है। तेज हवा और प्रदूषण से सांस लेने में दिक्कत आने लगती है।

आंखों में इंफेक्शन – इस मौसम में आंखों में भी इंफेक्शन होने लगता है। आंखों की पलकें रात में चिपक जाती हैं और सुबह बच्चे को आंख खोलने में परेशानी होती है।

त्वचा में लाल दाने – सर्दी में त्वचा में रैशेज और दाने की समस्या प्राय- छोटे बच्चों में हो जाती है। इसका कारण एलर्जी और हार्मोन में बदलाव के साथ ठंडी हवा भी है।

निमोनिया – यह ठंड के मौसम में बच्चों को होने वाली सबसे आम समस्या है। इसमें बच्चे को तेज बुखार होता है और साथ ही उसका सिर बहुत गर्म रहता है। कभी-कभी बच्चे के लंग्स में भी दिक्कत हो जाती हैं।

क्या है कारण

ठंड में प्रतिरोधक क्षमता का कम होना – सर्दी के मौसम में बच्चों के शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता सामान्य दिनों से कम हो जाती है। इसलिए किसी भी प्रकार का मौसम परिवर्तन का असर तुरंत बच्चे पर पड़ता है।

बड़ों की लापरवाही – अक्सर बड़े बच्चों को ठंड के मौसम में आलस के कारण हाथ धोए बिना ही गोद में उठा लेते हैं। ठंडे हाथ भी उन्हें लगाते हैं। कीटाणु का ध्यान नहीं रखते। इस वजह से उन्हें इंफेक्शन का खतरा बढ़ता है।

किसी भी चीज को मुंह में लेना – अक्सर बच्चे कलम के कैप या नीचे गिरी हुई चीजों को मुंह में लेते हैं जिससे उन्हें पेट में दर्द या दस्त की समस्या हो जाती है।

नैपी के गीलेपन का ध्यान न रखना – आम मौसम की अपेक्षा ठंड में बच्चे ज्यादा पेशाब करते हैं। अगर नैपी के गीलेपन का ध्यान न रखा जाए तो बच्चों को न केवल ठंड लग जाती है बल्कि उनके शरीर के आंतरिक हिस्से में सूजन और इंफेक्शन भी हो सकता है।

कमरे के तापमान का ध्यान न रखना – ठंड में बच्चे को अधिक गर्म कमरे में ना रखें। कमरे का तापमान सामान्य होना चाहिए। अधिक गर्म वातावरण से अगर बच्चा सामान्य तापमान में जाता है तो उसे तुरंत सर्दी असर करती है।

कैसे करें बचाव

सफाई का रखें ध्यान – धूल, धुएं और गंदगी से छोटे बच्चों को दूर रखें। इससे उन्हे सांस की समस्या के साथ दस्त भी हो सकती है। घर की सफाई का पूरा ध्यान रखें।

नहलाना कम करे – रोज नहलाने के बजाय हर दूसरे दिन छोटे बच्चों को गर्म पानी में सॉफ्ट एंटीबैक्टीरियल लिक्विड डालकर उसमें नर्म तौलिया भिगोकर उनका शरीर साफ कर दें।

गर्म कपड़े पहनाएं – जैसे ही मौसम बदले, बच्चे को गर्म कपड़े पहनाना शुरू कर दें। हल्की ठंड को नजर अंदाज ना करें और बच्चे को हमेशा मोजे पहना कर रखें।

मालिश के लिए गर्म तेल का प्रयोग करें – यूं तो मालिश बहुत जरूरी नहीं है, लेकिन यदि आप मालिश कर रही हैं तो इसके लिए गर्म तेल का प्रयोग करें।

संभव हो तो थोड़ी देर धूप में रखे – अगर आपके घर में धूप आती हो तो बच्चे को गर्म कपड़े पहना कर थोड़ी देर के लिए धूप में रखें। उसे ताजी हवा और विटामिन डी दोनों मिलेंगे।

ठंडी चीजें खाने को न दें – अगर आपका बच्चा 7 माह से अधिक का है और वह खाना खाता है, तो उसे ठंडी चीजें न खिलाएं और साथ ही उसे बासी खाना या ठंडा खाना भी न दें।

बेहतर क्वालिटी के स्वेटर पहनाएं – स्वेटर हमेशा अच्छी क्वालिटी का पहनाएं, क्योंकि वूलन से कभी-कभी त्वचा में एलर्जी हो जाती है।

बुजुर्ग और बच्चे ठंड के मौसम में सबसे ज्यादा परेशान होते हैं। बुजुर्ग तो अपनी तकलीफ बता सकते हैं, पर बहुत छोटे बच्चे तो वो भी नहीं कर सकते। अगर आप ठंड की शुरुआत से ही सावधानी बरतें तो आपका बच्चा सर्दियों में भी मुस्कुराता रहेगा। छोटे बच्चों की ठंड में कैसे देखभाल करें, बता रहे हैं शिशु एवं बालरोग विशेषज्ञ

वेडिंग लुक तालमेल है जरूरी

इन दिनों ज्यादातर वुड बी कपल अपनी शादी के मौके पर कॉम्प्लिमेंट्री लुक अपना रहे हैं। कॉम्प्लिमेंट्री वेडिंग लुक दूल्हे दुलहन के बीच की जबर्दस्त केमिस्ट्री को दर्शाता है। इस लुक को क्रिएट करने के कई तरीके हैं जिन्हें वुडबी कपल्स अपनी पसंद के हिसाब से अपना सकते हैं।

बहुत बुरी कुक हूं। लेकिन तुम्हारी कुकिंग का जवाब नहीं है। तुम ओवर इमोशनल हो और मैं प्रैक्टिकल। एक लाइन में कहूं तो हम दोनों एक दूसरे को बैलेंस करते हैं। हम परफेक्ट लाइफ पार्टनर हैं क्योंकि हमारा आपसी तालमेल बेजोड है। मैं चाहती हूं कि यही तालमेल हमारे वेडिंग डे पर हमारे लुक में भी नजर आए। यह तर्क सामने रखकर अंशिका ने अपने मंगेतर अंश को कॉम्प्लिमेंट्री वेडिंग डे लुक क्रिएट करने के लिए राजी कर ही लिया। अंशिका और अंश की तरह इन दिनों ज्यादातर वुड बी कपल अपनी शादी के मौके पर कॉम्प्लिमेंट्री लुक अपना रहे हैं। कॉम्प्लिमेंट्री वेडिंग लुक दूल्हे दुलहन के बीच की जबर्दस्त केमिस्ट्री को दर्शाता है। इस लुक को क्रिएट करने के कई तरीके हैं जिन्हें वुडबी कपल्स अपनी पसंद के हिसाब से अपना सकते हैं।

कलर केमिस्ट्री

जो कपल्स जटिल की जगह सहज अभिव्यक्ति को तरजीह देते हैं, उन्हें रंगों पर आधारित कॉम्प्लिमेंट्री लुक चुनना चाहिए। इस तरह की मैचिंग में कलर व्हील की मदद ली जा सकती है। व्हील में एक-दूसरे के सामने आने वाले रंग एक दूसरे को कॉम्प्लिमेंट करते हैं। जैसे, ऑलिव-मरून, रस्ट-मिडनाइट ब्लू और वायलेट-ऑरेंज आदि। इन रंगों के बीच जबर्दस्त कंट्रास्ट फैक्टर होता है जिसके चलते इनका कॉम्बिनेशन बेहद वाइब्रेंट लगता है। ऐसे में दूल्हा-दुलहन इन कॉम्प्लिमेंट्री कलर्स के परिधान पहन सकते हैं।

काल आधारित

इन दिनों किसी विशेष काल पर आधारित वेडिंग वेयर पहनने का चलन जोरों पर है। वुडबी कपल्स मुगल काल, विक्टोरियन काल या विंटेज काल पर आधारित परिधान पहन सकते हैं। जैसे विंटेज काल में प्रचलित रंग और एंब्रॉयडरी दुलहन के लहंगे और दूल्हे के कुर्ते में नजर आए। लेकिन इस तरह की मैचिंग करते समय कपल्स को ध्यान रखना चाहिए कि वह किसी काल के दो या तीन फीचर्स को ही अपने परिधानों के माध्यम से अभिव्यक्त करें। बहुत ज्यादा फीचर्स की अभिव्यक्ति उन्हें वेडिंग कपल्स की जगह किसी ऐतिहासिक नाटक का पात्र बना देगी।

वर्क या प्रिंट आधारित

परिधानों पर किए गए वर्क या प्रिंट में तालमेल बैठाना भी ब्राइड और ग्रूम के लुक में कोऑर्डिनेशन का एक बेहतरीन तरीका है। आप विभिन्न तरीकों से एंब्रॉयडरी या प्रिंट के आधार पर यह तालमेल बैठा सकते हैं। जैसे, दुलहन के दुपट्टे और दूल्हे के स्टोल की एंब्रॉयडरी एक जैसी रख सकते हैं। इसी तरह दुलहन के लहंगे के पैनल का प्रिंट दूल्हे की पगडी के प्रिंट में भी नजर आ सकता है। या दूल्हे और दुल्हन के परिधानों के बॉर्डर में एक कॉमन प्रिंट हो सकता है।

एक्सेसरीज आधारित

कॉम्प्लिमेंट्री एक्सेसरीज पहनना भी ब्राइड और ग्रूम के लुक में सामंजस्य बैठाने का एक खास तरीका है। आप चाहें तो कॉम्प्लिमेंट्री एन्गेजमेंट रिंग्स, ब्राइडल वॉच-ग्रूम कफलिंग या ब्राइडल ईयररिंग्स-ग्रूम कफलिंग्स जैसे कॉम्बिनेशन कैरी कर सकती हैं। ब्राइड और ग्रूम की ज्यूलरी में कॉम्प्लिमेंट्री कलर स्टोन का इस्तेमाल भी अच्छा लगेगा।

विशेष टिप्स

- ब्राइड और ग्रूम को अपनी पसंद के हिसाब से कॉम्प्लिमेंट्री वेडिंग लुक तय करना चाहिए।
- आप कॉम्प्लिमेंट्री लुक क्रिएट करने के दो तरीकों को कंबाइन भी कर सकते हैं। जैसे कॉम्प्लिमेंट्री कलर्स और एंब्रॉयडरी वाले परिधान ट्राई कर सकते हैं। इसी तरह किसी एक काल पर आधारित परिधानों के साथ आप कॉम्प्लिमेंट्री ज्यूलरी भी पहन सकते हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

इंटर कॉलेजिएट हॉकी टूर्नामेंट धमाकेदार फाइनल के साथ सम्पन्न, एमएएम कॉलेज बना चैंपियन

जम्मू, 10 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू के केके हक्कू हॉकी स्टेडियम में क्लस्टर यूनिवर्सिटी ऑफ़ जम्मू द्वारा आयोजित इंटरकॉलेजिएट हॉकी टूर्नामेंट में एमएएम कॉलेज ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर चैंपियनशिप खिताब अपने नाम किया। पूरे टूर्नामेंट में कॉलेज की टीम ने बेहतरीन तालमेल, मजबूत रणनीति और उच्चस्तरीय खेल भावना का परिचय दिया। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला कामर्स कॉलेज और एमएएम कॉलेज के बीच हुआ, जिसमें एमएएम कॉलेज ने 9-0 से एकतरफा जीत दर्ज कर टूर्नामेंट में अपना दबदबा दिखा दिया। यह जोश फाइनल तक भी बरकरार रहा, जहाँ टीम ने जीजीएम साइंस कॉलेज को 10-1 से पराजित करते हुए खिताब जीत लिया।

एमएएम कॉलेज के खिलाड़ी अवनीत सिंह अपने लगातार बेहतरीन खेल, नेतृत्व क्षमता और गोल करने की अद्भुत दक्षता के चलते टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए। टूर्नामेंट का आयोजन प्रो. नीनो सहानी, प्रो. नीलम, प्रो. रोहित भारद्वाज और डॉ. देविंदर शर्मा की देखरेख में, क्लस्टर यूनिवर्सिटी के शारीरिक शिक्षा निदेशक डॉ. विनोद बख्शी के मार्गदर्शन में किया गया। डॉ. बख्शी फाइनल मैच में मुख्य अतिथि के रूप में भी उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों और आयोजन टीम की मेहनत की प्रशंसा करते हुए के के हक्कू स्टेडियम के मैनेजर अजय गुप्ता का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

मैचों में अंपायरिंग की जिम्मेदारी जगजीत सिंह, करनदीप सिंह, गार्गी और सक्षम शर्मा ने निभाई। कुलपति प्रो. के. एस. चंद्रशेखर ने विजेता टीम को बधाई देते हुए कहा कि एमएएम कॉलेज का अनुशासन और टीम वर्क उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन को और भी प्रेरणादायी बनाता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि टीम भविष्य में और बड़ी उपलब्धियाँ हासिल करेगी।

पुलिस ने किडनैपिंग मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर पंजाब पुलिस को सौंपा

कठुआ 10 दिसंबर (हि.स.)। एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा की देखरेख में कठुआ पुलिस ने एसएचओ बिलावर के मछेड़ी इलाके से एक आरोपी को गिरफ्तार किया जिसके खिलाफ थाना डेराबस्सी पंजाब में पहले ही मामला दर्ज था और बाद में सभी कानूनी फॉर्मैलिटी पूरी करने के बाद थाना डेराबस्सी पंजाब की पुलिस टीम को सौंप दिया गया था। जनकारी के अनुसार 20 जून 2025 को विनोद कुमार पुत्र राज कुमार निवासी कोटी वार्ड 06 गांव बिलावर जिला कठुआ नाम के एक व्यक्ति ने अपनी बहन उम्र लगभग 16 साल के किडनैपिंग के बारे में सज्जाद मलिक पुत्र अल्ताफ हुसैन निवासी कोटी वार्ड नंबर 06 तहसील लोहाई मल्हार डडवारा तहसील बिलावर द्वारा पुलिस स्टेशन डेरा बस्सी मोहाली पंजाब में शिकायत दर्ज कराई थी। इस शिकायत पर थाना डेरा बस्सी पंजाब में केस रजिस्टर किया गया। इसी सिलसिले में थाना डेरा बस्सी पंजाब से इस एफआईआर के बारे में एक लेटर मिला। इसके आधार पर पुलिस स्टेशन बिलावर की एक टीम ने इस थाना बिलावर के अधिकार क्षेत्र के साथ-साथ जेकेयूटी के बाहर दिल्ली, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, पंजाब में भी कई बार आरोपी को ढूंढा, लेकिन इन जगहों पर कोई कामयाबी नहीं मिली। फिर से पुलिस टीम बिलावर ने बहुत कोशिश की और टेक्निकल मदद और समय पर इंसानी दखल की मदद से आरोपी की लोकेशन मछेड़ी बिलावर में मिली। इस पर एसएचओ बिलावर इंस्पेक्टर जहीर मुश्ताक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की और आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। सभी कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद उक्त आरोपी व्यक्ति को आगे की जांच के लिए थाना डेरा बस्सी पंजाब की पुलिस टीम को सौंप दिया गया है।

दीपावली का यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल होना गर्व की बात : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ, 10 दिसंबर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपावली को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में सम्मिलित किए जाने को गर्व का पल बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निर्णय उस उत्सव की वैश्विक पहचान है, जो अंधकार पर प्रकाश की विजय और नए आरंभ के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। यह उपलब्धि भारत की सांस्कृतिक शक्ति व परंपरा की महत्ता को विश्वपटल पर और अधिक मजबूती प्रदान करती है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स के माध्यम से विशेष रूप से उत्तर प्रदेश के दृष्टिकोण से इस उपलब्धि के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उत्तर प्रदेश के लिए इसलिए भी अत्यंत

महत्वपूर्ण है, क्योंकि अयोध्या प्रभु श्रीराम की पावन भूमि है। यहीं पर दीपावली की पहली ऐतिहासिक उत्सव परंपरा की शुरुआत हुई थी। उन्होंने कहाकि अयोध्या केवल सांस्कृतिक आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि भारतीय परंपराओं की आत्मा है। ऐसे में इस पर्व की वैश्विक मान्यता अयोध्या के आध्यात्मिक महत्व को और भी प्रखर बनाती है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय सम्मान भारत की बढ़ती सांस्कृतिक प्रतिष्ठा का प्रतिबिंब है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विश्व स्तर पर अपनी सांस्कृतिक उपस्थिति को व्यापक रूप से स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि भारत की परंपराओं और उत्सवों को विश्व समुदाय द्वारा अपनाया जाना सकारात्मक संकेत है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आशा व्यक्त की कि अयोध्या का शाश्वत प्रकाश मानवता को सत्य और सद्भाव के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता रहेगा। उनके अनुसार यह पर्व केवल उत्सव नहीं बल्कि जीवन दर्शन है, जो समाज को एकता और संस्कारों की दिशा में अग्रसर करता है।

पुलिस चौकी पर ग्राम रक्षा समिति दिवस का आयोजन किया

रजौरी, 10 दिसंबर (हि.स.)। राजौरी जिला पुलिस ने कोट्रेनका पुलिस चौकी पर ग्राम रक्षा समिति दिवस का आयोजन किया। रजौरी के एसएसपी, कंडी के एसएचओ और सीआरपीएफ एवं 43 आरआर के अधिकारियों ने पीरी पुलिस चौकी पर ग्राम रक्षा समिति दिवस का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान आसपास के गांवों के सभी ग्राम रक्षा समिति वीडीसी सदस्यों को एकत्रित किया गया। उन्हें डीजीपी जम्मू-कश्मीर द्वारा वीडीजी, वीडीसी के कामकाज, सतर्कता और परिचालन तत्परता के संबंध में जारी नवीनतम मानक परिचालन प्रक्रियाओं एसओपी और दिशानिर्देशों के बारे में जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में धरसकरी, रेहान, प्रोरी ब्राह्मणा, गखरोटे सहित सभी प्रतिभागियों को अपने-अपने क्षेत्रों में कड़ी सतर्कता बनाए रखने स्थानीय पुलिस और सुरक्षा बलों के साथ समय पर सूचना साझा करने और हथियारों एवं गोला-बारूद की उचित सुरक्षा रखरखाव और देखभाल सुनिश्चित करने के बारे में जागरूक किया गया।

ड्रग्स और कॉस्मेटिक्स अधिनियम के उल्लंघन के लिए 12वीं मेडिकल दुकान सील

ऊधमपुर, 10 दिसंबर (हि.स.)। उधमपुर पुलिस द्वारा लैंडर पंचारी में ड्रग्स और कॉस्मेटिक्स अधिनियम के उल्लंघन के लिए 12वीं मेडिकल दुकान सील कर दी गई नियंत्रित पदार्थों की अवैध बिक्री के खिलाफ अपनी निरंतर कार्रवाई जारी रखते हुए, पुलिस स्टेशन पंचैरी की पुलिस टीम ने होशियार सिंह पुत्र रतन चंद निवासी डिग्गी लैंडर से 01.12.2025 को प्रीगाबलिन (शेड्यूल एच दवा) के 20 कैप्सूल और स्पैस्मोनिल की 30 गोलियों की बरामदगी की जांच करते हुए 10.12.2025 को अनुवर्ती (बैकवर्ड लिंक) कार्रवाई की। निरीक्षण के दौरान लैंडर में कृष्ण लाल पुत्र दुर्गा दास निवासी लैंडर, तहसील पंचैरी द्वारा चलाई जा रही दुर्गा मेडिकल शॉप को ड्रग कंट्रोल ऑफिसर उधमपुर द्वारा ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के प्रावधानों के उल्लंघन के लिए सील कर दिया गया, क्योंकि दुकान वैध लाइसेंस के बिना संचालित की जा रही थी। इस तरह के उल्लंघन के लिए उधमपुर पुलिस द्वारा सील की गई यह 12वीं मेडिकल दुकान है।

साइबर जागरूकता दिवस मनाया

डोडा,10 दिसंबर (हि.स.)। डोडा पुलिस स्टेशन में शाहीन पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल डोडा में साइबर जागरूकता दिवस मनाया एसएसपी डोडा सदीप मेहता जेकेपीएस के निर्देशानुसार साइबर पुलिस स्टेशन डोडा ने छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को उभरते साइबर खतरों और उनसे बचाव के उपायों के बारे में जागरूक करने के लिए शाहीन पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल, डोडा में साइबर जागरूकता दिवस का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्रों और स्कूल के शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर डोडा साइबर पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर सुरिंदर वीर सिंह चिब ने प्रतिभागियों को विस्तृत व्याख्यान देते हुए निम्नलिखित विषयों पर जानकारी दीद्य साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल का उपयोग चोरी लापता मोबाइल फोन की रिपोर्टिंग के लिए सी आई आर पोर्टल जनता को ठगने के लिए जालसाजों द्वारा अपनाए जा रहे नवीनतम तौर-तरीके, क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी, ओ टी पी धोखाधड़ी क्यू आर कोड स्कैन घोटाले,ऑनलाइन गेमिंग धोखाधड़ी और फर्जी ऋण आश्वासन सहित ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी।

गतका खेल के मानकीकरण और रेफरीज के सशक्तिकरण के लिए नेशनल गतका एसोसिएशन द्वारा देशव्यापी मुहिम शुरू

चंडीगढ़, 10 दिसंबर। गतका खेल के तकनीकी बुनियादी ढाँचे को मज़बूत करने के लिए भारत में कार्यरत गतका की प्रमुख संस्था और वर्ल्ड गतका फेडरेशन से मान्यता प्राप्त संस्था, नेशनल गतका एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया (एन.जी.ए.आई.), द्वारा रेफरी, जज, कोच और तकनीकी अधिकारियों (ऑफिशियल) के लिए तीसरा नेशनल गतका रिफ्रेशर कोर्स कराया जा रहा है। 20 घंटे का यह तीन दिवसीय प्रोग्राम 12 दिसंबर से 14 दिसंबर तक सेक्टर 53, चंडीगढ़ में होगा जिसमें गतका खेल से जुड़े माहिर विशेष लेक्चर देंगे।

यह बताते हुए एन.जी.ए.आई. के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट हरजीत सिंह ग्रेवाल, राज्य पुरस्कार विजेता ने कहा कि इस विशेष पहल का मकसद देश भर में गतका मुकाबलों के दौरान रेफरी, जजिंग और स्कोरिंग (अंपायरिंग) के स्टैंडर्ड को और ऊपर उठाना, खेल नियमों में एकरूपता लाना और मानकीकरण वाले ऑफिशियलों की एक मजबूत टीम बनाना है ताकि सभी लेवल के टूर्नामेंट तकनीकी नजरिए से पारदर्शी, निष्पक्ष और योजनाबद्ध तरीके से सफलतापूर्वक करवाए जा सकें।

तकनीकी ऑफिशियलज के सर्टिफ़िकेशन और ग्रेडिंग के लिए तीन रोज़ा नेशनल गतका रिफ़्रेशर कोर्स 12 दिसंबर से : ग्रेवाल

एडवोकेट ग्रेवाल ने कहा कि गतका खेल की देश भर में तरक्की व प्रसार में ऐसे कोर्सेज़ की आवश्यकता अहम है। उन्होंने बताया कि यह रिफ्रेशर कोर्स गतका में 'अंपायरिंग और स्कोरिंग' को पेशेवर बनाने वाले मिशन के तहत लागू किए गए रोडमैप का अहम हिस्सा है। वर्ल्ड गतका फेडरेशन की अगुवाई में एन.जी.ए.आई. टेक्निकल एक्सीलेंस के स्टैंडर्डाइजेशन की तरफ आगे बढ़ रही है जिसे हमारे गतका अधिकारी दुनिया भर में लेकर जाएंगे।

इस कोर्स के इंचार्ज व इंटरनेशनल सिख मार्शल आर्ट कौंसिल के वाइस चेयरमैन सुखचैन सिंह कलसानी और एन.जी.ए.आई. के महासचिव हरजिंदर कुमार ने बताया कि गतका नियमों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए इस तीन दिवसीय प्रोग्राम के दौरान रोज़ाना 6 से 8 घंटे तक थ्योरेटिकल और प्रैक्टिकल सेशन होंगे जो अधिकारियों के ज्ञान को बढ़ाने और मैदान पर उनके फैसले लेने के हुनर को और बेहतर बनाने के लिए बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस दौरान तकनीकी अधिकारियों की ऑफिशियल ग्रेडिंग और सर्टिफिकेशन के लिए एक लिखित टेस्ट भी होगा जिसमें सफल होने वाले अधिकारियों को समापन समारोह में सर्टिफिकेट दिए जाएंगे और स्मार्ट पहचान पत्र जारी किए जाएंगे।

इस कोर्स के मुख्य मकसद बताते हुए गतका प्रमोटर ग्रेवाल ने बताया कि ऐसे कोर्स द्वारा पूरे भारत में गतका ऑफिशियलों के अंपायरिंग के हुनर को बेहतर बनाना, खेल के नियमों में एक समान पक्का।

ब्लॉक बिलावर की पंचायत पल्लन में विकास कार्यों का निरीक्षण

कठुआ 10 दिसंबर (हि.स.)। रूरल डेवलपमेंट और पंचायती राज विभाग द्वारा ब्लॉक बिलावर की पंचायत पल्लन में विकास कार्यों का निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण का उद्देश्य विकास कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और समय पर काम पूरा करने की कोशिशों को बढ़ावा देना था निरीक्षण टीम ने कैपेक्स बजट और दूसरी स्कीमों के तहत फंडेड कामों की प्रगति, गुणवत्ता और मंजूर समयसीमा और विशिष्टताओं के पालन का निरीक्षण किया। टीम ने ग्रामीण बुनियादी ढांचे, ग्रामीण कनेक्टिविटी, जल संरक्षण और सामुदायिक संपत्तियों से जुड़े कामों पर विशेष ध्यान दिया। वहीं अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से बातचीत की और इन परियोजनाओं के उनके दैनिक काम पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में लोगों से सीधे फीडबैक लिया। अधिकारियों को नियमित निगरानी करने, फोटोग्राफिक दस्तावेजीकरण बनाए रखने और वास्तविक समय पारदर्शिता के लिए तय पोर्टल पर प्रगति अपलोड करने का निर्देश दिया गया।

एल्बम 'बावे वाली औंदा ना' भाजपा मुख्यालय जम्मू में जारी किया गया

जम्मू, 10 दिसंबर (हि.स.)। भाजपा जम्मू-कश्मीर के प्रवक्ता विक्रम मल्होत्रा द्वारा पार्टी मुख्यालय त्रिकुटा नगर जम्मू में आयोजित एक कार्यक्रम में बावे वाली औंदा ना नामक एक भक्ति भजन एल्बम जारी किया गया। सर्वोच्च देवी माता बावे वाली को समर्पित यह भजन सपना ठाकुर द्वारा गाया गया पहला भक्ति गीत है जो पहले विभिन्न संगीत वीडियो में एक मॉडल और अभिनेता के रूप में काम कर चुकी हैं।

उन्होंने भजन की कुछ भावपूर्ण पंक्तियाँ भी लाइव प्रस्तुत कीं जिससे संपूर्ण भक्ति अनुभव में एक मनोरम और आध्यात्मिक रूप से उत्थानकारी स्पर्श जुड़ गया। एल्बम में गायिका सपना ठाकुर हैं, संगीत डॉ. वी. कैथ का है, गीत राजवीर ठाकुर के हैं और वीडियो निर्देशन एनजे नीरज का है। यह भजन यूट्यूब पर सपना ठाकुर प्रेजेंट्स के बैनर तले रिलीज किया गया है।

इस अवसर पर मां बावे वाली रिकॉर्ड्स के प्रबंध निदेशक साहिल महाजन और सामाजिक कार्यकर्ता संदीप गंडोत्रा भी उपस्थित थे। विमोचन के बाद बोलते हुए विक्रम मल्होत्रा ने भक्ति परियोजना के पीछे की टीम की सराहना की और कहा कि माता बावे वाली की दिव्य शक्ति को समर्पित भजन समाज के लिए आध्यात्मिक प्रेरणा के रूप में काम करते हैं।

ऊनी बुनाई पर 3 महीने का शॉर्ट-टर्म ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू

कठुआ 10 दिसंबर (हि.स.)। सेंट्रल वूल डेवलपमेंट बोर्ड के इंटीग्रेटेड वूलन डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत ऊनी चीजों को बनाने और बुनाई के लिए तीन महीने का शॉर्ट-टर्म ट्रेनिंग प्रोग्राम बुधवार को कठुआ में शुरू हुआ।

ट्रेनिंग प्रोग्राम का उद्घाटन असिस्टेंट डायरेक्टर हैंडीक्राफ्ट्स कठुआ एकशु शर्मा ने किया। इसका मकसद पारंपरिक ऊनी बुनाई स्किल्स को मजबूत करना और लोकल कारीगरों और ट्रेनी के लिए रोजी-रोटी के मौके बढ़ाना था। यह प्रोग्राम ऊन की प्रोसेसिंग, बुनाई की टेक्नीक और अच्छी क्वालिटी के ऊनी प्रोडक्ट बनाने की प्रैक्टिकल ट्रेनिंग देने पर फोकस करता है, साथ ही पुरानी हैंडीक्राफ्ट परंपराओं को भी बनाए रखता है।

उद्घाटन के दौरान ट्रेनी को प्रोग्राम के स्ट्रक्चर और अच्छी क्वालिटी के प्रोडक्शन, इनोवेशन और मार्केट लिंकेज के महत्व के बारे में बताया गया। अधिकारियों ने जोर दिया कि इस तरह की क्षमता निर्माण पहल कारीगरों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, खासकर

ग्रामीण क्षेत्रों में और जिले में हस्तशिल्प क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती है। प्रशिक्षण कार्यक्रम तीन महीने तक जारी रहेगा और इसका उद्देश्य प्रतिभागियों को व्यावहारिक कौशल से लैस करना है ताकि वे ऊनी हस्तशिल्प क्षेत्र में स्थायी आजीविका के अवसर पाने में सक्षम हो सकें।

उच्च न्यायालय परिसर जम्मू में मनाया गया मानवाधिकार दिवस

जम्मू, 10 दिसंबर (हि.स.)। मानवाधिकार दिवस के अवसर पर भाजपा मानवाधिकार सेल जम्मू और कश्मीर ने उच्च न्यायालय परिसर जम्मू में एक महत्वपूर्ण सभा का आयोजन किया जहां बड़ी संख्या में वकील, सामाजिक कार्यकर्ता, पार्टी कार्यकर्ता और नागरिक मानवाधिकारों की सुरक्षा और प्रचार के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के लिए एकत्र हुए। कार्यक्रम में राजेश थप्पा, अधिवक्ता, संयोजक, भाजपा मानवाधिकार सेल ने भाग लिया। सरफराज हामिद राथर अधिवक्ता, सह-संयोजक अरविंद खजूरिया, कई वरिष्ठ अधिवक्ताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ सभा ने इस बात पर जोर दिया कि मानवाधिकार संवैधानिक मूल्यों से अविभाज्य हैं और प्रत्येक नागरिक की गरिमा, स्वतंत्रता और समानता की हर समय रक्षा की जानी चाहिए। उच्च न्यायालय परिसर में कानूनी पेशेवरों की उपस्थिति ने न्याय और जवाबदेही के संकल्प को प्रतीकात्मक ताकत दी। सभा को संबोधित करते हुए भाजपा मानवाधिकार सेल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि जीवन, आश्रय, स्वास्थ्य, आजीविका और कानून के समक्ष समानता का अधिकार भारत के संविधान द्वारा गारंटीकृत मौलिक अधिकार हैं और इन अधिकारों की किसी भी उपेक्षा या उल्लंघन का दृढ़ता से विरोध किया जाना चाहिए। प्राकृतिक आपदाओं के कारण लोगों को हाल ही में हुई कठिनाइयों का विशेष उल्लेख किया गया।

नगरोटा में जल संरक्षण के लिए चेक डैम निर्माण पूरा, ग्रामीणों ने पहल को सराहा

जम्मू, 10 दिसंबर (हि.स.)। तहसील नगरोटा के मरह गांव में जल संरक्षण को बढ़ावा देने और ग्रामीण इलाकों में पानी की कमी दूर करने के उद्देश्य से मिट्टी से भरे बोरे लगाकर छोटे चेक डैम तैयार किए गए हैं। यह पहल दक्षिण पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामानंदाचार्य नरेंद्रचार्य जी के मार्गदर्शन और प्रेरणा से शुरू किए गए राष्ट्रीय अभियान का हिस्सा है, जिसका मकसद बारिश के पानी को संजोकर प्रभावी उपयोग के लिए संरक्षित करना है।

स्थानीय स्तर पर तैयार किए गए इन चेक डैमों से किसानों को सिंचाई के लिए पानी मिलने में मदद मिलेगी, साथ ही भूजल स्तर बढ़ने की भी उम्मीद है। ग्रामीणों का कहना है कि इस प्रबंध से पीने के पानी की पुरानी समस्याओं में भी काफी राहत मिलेगी। पूरी परियोजना का लक्ष्य एक टिकाऊ जल प्रबंधन प्रणाली विकसित करना है जो ग्रामीण क्षेत्रों के प्राकृतिक और कृषि-आधारित पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत बनाए।

7 से 21 दिसंबर तक देशभर में चल रहे इस चेक डैम निर्माण अभियान का उद्देश्य जल संरक्षण के माध्यम से ग्रामीण समृद्धि को बढ़ावा देना है। निर्माण कार्य के दौरान मिट्टी भरने, बोरे लगाने और निरीक्षण सहित सभी चरणों की संगठन द्वारा सुव्यवस्थित निगरानी की गई। मरह गांव में आरती सेवा केंद्र, मरह और गुंडला से जुड़े भक्तों के सामुदायिक सहयोग और जगद्गुरु नरेंद्रचार्य जी महाराज के आशीर्वाद से चेक डैम निर्माण सफलतापूर्वक पूरा हुआ। इस दौरान कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे, जिनमें पूर्व हेडमास्टर जगदीश राज, पूर्व बीडीओ रमेश कोटवाल, समाजसेवी बालकराम और मरह के सरपंच शामिल थे। संगठन की ओर से दिलीप जाधव ने ग्रामीणों, स्वयंसेवकों और प्रशासनिक अधिकारियों का आभार व्यक्त किया और बताया कि आने वाले दिनों में ऐसे चेक डैम अन्य क्षेत्रों में भी बनाए जाएंगे, ताकि जल संरक्षण के इस मॉडल को व्यापक रूप से अपनाया जा सके।

स्काउटिंग आंदोलन के लिए उत्कृष्ट योगदान हेतु स्काउट्स एंड गाइड्स की लीडर सिल्वर स्टार अवॉर्ड से सम्मानित

जम्मू, 10 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू और कश्मीर भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की लीडर, ट्रेनर (गाइड) और डिस्ट्रिक्ट ट्रेनिंग कमिश्नर नीलम गुप्ता को प्रतिष्ठित सिल्वर स्टार अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान लखनऊ में आयोजित 19वें नेशनल जंबोरी के दौरान उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा प्रदान किया गया। यह उपलब्धि स्काउटिंग आंदोलन में उनके लंबे समय से चले आ रहे समर्पण और सेवाभाव का प्रतीक मानी जा रही है। नीलम गुप्ता को उनकी विनम्रता, दया और अनुशासन के लिए व्यापक रूप से सराहा जाता है। जम्मू-कश्मीर में स्काउटिंग गतिविधियों को मजबूत करने के लिए उन्होंने लगातार अपनी जिम्मेदारियों से बढ़कर काम किया। उन्होंने विभिन्न पहलों के लिए वित्तीय, नैतिक और आवश्यक सहायता जुटाकर क्षेत्र में स्काउट्स एंड गाइड्स संगठन को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उनके नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रमों और प्रशिक्षण गतिविधियों में उनकी ऊर्जा, साहस और नेतृत्व कौशल साफ दिखाई देता है। स्थानीय समुदाय और स्काउटिंग संगठन में उनका दखल प्रभावशाली है और उन्हें एक प्रेरणादायी प्रशिक्षक के रूप में देखा जाता है। सिल्वर स्टार अवॉर्ड को उनके अनुकरणीय योगदान और स्काउटिंग आंदोलन के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता की गौरवपूर्ण मान्यता के रूप में देखा जा रहा है। जम्मू-कश्मीर भारत स्काउट्स एंड गाइड्स संगठन के सदस्यों ने इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया है और इसे संगठन के लिए प्रेरणादायी क्षण बताया है।

जम्मू में जेके यूटी कराटे चैंपियनशिप संपन्न, 350 खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

जम्मू, 10 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू और कश्मीर ट्रेडिशनल कराटे-डो एसोसिएशन द्वारा 9 से 10 दिसंबर तक भगवती नगर इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित जेके यूटी कराटे चैंपियनशिप उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हुई।

दो दिवसीय इस प्रतियोगिता में लगभग 350 प्रतिभागियों ने विभिन्न जिलों और क्लबों का प्रतिनिधित्व करते हुए काटा और कुमिते की अलग-अलग श्रेणियों में अपना कौशल प्रदर्शित किया। बड़ी संख्या में दर्शकों की मौजूदगी ने प्रदेश में कराटे सहित मार्शल आर्ट्स के प्रति युवाओं की बढ़ती रुचि को उजागर किया।

समापन समारोह में संवेदना सोसाइटी के अध्यक्ष केशव चोपड़ा मुख्य अतिथि तथा रितिका सलाथिया विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

चोपड़ा ने विजयी खिलाड़ियों को पदक प्रदान किए और सभी प्रतिभागियों की कड़ी मेहनत व खेल भावना की सराहना की। युवा खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, कराटे केवल शक्ति का खेल नहीं है, यह मानसिक एकाग्रता, आत्मविश्वास और चरित्र निर्माण का सशक्त माध्यम भी है। इन युवा एथलीटों में अनुशासन और जुनून देखकर गर्व महसूस होता है। जम्मू और कश्मीर ट्रेडिशनल कराटे-डो एसोसिएशन युवाओं को सकारात्मक दिशा देने का सराहनीय काम कर रहा है। चैंपियनशिप का आयोजन एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेश चंदर की देखरेख में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में तकनीकी और आयोजन टीम में सोहेल अशरफ, अमीन डार, आमिर गुलजार, भावना सढोत्रा, अदित सढोत्रा, शशि जनोत्रा, हैप्पी कोहली, उदय सिंह, उत्सल, आर्यन शर्मा, ईशान वर्मा, राघव साहनी, काजल और अनिरुद्ध शामिल थे।

संपादकीय

बेवजह की रुकावट टालना

यह दुख की बात है कि ऑल J&K ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन 15 दिसंबर को एक दिन की हड़ताल पर जाने का बड़ा कदम उठाने पर विचार कर रहा है, क्योंकि सरकार J&K केंद्र शासित प्रदेश में ट्रांसपोर्ट कम्युनिटी की लंबे समय से चली आ रही और ज़रूरी मांगों को पूरा करने में लगातार नाकाम रही है। ट्रांसपोर्टर्स ने हड़ताल के बारे में पहले ही घोषणा कर दी है, जिससे कम्युनिटी में यह मैसेज जा रहा है कि अगला सोमवार उन लोगों के लिए मुश्किल और परेशानी का दिन होगा जो पूरी तरह से पब्लिक ट्रांसपोर्ट पर निर्भर हैं, इसके अलावा उन छोटे ट्रांसपोर्टर्स के लिए यह एक बुरा दिन होगा जो अपनी रोज़ की कमाई पर निर्भर हैं। ट्रांसपोर्टर्स को यह समझना चाहिए कि हड़ताल कोई हल नहीं है; बल्कि बातचीत और टेबल पर बातचीत ही मुद्दों को सुलझाने और मतभेदों को कम करने के बेहतर ऑप्शन हैं।

इसमें कोई शक नहीं है कि हर सेक्टर को अपनी शिकायतें बताने का हक है, लेकिन आम लोगों को अनसुलझे झगड़ों का बंधक बनाना बिल्कुल भी सही नहीं है। J&K में ट्रांसपोर्ट इंडस्ट्री के मामलों को देखने वालों को यह समझना चाहिए कि उनकी यह नैतिक ज़िम्मेदारी है कि वे यह पक्का करें कि पब्लिक ट्रांसपोर्ट जैसी ज़रूरी सर्विस किसी भी हालत में बाधित न हों।

हमेशा बेहतर यही होगा कि वे सर्विस को बाधित किए बिना, साथ-साथ बातचीत और मोल-भाव करें, क्योंकि इस ज़रूरी सेक्टर में चक्का जाम सिर्फ़ विरोध का संकेत नहीं है; बल्कि, इससे स्टूडेंट्स, मज़दूरों, मरीज़ों और अनगिनत दूसरे लोगों को मुश्किल होती है जो अपनी रोज़मर्रा की ज़िंदगी के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट पर निर्भर हैं ।साथ ही, प्रशासन ट्रांसपोर्ट सेक्टर में बढ़ती निराशा को नज़रअंदाज़ नहीं कर सकता, क्योंकि फ़ैसले लेने में लगातार देरी या उदासीन प्रतिक्रिया सबसे सब्र रखने वाले स्टेकहोल्डर्स को भी कड़े कदम उठाने पर मजबूर कर सकती है। इसलिए एक संतुलित नज़रिया ज़रूरी है—जिसमें सरकार ट्रांसपोर्ट बॉडीज़ के साथ सक्रिय रूप से जुड़े, समय-समय पर रिव्यू करे, और किराए में बदलाव, परमिट रिन्यूअल, टैक्स से जुड़ी चिंताओं और इंफ्रास्ट्रक्चर की कमियों जैसे मुद्दों का समय पर समाधान पक्का करे। शिकायतों को बढ़ने देने के बजाय रेगुलर बातचीत के तरीके बनाकर, अधिकारी न सिर्फ़ टाले जा सकने वाले टकराव को रोक सकते हैं, बल्कि उस कम्युनिटी के साथ भरोसा भी मज़बूत कर सकते हैं जो पूरे केंद्र शासित प्रदेश में मोबिलिटी और इकोनॉमिक कनेक्टिविटी की रीढ़ है।

यह बताना ज़रूरी है कि एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, एसोसिएशन के चेयरमैन ने ट्रांसपोर्टरों द्वारा बार-बार उठाए गए असली मुद्दों के प्रति प्रशासन के उदासीन और ढीले-ढाले रवैये पर गहरी चिंता जताई। ट्रांसपोर्टरों की कई मांगें हैं जो असली और जायज़ हैं, लेकिन उन पर सरकार के प्रतिनिधियों के साथ बैठकर चर्चा और विचार-विमर्श किया जाना चाहिए, न कि हड़ताल के ज़रिए दबाव बनाकर। जब मुद्दों को आपसी सहमति से सुलझाने का विकल्प मौजूद है, तो आम आदमी को मुश्किल में डालने की कोई ज़रूरत नहीं है—वही लोग जिन्हें अपने रोज़ के काम चलाने के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट की ज़रूरत होती है ।ट्रांसपोर्टर्स को अपने फैसले पर फिर से सोचने की ज़रूरत है, और दूसरी तरफ, सरकार को भी अपने रुख पर फिर से सोचना चाहिए कि ट्रांसपोर्टर्स अपनी गाड़ियों के बेड़े और डेडिकेटेड मेंबर्स के ज़रिए अ को तरक्की की ओर ले जाने में कितनी अहम भूमिका निभाते हैं, जो यात्रियों को बिना किसी परेशानी या रुकावट के अलग-अलग जगहों पर पहुंचाते हैं। इसके लिए सहयोग की भावना, समय पर दखल और लोगों की भलाई के लिए पक्की लगन की ज़रूरत है ताकि ट्रांसपोर्ट सेक्टर के पहिए समाज के लिए बिना किसी परेशानी के आसानी से चलते रहें।

परिवर्तन से गुजरती परंपरा- भारतीय हस्तशिल्प गढ़ रहे हैं आधुनिक डिजाइन की पहचान

श्री पबित्रा मार्गेरिटा

ग्रामीण असम में शिल्पकारों की एक बस्ती की हाल की यात्रा के दौरान एक सामान्य से दृश्य में भारत के हस्तशिल्प तंत्र में आ रहे गहरे बदलाव की झलक दिखाई दी। अनेक शिल्पकार सूखी हुई जलकुंभी को बुन रहे थे। लेकिन ये शिल्पकार वे परंपरागत टोकरियां नहीं बना रहे थे जिन्हें उनका समुदाय सदियों से बुनता आ रहा है। इसके बजाय वे कॉरपोरेट बैठकों के लिए खूबसूरत ऑफिस फोल्डर बना रहे थे। उनके हाथ पीढ़ियों से जारी कला को आगे बढ़ाते हुए चिरपरिचित लय में चल रहे थे। लेकिन उनके उत्पाद और उद्देश्य, दोनों ही पूरी तरह से बदल चुके हैं।

हम 08 से 14 दिसंबर, 2025 तक राष्ट्रीय हस्तशिल्प दिवस मना रहे हैं। ऐसे में, यह दृश्य भारत के हस्तशिल्प परिदृश्य में एक मूक क्रांति का प्रतीक है। हमारी जीवंत हस्तशिल्प परंपराओं में एक महत्वपूर्ण बदलाव आ रहा है। उनका नई जगहों, नए बाजारों और नूतन भविष्य में विस्तार हो रहा है। मूल विशेषताओं की शुद्धता बरकरार रहने के बावजूद माध्यमों और स्वरूपों में जो विकास हो रहा है उसकी कल्पना एक दशक पहले शायद ही की जा सकती थी।

जीवंत ज्ञान प्रणाली के रूप में हस्तशिल्प

इस विकास को समझने के लिए यह स्वीकार करना महत्वपूर्ण है कि भारतीय हस्तशिल्प सिर्फ सुंदरता की वस्तु नहीं रहे हैं। वे सांस्कृतिक पहचान और सामुदायिक परंपराओं में गहराई से रची-बसी जीवंत ज्ञान प्रणालियां हैं। मधुबनी में महिलाएं परंपरागत तौर पर त्यौहारों,शादियों और जीवन संस्कारों के दौरान ताजा लेपी गई दीवारों पर चावल के पेस्ट से पेंटिंग बनाती थीं। इन चित्रों में मछली को जनन क्षमता और मोर को प्रेम का प्रतीक माना जाता था।

चित्रण अपने मूल में व्यक्तिगत के बजाय सामूहिक हुआ करता था। गोंड समुदाय के लिए पेंटिंग उसके जीव संबंधी विश्वासों तथा जंगलवासी प्राकृतिक शक्तियों और रक्षा करने वाली आत्माओं से जुड़ी है। उनकी कला सिर्फ सुंदर ही नहीं, बल्कि वाचक परंपरा में जड़ों वाला अनुष्ठानिक ब्रह्मांड विज्ञान भी है।

स्वरूपों को हमेशा उपयोग ने गढ़ा है। असम में जलकुंभी को सुखाने के बाद बुन कर घर में काम आने वाली टोकरियां बनाई जाती हैं। कर्नाटक में लाख के लेप वाले चन्नपटना काष्ठ खिलौने बच्चों के खेलने के काम आते हैं। उन्हें पीढ़ियों से खराद पर बनाया जाता रहा है। माध्यम, स्वरूप और आकृति को एकदूसरे से अलग नहीं किया जा सकता। वे विशिष्ट अनुष्ठानिक और कार्यात्मक संदर्भों से आबद्ध हैं।

आज जो हो रहा है, वह परंपरा से अलग नहीं, बल्कि उसका विस्तार है। मूलभाव, पैटर्न और तकनीकें अभी भी पहचानी जा सकती हैं, लेकिन उनके प्रयोग आश्चर्यजनक रूप से समकालीन हो गए हैं। यह बदलाव केवल एक आयामी नहीं, बल्कि बहु-आयामी है। मधुबनी की मछली, जो कभी एक बड़ी प्रजनन कथा का हिस्सा हुआ करती थी, अब तकिए, टोट बैग और फोन कवर पर दिखाई देती है, जिसे आज के समय के अनुसार इस्तेमाल के लिए नया रूप दिया गया है। गोंड के गहरे रंगों वाले जानवर और पौधे और ज्यामिति डिज़ाइन आज अपने पौराणिक संदर्भ से बाहर भी सराहे जाते हैं।

हालांकि, सबसे बड़ा परिवर्तन माध्यम में आया है। जलकुंभी आज कॉर्पोरेट फ़ोल्डर और डिज़ाइनर हैंडबैग का रूप ले रही है। मधुबनी कला मिट्टी की दीवारों से हटकर लकड़ी के फर्नीचर, वस्त्रों और चमड़े के सहायक उपकरणों पर की जाने लगी है। चन्नपटना शिल्प, जो कभी केवल खिलौनों में ही दिखता था, अब सजावटी नक्शों, झूमरों, गृह सज्जा और डिज़ाइनर फ़र्नीचर में दिखाई देता है। पारंपरिक लाख का अभी भी इस्तेमाल हो रहा है लेकिन उसका रूप पूरी तरह आधुनिक हो गया है। यह बदलाव आज के अनुकूल है, न कि उसका कमजोर पड़ना।

भारतीय शिल्प पर आधारित फैशन की वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख पहचान बन गयी है, जिसमें पारंपरिक कढ़ाई को पेरिस हौते कॉउचर वीक में प्रदर्शित किया गया था। नेशनल गैलरी ऑफ विक्टोरिया जैसे संग्रहालयों में अब ट्रांसफ़ॉर्मिंग वर्ल्ड्स जैसी प्रदर्शनियाँ गोंड और मधुबनी कला और उनके आधुनिक रूपों को उनकी संस्कृति या समाज के संदर्भों के बजाय समकालीन कला के तौर पर चित्रित कर रही हैं।

नेतृत्व और सरकारी हस्तक्षेप परिवर्तन को गति दे रहे हैं

इस परिवर्तन को राष्ट्रीय नेतृत्व और रणनीतिक सरकारी हस्तक्षेपों से महत्वपूर्ण समर्थन मिला है। माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व ने इस आंदोलन को असाधारण गति दी है। उनका वोकल फॉर लोकल और लोकल टू ग्लोबल का बार-बार किया गया आह्वान कारीगरों के प्रति उनके गहरे लगाव को दर्शाता है। वह हमेशा नागरिकों से स्थानीय उत्पाद खरीदने का आग्रह करते हैं, जैसा कि उन्होंने स्वयं कहा है कि- जब हम ऐसा करतेहैं, तो हम केवल सामान नहीं खरीदते हैं; हम एक परिवार के लिए आशा लाते हैं, एक कारीगर की कड़ी मेहनत का सम्मान करते हैं, और एक युवा उद्यमी के सपनों को पंख देते हैं ।उन्होंने अपने नवीनतम मन की बात संबोधन में बताया कि वह विश्व के नेताओं के साथ मुलाकातों के दौरान जानबूझकर हाथ से बने भारतीय उत्पादों को ही उपहार के रूप में क्यों देते हैं। ऐसा करके वह यह सुनिश्चित करते हैं कि वह जहाँ भी जाएँ उनके साथ साथ भारत की समृद्ध शिल्प विरासत भी जाये। उन्होंने कहा की कि यह केवल प्रतीकात्मक नहीं है, बल्कि यह उनकी ओर से भारत की कलात्मक विरासत को प्रदर्शित करने का एक तरीका है ताकि हमारे कारीगरों की प्रतिभा को दुनिया भर के सामने लाया जा सके।

विभिन्न सरकारी पहलें इस परिवर्तन को गति दे रही हैं। वस्त्र मंत्रालय, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) के माध्यम से, राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम के तहत कारीगरों को कौशल विकास, क्लस्टर-आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम, विपणन सहायता, अवसंरचना और प्रौद्योगिकी सहायता और ऋण उपलब्ध कराकर सीधे सहायता प्रदान कर रहा है। राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान(निफ्ट) ने भारत भर में अपने 19 परिसरों के माध्यम से, शिल्पकारों और समकालीन डिजाइनरों के बीच सेतु का निर्माण किया है ताकि आधुनिक डिजाइनों में हमारी परम्परा की झलक भी मिल सके। भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री ने 366 से अधिक हस्तशिल्पों को संरक्षित किया है। इससे सामुदायिक प्रतिभा की सुरक्षा सुनिश्चित होती है और उन्हें सही में मान्यता मिलती है।

इस परिवर्तन को राष्ट्रीय नेतृत्व और रणनीतिक सरकारी हस्तक्षेपों से महत्वपूर्ण समर्थन मिला है। माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व ने इस आंदोलन को असाधारण गति दी है। उनका वोकल फॉर लोकल और लोकल टू ग्लोबल का बार-बार किया गया आह्वान कारीगरों के प्रति उनके गहरे लगाव को दर्शाता है। वह हमेशा नागरिकों से स्थानीय उत्पाद खरीदने का आग्रह करते हैं, जैसा कि उन्होंने स्वयं कहा है कि- जब हम ऐसा करतेहैं, तो हम केवल सामान नहीं खरीदते हैं; हम एक परिवार के लिए आशा लाते हैं, एक कारीगर की कड़ी मेहनत का सम्मान करते हैं, और एक युवा उद्यमी के सपनों को पंख देते हैं ।उन्होंने अपने नवीनतम मन की बात संबोधन में बताया कि वह विश्व के नेताओं के साथ मुलाकातों के दौरान जानबूझकर हाथ से बने भारतीय उत्पादों को ही उपहार के रूप में क्यों देते हैं।

मैं असम राज्य से हूँ, वहां के कई पारंपरिक हस्तशिल्पों जैसे कि सर्थेबारी मेटल क्राफ्ट,माजुली मास्क, बिहू ढोल, जापी, पानी मेतेका, आशारिकांदी टेराकोटा और बोडो समुदाय के कई अन्य हस्तशिल्पों को हाल ही में भौगोलिक संकेत (जीआई टैग) पंजीकरणों की मान्यता मिली है जो कि बहुत लंबे समय से अपेक्षित थी। प्रत्येक पंजीकरण यह दर्शाता है कि कैसे असम या पूरे भारत के हर कोने में विविधता की झलक मिलती है जो दशकों तक उपेक्षित रहने के बाद, आज राष्ट्रीय मंच पर एक नया स्थान पा रही है।

विकसित भारत के लिए एक गतिशील और विकसित होती विरासत

भारत के हस्तशिल्प विकास में सबसे बड़ा सबक यह है कि परंपरा स्थिर नहीं हैबल्कि यह अनुकूलित होती है, अवशोषित होती है और आगे बढ़ती है। जलकुंभी की घरेलू टोकरियों से लेकर अन्य वैश्विक सामानों तक की यात्रा हमारे कारीगर समुदायों के व्यवहारिकता और रचनात्मकता का प्रतीक है। जैसे-जैसे भारत 2047 तक विकसित भारत के अपने दृष्टिकोण को साकार करने की ओर बढ़ रहा है, वैसे ही हस्तशिल्प क्षेत्र विरासत और नवोन्मेष, ग्रामीण आजीविका और वैश्विक आकांक्षा, पहचान और आधुनिकता के एक शक्तिशाली चौराहे पर खड़ा है।

यह आंदोलन जैसे-जैसे मज़बूत होता जा रहा है, हम सबकी भी ज़म्मिदारी बनती है कि हर कारीगर को सशक्त बनाया जाए और हमारी प्रत्येक परंपरा फलती-फूलती रहे। भारत की हस्तशिल्प विरासत सिर्फ़ एक याद बनकर नहीं रहनी चाहिए, बल्कि हमारी पहचान एक जीवित अभिव्यक्ति के रूप में फलनी-फूलनी चाहिए। हर बार जब कोई परिवार स्थानीय चीज़ें चुनता है या हर बार जब कोई डिज़ाइनर किसी हस्तशिल्प समूह के साथ भागीदारी करता है, तो वह आत्मनिर्भर भारत की भावना को ही आगे बढ़ाता है। ये वही सधे हुए सृजनशील और सदियों की समझदारी से संजोये हुए हाथ है जो भारत कीआने वाली पीढ़ियों का मार्ग दर्शन करेंगे।

*****

(लेखक कपड़ा और विदेश राज्य मंत्री हैं)

विकसित भारत का मूल मंत्र बनेगा वंदे मातरम

-मृत्युंजय दीक्षित

जिससे स्वतंत्रता का मूल मंत्र, वंदे मातरम उद्भासित हुआ, जिसे गात हुए हज़ारों की संख्या क्रांतिकारी फांसी के फंदे पर झूल गए, जीवन जेलों की क्रूर यातनाओं में काट दिया, जिस गीत ने माँ भारती के प्रति प्रेम और समर्पण को परिभाषित किया, जिस गीत ने स्वाधीनता की अलख संपूर्ण भारत में जगा दी वह गीत है राष्ट्रगीत- वंदे मतारम। भारत विभाजन के पूर्वाभ्यास के रूप में बंग-भंग के अंग्रेजी षड्यंत्र को पहचान कर सम्पूर्ण राष्ट्र बंगाल विभाजन के विरुद्ध खड़ा हो गया। इस आंदोलन के दो हथियार थे- स्वदेशी का स्वीकार-विदेशी का बहिष्कार और रणघोष बना था वंदे मातरम। इस गीत के रचनाकार थे बंगाल में जन्मे महान सपूत बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय। आज वंदे मातरम अपनी रचना का 150 वां वर्ष मना रहा है।

इस अवसर पर वंदे मातरम गीत के माध्यम से एक बार पुनः राष्ट्र में स्व की भावना की अलख जगाने का आह्वान प्रधानमंत्री मोदी ने किया है। वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर देशभर में अनेकानेक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में संसद के दोनों सदनों में वंदे मातरम पर व्यापक चर्चा हुई। लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा राज्यसभा में गृहमंत्री अमित शाह ने चर्चा की शुरुआत की। सत्ता पक्ष के वक्ताओं ने जहां वंदे मातरम गीत के इतिहास और उसकी महत्ता पर प्रकाश डालते हुए वंदेमातरम के प्रति कांग्रेस व वामपंथी दलों की विचारधारा और सोच को बेनकाब किया। विपक्ष ने इसके पीछे बंगाल चुनावों को ध्यान में रखते हुए की गई चर्चा बताया। कुछ विपक्षी सांसदों ने कहा कि वंदे मातरम पर बहस गैरजरूरी और मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए की जा रही है। इतने गंभीर व ऐतिहासिक विषय की बहस के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सदन से गायब रहे। संसद में वंदे मातरम पर हुई व्यापक चर्चा सिर्फ एक गीत पर विमर्श नहीं वरन भारत की सांस्कृतिक चेतना, स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणा और राष्ट्रीय एकता के मूल्यों को दोबारा केंद्र में लाने का प्रयास भी है।

चर्चा का आरम्भ करते हुए लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी और उसके बाद रक्षामंत्री राजनाथ सिंह तथा राज्यसभा में गृहमंत्री अमित शाह ने वंदे मातरम के प्रति कांग्रेस व उनके नेताओं की सोच को बेनकाब कर दिया। सरकार ने वंदे मातरम गीत की प्रेरणा से संकल्प लेकर वर्ष साल 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के साथ राष्ट्रगीत को जीवंत बनाने का संकल्प लिया। वंदे मातरम गीत की महानता पर बोलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि "जो वंदे मातरम साल 1905 में महात्मा गांधी को राष्ट्रगान के रूप मे दिखता था, देश के हर कोने में हर व्यक्ति के जीवन में जो भी देश के लिए जीता जागता था, उन सबके लिए वंदे मातरम की ताकत बहुत बड़ी थी। वंदे मातरम इतना महान था, उसकी भावना इतनी महान थी तो फिर पिछली सदी में इसके साथ इतना बड़ा अन्याय क्यों हुआ? वंदे मातरम के साथ विश्वासघात क्यों हुआ ? वह कौन-सी ताकत थी जो महात्मा गांधी की भावनाओं पर भी भारी पड़ गई? किसने वंदे मातरम जैसी पवित्र भावना को भी विवादों में घसीट दिया। सदन को बताया गया कि जब वंदे मातरम को 50 वर्ष हुए तब देश गुलामी में जीने को मजबूर था और जब वंदे मातरम के 100 वर्ष पूर्ण हुए तब देश आपातकाल की जंजीरों में जकड़ा हुआ था। जिस वंदे मातरम ने देश को आजादी की नई ऊर्जा दी थी जब उसके 100 वर्ष हुए तो दुर्भाग्य से एक काला इतिहास हमारे कालखंड में उजागर हो गया। प्रधानमंत्री ने बताया कि "वंदे मातरम के प्रति मुस्लिम लीग के विरोध की राजनीति तेज होती जा रही थी। मोहम्मद अली जिन्ना ने लखनऊ से 15 अक्तूबर 1937 को वंदे मातरम के विरुद्ध नारा बुलंद किया। कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष जवाहर लाल नेहरू को अपना सिंहासन डोलता दिखा तो उन्होंने मुस्लिम लीग के आधारहीन बयानों को तगड़ा जवाब देने के बजाय वंदे मातरम की ही पड़ताल शुरू कर दी और कहा कि कांग्रेस कार्यकारिणी में वंदे मातरम की उपयोगिता पर चर्चा होगी। इससे पूरा देश हतप्रभ रह गया। देशभक्तों ने कांग्रेस के उस प्रस्ताव के खिलाफ देश के कोने -कोने में प्रभात फेरियां निकाली और वंदे मातरम गीत गाया किन्तु देशभक्तों को अनसुना करते हुए 26 अक्टूबर 1937 को कोलकाता अधिवेशन में कांग्रेस ने वंदे मातरम पर समझौता कर लिया। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने वंदे मातरम को राष्ट्रगान जैसा सम्मान मिलने की बात कही। राजनाथ सिंह ने यह धारणा तोड़ने का प्रयास किया कि वंदे मातरम किसी सांप्रदायिक विचार का परिचायक है। उन्होंने कहा कि कुछ कट्टरपंथियों ने जानबूझकर इसे धर्म के चश्मे से देखने की कोशिश की जबकि यह गीत भारत माता के प्रति समर्पण और स्वतंत्रता की पुकार का प्रतीक है। राज्यसभा में गृहमंत्री अमित शाह ने कांग्रेस के साल 1937 के अधिवेशन में वंदे मातरम के अंतिम चार छंदों का गायन रोके जाने के प्रस्ताव पर बात की और पंडित नेहरू की भूमिका पर प्रश्न उठाए। गृहमंत्री ने आरोप लगाया कि संसद में जब भी वंदेमातरम का गायन होता है तब कई विपक्षी सदस्य सदन से बाहर चले जाते हैं। वंदे मातरम पर चर्चा की आवश्यकता पर उत्तर देते हुए अमित शाह ने कहा कि "वंदे मातरम पर चर्चा की आवश्यकता जब वंदे मातरम रचा गया था तब भी थी, आजादी के समय मे भी थी, आज भी है और साल 2047 में जब आधुनिक भारत होगा तब भी रहेगी क्योकि वंदे मातरम में कर्तव्य और राष्ट्रभक्ति की भावना है। गृहमंत्री अमित शाह ने स्पष्ट रूप से कहा कि "जिस पार्टी के अधिवेशन की शुरुआत गुरुवर रवींद्रनाथ टैगोर वंदे मातरम गाकर कराते थे उस पर जब लोकसभा में चर्चा हुई तो गांधी परिवार के सदस्य सदन में नहीं थे। नेहरू से लेकर आज तक कांग्रेस ने वंदे मातरम गान का विरोध किया है। भविष्य में वंदे मातरम देश को विकसित और महान बनाने का उद्घोष बनेगा। वंदे मातरम गीत ने राष्ट्र की सोई हुई को चेतना को जागृत किया और देशवासियों ने विदेशी वस्तुओं का प्रयोग पूरी तरह से बंद कर दिया। आज आत्मनिर्भर भारत विकसित बनाने के लिए उसी वंदे मातरम के भाव का आह्वान प्रधानमंत्री ने किया है। वंदे मातरम भारतवासियों के हृदय के तारों को झंकृत करे और प्रत्येक भारतीय प्राणपण से भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के यज्ञ में कूद पड़े, यही वंदे मातरम की 150 वीं वर्षगांठ मनाने की सार्थकता होगी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

बच्चों के भविष्य की रोशनी जगाता यूनिसेफ

– योगेश कुमार गोयल

संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान तबाह हुए देशों के बच्चों और माताओं को आपातकालीन स्थिति में भोजन तथा स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 11 दिसम्बर 1946 को न्यूयार्क में यूनिसेफ की स्थापना की गई थी। उस समय इसे 'यूनाइटेड नेशंस इंटरनेशनल चिल्ड्रेन्स इमरजेंसी फंड' के नाम से जाना जाता था। विकासशील देशों में बच्चों और महिलाओं की दीर्घकालिक जरूरतों को पूरा करने के लिए 1950 में यूनिसेफ के दायरे को विस्तारित किया गया। 1953 में यूनिसेफ संयुक्त राष्ट्र का एक स्थायी हिस्सा बन गया और इस संगठन के नाम में से 'अंतरराष्ट्रीय' तथा 'आपातकालीन' (इमरजेंसी) शब्दों को हटा दिया गया। 1953 में यूनिसेफ के संयुक्त राष्ट्र का स्थायी सदस्य बन जाने के बाद इसका नाम 'यूनाइटेड नेशंस चिल्ड्रेंस फंड' (संयुक्त राष्ट्र बाल कोष) कर दिया गया लेकिन मूल संक्षिप्त नाम 'यूनिसेफ' को बरकरार रखा गया।

यूनिसेफ के गठन में पोलैंड के चिकित्सक लुडविक रॉश्मन ने प्रमुख भूमिका निभाई थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा बाल अधिकारों के संरक्षण की हिमायत करने, उनकी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में मदद देने तथा उनकी प्रतिभा के पूर्ण विकास के अवसरों का विस्तार करने का दायित्व यूनिसेफ को सौंपा गया है, जो बाल अधिकार समझौते से मार्गदर्शन लेते हुए बाल अधिकारों को चिरंतन नैतिक सिद्धांतों और बच्चों के प्रति व्यवहार के अंतर्राष्ट्रीय मानकों के रूप में स्थापित करने के लिए सदैव प्रत्यनशील रहता है।

अपनी स्थापना के बाद के इन 79 वर्षों में यूनिसेफ ने दुनियाभर में बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए अनेक उल्लेखनीय कार्य किए हैं। विश्वभर में बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कल्याण और विकास के लिए किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए ही यूनिसेफ को वर्ष 1965 में नोबेल शांति पुरस्कार, वर्ष 1989 में इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार तथा वर्ष 2006 में प्रिंस ऑफ अस्तुरियस अवार्ड जैसे प्रतिष्ठित सम्मानों से भी नवाजा जा चुका है।

नोबेल पुरस्कार दिए जाने के बाद वैश्विक स्तर पर यूनिसेफ का कार्य और तेज हो गया। आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो यूनिसेफ की शिक्षा इकाई के कारण ही वर्ष 2006 तक विश्वभर में करीब 12 मिलियन बच्चे पढ़ाई के लिए स्कूल वापस जा सके। बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए यूनिसेफ आपात स्थितियों में कार्रवाई करता है और युद्ध, आपदा, घोर गरीबी, हर प्रकार की हिंसा और शोषण तथा विकलांगता से पीड़ित सर्वाधिक वंचित बच्चों के लिए विशेष संरक्षण सुनिश्चित करने के प्रति संकल्पबद्ध है। यह बच्चों को पहला अधिकार दिलाता है और वंचित बच्चों तथा उनके परिवारों के लिए उपयुक्त नीतियां बनवाने और सेवाएं प्रदान करने की देशों की क्षमता का निर्माण करता है। 1946 में यूनिसेफ की स्थापना द्वितीय युद्ध में प्रभावित बच्चों की सुरक्षा के उद्देश्य से ही की गई थी लेकिन अब यह संस्था दुनियाभर में बच्चों के कल्याण के लिए कार्यरत है। वर्तमान में यूनिसेफ के कार्यकर्ता दुनियाभर के 190 से भी अधिक देशों में बच्चों के कल्याण के लिए निरन्तर कार्य कर रहे हैं। भारत में इस संस्था ने वर्ष 1949 में कार्य करना प्रारंभ किया था और अब हमारे यहां यह नई दिल्ली के अलावा उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, असम, उड़ीसा इत्यादि राज्यों में कार्य कर रही है। बाल विकास और पोषाहार, बाल संरक्षण, शिक्षा, बाल पर्यावरण, पोलियो उन्मूलन, प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य, बच्चे और एड्स, सामाजिक नीति, नियोजन, निगरानी एवं मूल्यांकन, हिमायत और भागीदारी, आचरण परिवर्तन संदेश, आपात स्थिति तैयारी और कार्रवाई जैसे क्षेत्रों पर यूनिसेफ का मुख्य फोकस रहता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग के अलावा यूनिसेफ द्वारा दुनियाभर में मौजूद अनेक स्वास्थ्य सेवा संस्थानों के साथ मिलकर बच्चों को पानी, स्वच्छता, इंफेक्शंस आदि के लिए कैंपेन चलाए जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की इस संस्था द्वारा प्रतिवर्ष दुनियाभर में नवजात बच्चों के टीकाकरण के लिए तीन बिलियन से भी अधिक टीके प्रदान किए जाते हैं। यूनिसेफ की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि यह संस्था दुनियाभर में बच्चों के कल्याण हेतु कार्य के दौरान किसी भी प्रकार के जाति, धर्म, राष्ट्रीयता, राजनीतिक विचारधारा इत्यादि के आधार पर भेदभाव नहीं करती। यह संस्था 49 से भी अधिक देशों में एचआईवी/एड्स से बचाव की लड़ाई में निरन्तर कार्यरत है। यूनिसेफ का 36 सदस्यों का कार्यकारी दल इसके कार्यों की देखरेख करता है, इसकी नीतियां बनाता है तथा यूनिसेफ के वित्तीय एवं प्रशासनिक योजनाओं से जुड़े कार्यक्रमों को स्वीकृति प्रदान करता है। यूनिसेफ का अधिकांश कार्यक्षेत्र 190 देशों अथवा क्षेत्रों में मौजूद है। 150 से अधिक देशों के कार्यालय, मुख्यालय और यूनिसेफ के नेटवर्क से जुड़े अन्य कार्यालय तथा 34 राष्ट्रीय समितियां मेजबान सरकारों के साथ विकसित कार्यक्रमों के माध्यम से यूनिसेफ के मिशन को पूरा करते हैं। सात क्षेत्रीय कार्यालय आवश्यकतानुसार सभी देशों में स्थित कार्यालयों को तकनीकी सहायता प्रदान करते हैं। वर्तमान में यूनिसेफ फंड एकत्रित करने के लिए विश्वस्तरीय एथलीट और टीमों की सहायता लेता है। इस संस्था का वित्त पोषण विभिन्न सरकारों तथा निजी दानदाताओं द्वारा किया जाता है। संस्था के संसाधनों का दो-तिहाई योगदान विभिन्न देशों की सरकारें करती हैं और शेष योगदान निजी समूहों तथा व्यक्तियों द्वारा राष्ट्रीय समितियों के माध्यम से किया जाता है। यूनिसेफ के लक्ष्यों की एक लंबी सूची है, जिसमें न्यूनतम-लागत हस्तक्षेप के माध्यम से लाखों बच्चों के जीवन को बचाने, बच्चों के अवैध व्यापार और शोषण को रोकने तथा मां-बच्चे के बीच एचआईवी/एड्स के संक्रमण को समाप्त करने में सहायता करना शामिल हैं। अनुमान लगाया जाता रहा है कि यूनिसेफ के राजस्व का करीब 92 फीसदी हिस्सा सेवा कार्यक्रमों के लिए वितरित कर दिया जाता है। वर्तमान में यूनिसेफ द्वारा बच्चों का विकास, बुनियादी शिक्षा, लड़कियों की शिक्षा सहित लिंग के आधार पर समानता, बच्चों का हिंसा से बचाव, शोषण, बाल-श्रम के विरोध में, एचआईवी/एड्स, बच्चों के अधिकारों के वैधानिक संघर्ष इत्यादि के लिए सराहनीय कार्य किए जा रहे हैं।

यूनिसेफ इस बात में विश्वास रखता है कि बच्चों का पोषण और देखभाल करना मानव प्रगति की आधारशिला है और उसका मानना है कि अगर दुनिया में फैली असमानता को मिटाया नहीं गया तो वर्ष 2030 तक लगभग 167 मिलियन बच्चे भीषण गरीबी में जीवन जीने को मजबूर होंगे। दरअसल माना जा रहा है कि 2030 तक पांच वर्ष से कम आयु के करीब 19 मिलियन बच्चों की विभिन्न कारणों से मौत हो जाएगी और करीब 60 मिलियन बच्चे प्राथमिक शिक्षा से वंचित हो जाएंगे।

रूस-यूक्रेन और इजरायल-फिलिस्तीन युद्ध ने इन चुनौतियों को और बढ़ाया है। ऐसे में बच्चों के कल्याण और सर्वांगीण विकास के लिए कार्यरत यूनिसेफ से उम्मीदें काफी बढ़ जाती हैं, जिसकी नीति है कि कोई अन्य विकल्प नहीं होने पर ही अनाथालयों को केवल बच्चों के लिए अस्थायी आवास के रूप में उपयोग किया जाना चाहिए। दरअसल, यूनिसेफ बच्चों के लिए स्थायी अनाथालयों के बड़े पैमाने पर निर्माण का विरोध करता रहा है। उसका कहना है कि जहां तक संभव हो, परिवारों और समुदायों में ही बच्चों के लिए स्थान खोजने अर्थात् उन्हें गोद देने को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यूनिसेफ अनाथ बच्चों को विदेशी माता-पिता को गोद देने के बजाय स्वदेश में ही बच्चों की देखभाल करने पर जोर देता रहा है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

द हंड्रेड में नजर आएंगे दिनेश कार्तिक, लंदन स्पिरिट ने दी बड़ी जिम्मेदारी

एजेंसी

लंदन : भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक, जो मौजूदा IPL चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) के मेंटर भी हैं, को द हंड्रेड फ्रेंचाइजी लंदन स्पिरिट का मेंटर और बैटिंग कोच बनाया गया है। द हंड्रेड के लिए किसी फ्रेंचाइजी में अपनी पहली भूमिका में कार्तिक की विशेषज्ञता इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में एक खिलाड़ी और कोच दोनों के रूप में 250 से ज़्यादा मैचों में भाग लेने और भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले 180 इंटरनेशनल मैचों से आती है। लंदन स्पिरिट के क्रिकेट डायरेक्टर मो बोबट ने एक बयान में कहा, 'लंदन स्पिरिट में छ्य का स्वागत करते हुए हमें खुशी हो रही है। वह हमारे खेल में सचमुच एक अलग सोच रखने वाले व्यक्ति हैं और शॉर्ट-फॉर्मेट और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में उनका बहुत बड़ा अनुभव हमारे लिए बहुत कीमती होगा। उनके साथ काम करना भी बहुत मजेदार है और वह जो कुछ भी करते हैं उसमें एक जबरदस्त एनर्जी और उत्साह लाते हैं।' बोबट ने कहा, 'खेल में अहमियत रखने वाले एक और एलीट इंसान को साइन करना हमारे एम्बिशन और इस बात को दिखाता है कि हम अपने प्लेयर्स को सबसे अच्छा सपोर्ट देने को कितना महत्व देते हैं।'

पावरप्ले में भारतीय गेंदबाजों का दबदबा, अर्शदीप सिंह बड़े खिलाड़ी की बराबरी कर नम्बर 1 पर आए

नई दिल्ली। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में पावरप्ले ओवर्स (1-6 ओवर) हमेशा से बल्लेबाजों का पसंदीदा समय माना जाता है, लेकिन भारत के तेज़ और स्पिन गेंदबाजों ने इस अवधि में लगातार विकेट लेकर अपनी अलग पहचान बनाई है। हाल ही के आंकड़ों के मुताबिक, पावरप्ले में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज़ों की लिस्ट में अर्शदीप सिंह और भुवनेश्वर कुमार संयुक्त रूप से टॉप पर हैं। दोनों के नाम 47-47 विकेट दर्ज हैं। उनके पीछे जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर जैसे गेंदबाज़ शामिल हैं, जिन्होंने शुरुआती ओवरों में मैच का रुख पलटने में अहम भूमिका निभाई है। अर्शदीप ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 मैच में भूवनेश्वर कुमार की बराबरी की है। भारत के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने टी20आई में पावरप्ले ओवर्स में सबसे ज़्यादा 47 विकेट लेकर बड़ा मुकाम हासिल किया है। क्रिकेट जगत में अर्शदीप अपनी स्विंग, पेस वेरिएशन और शुरुआती ओवरों में घातक लाइन-लेंथ के लिए जाने जाते हैं। आईपीएल में अपनी पहचान बनाने वाले अर्शदीप ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी साबित कर दिया है कि वह भारत के लिए लंबे समय तक पावरप्ले स्पेशलिस्ट बन सकते हैं। उनके शुरुआती ओवरों में विकेट लेने की क्षमता भारत को मजबूत शुरुआत देती है और विपक्षी टीम पर दबाव डालती है।

बल्लेबाजी में फेल, लेकिन कप्तानी में चमक बिखेर रहे सूर्यकुमार यादव

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के पहले टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में 101 रन से बड़ी जीत दर्ज की। लेकिन कप्तान बनने के बाद से ही सूर्यकुमार का बल्ला उस तरह नहीं चल रहा जैसे कि पहले चलता था। उन्होंने पहले टी20 मैच में 11 गेंदों में मात्र 12 रन बनाए जबकि 2025 की बात करें तो उन्होंने 15.6 की औसत से मात्र 196 रन ही बनाए हैं। हालांकि अगर उनकी कप्तानी की बात की जाए तो सारा खेल ही पलट जाता है क्योंकि उनकी कप्तानी में भारत ने ऑस्ट्रेलिया जैसी ताकतवर टीम को भी 2 बार हराया है। आइए उनके आंकड़ों पर नजर डालते हैं-

टी20आई में कप्तान के तौर पर सूर्यकुमार यादव :

ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हराया
साउथ अफ्रीका से 1-1 से ड्रॉ खेला
श्रीलंका को 3-0 से हराया
बांग्लादेश को 3-0 से हराया
साउथ अफ्रीका को 3-1 से हराया
इंग्लैंड को 4-1 से हराया
एशिया कप जीता
ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराया
साउथ अफ्रीका से 1-0 से आगे*

संजू से प्रतिस्पर्धा पर जितेश ने दिया बड़ा बयान, इस भारतीय टीम में बहुत प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं

कटक : टी20 विश्व कप शुरू होने में अब जबकि दो महीने से भी कम समय बचा है तब खेल के इस छोटे प्रारूप में जितेश शर्मा विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में भारत की पहली पसंद के रूप में उभरे हैं लेकिन उन्होंने संजू सैमसन के साथ किसी तरह की प्रतिस्पर्धा को खास तवज्जो नहीं दी और कहा कि इससे वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित होते हैं। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में संजू के बजाय जितेश को अंतिम एकादश में रखा। उन्होंने विकेट के पीछे शानदार प्रदर्शन करके भारत की 101 रन से जीत में अहम भूमिका निभाई। जितेश ने मैच के बाद कहा, 'वह (संजू) बेहतरीन खिलाड़ी है। अगर आपको उसके खिलाफ प्रतिस्पर्धा करनी है और कंधे से कंधा मिलाकर चलना है तो मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। म

ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे एशेज के लिए टीम की घोषणा की, हुआ महत्वपूर्ण बदलाव

एजेंसी

एडिलेड : कप्तान पैट कमिंस को इंग्लैंड के खिलाफ अगले सप्ताह होने वाले तीसरे एशेज टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है जो टीम में एकमात्र महत्वपूर्ण बदलाव है। एडिलेड ओवल में 17 दिसंबर से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट मैच के लिए ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ताओं ने बुधवार को टीम की घोषणा की।

इस मैच में कमिंस और नाथन लियोन के अंतिम एकादश में लौटने की उम्मीद है। ऑस्ट्रेलिया 5 टेस्ट मैचों की श्रृंखला में 2-0 से आगे है और एशेज को अपने पास बरकरार रखने के लिए उसे एडिलेड ओवल में सिर्फ ड्रॉ की जरूरत है। कमिंस ने जुलाई में वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की 3-0 से जीत के बाद से कोई मैच नहीं खेला है।

पीठ में दर्द के कारण उन्हें बाहर होना पड़ा और वह इंग्लैंड के खिलाफ एशेज के शुरुआती मैचों में भी नहीं

खेल पाए। गाबा में ऑस्ट्रेलिया की 8 विकेट से जीत में लियोन को टीम से बाहर रखा जाना एक चौंकाने वाला फैसला था। टीम प्रबंधन ने हालांकि पुष्टि की है कि वह एडिलेड में टीम में वापसी करेंगे। दूसरा सवाल उस्मान ख्वाजा को लेकर है। इस 38 वर्षीय सलामी बल्लेबाज को भरोसा है कि वह मैच से पहले पीठ की चोट से उबर जाएंगे, लेकिन यह देखना बाकी है कि क्या वह बल्लेबाजी क्रम में शीर्ष पर अपनी जगह वापस हासिल कर पाएंगे या नहीं। ख्वाजा के चोटिल हो जाने के बाद ट्रैविस हेड ने पर्थ में पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में शानदार शतक जमाया था। उन्होंने इसके बाद ब्रिस्बेन में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में जेक वेदरल्ड के साथ पारी की शुरुआत करते हुए 33 और 22 रन बनाए।

तीसरे एशेज टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम :

पैट कमिंस (कप्तान), स्टीव स्मिथ, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, ब्रेंडन डॉगेट, कैमरन ग्रीन, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, माइकल नेसर, मिशेल स्टार्क, जेक वेदरल्ड, ब्यू वेबस्टर। सीरीज के सबसे सफल गेंदबाज हैं, फिट हैं। हालांकि ब्रिसबेन टेस्ट के दौरान उन्हें बाईं ओर थोड़ी परेशानी थी, लेकिन कोच ने स्पष्ट किया कि वह एडिलेड टेस्ट के लिए पूरी तरह उपलब्ध रहेंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम प्रबंधन अंतिम तीन टेस्ट में तेज गेंदबाजों के वर्कलोड को लेकर सतर्क है। एडिलेड से मेलबर्न और फिर सिडनी के बीच चार-चार दिन के छोटे अंतराल को देखते हुए कुछ गेंदबाजों को आराम दिया जा सकता है। इस कारण माइकल नेसर, स्कॉट बोलैंड और ब्रेंडन डोगेट में से दो खिलाड़ी एडिलेड टेस्ट से बाहर हो सकते हैं, जिससे आगे के मुकाबलों के लिए आक्रमण को तरोताजा रखा जा सके।

टी-20 मैच : पर्यटकों के लिए बुधवार से बंद रहेगा धर्मशाला स्टेडियम

एजेंसी

धर्मशाला। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला बुधवार से पर्यटकों के लिए आगामी आदेशों तक अभी बंद रहेगा। इसके चलते कोई भी व्यक्ति और पर्यटक स्टेडियम में एंट्री नहीं कर सकता है। एच.पी.सी.ए. के महासचिव अवनीश परमार ने बताया कि 14 दिसम्बर को होने वाले भारत-दक्षिण अफ्रीका टी-20 मैच की मैच की सुचारू तैयारियों, सुरक्षा व्यवस्थाओं को देखते हुए प्रबंधन द्वारा यह फैसला लिया गया है। गौरतलब है कि धर्मशाला के एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियम को देखने बड़ी संख्या में पर्यटक और अन्य लोग यहां पंहुचते हैं जिससे एसोसिएशन को कमाई भी होती है। स्टेडियम की सुंदरता और यहां से दिखने वाली धौलाधार की पर्वत श्रृंखलाओं का एक अलग ही नजारा दिखता है।

मार्क वुड घुटने की चोट के चलते एशेज से बाहर, मैथ्यू फिशर टीम में शामिल

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड की एशेज 2025 में उम्मीदों को एक और करारा झटका लगा है। तेज गेंदबाज मार्क वुड बाएं घुटने की चोट के कारण पूरी एशेज सीरीज़ से बाहर हो गए हैं। 35 वर्षीय वुड को यह समस्या पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट में इंग्लैंड की आठ विकेट से हार के दौरान हुई थी। यह वही चोट है, जिसने उन्हें इस साल लंबे समय तक क्रिकेट से दूर रखा था।

वुड ब्रिस्बेन के गाबा में खेले गए दूसरे टेस्ट में भी नहीं खेल पाए थे और अब 17 दिसंबर से एडिलेड में शुरू होने वाले आखिरी तीन टेस्ट में भी वह टीम का हिस्सा नहीं होंगे। फरवरी में घुटने की सर्जरी के बाद पर्थ टेस्ट उनके लिए पहला प्रतिस्पर्धी मैच था, लेकिन चोट की वापसी ने इंग्लैंड के लिए मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। उम्र और लगातार चोटों के चलते अब उनके लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। मार्क वुड इस हफ्ते के अंत में इंग्लैंड लौटेंगे, जहां ईसीबी की मेडिकल टीम की निगरानी में उनका रिहैबिलिटेशन

शुरू होगा। वुड की जगह इंग्लैंड ने सरे के तेज गेंदबाज मैथ्यू फिशर को टीम में शामिल किया है। 28 वर्षीय फिशर इस समय इंग्लैंड लायंस टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हैं। उन्होंने इस दौरे पर खेले गए तीन मैचों में दो विकेट लिए हैं, जिसमें लिलैक हिल में खेले गए वॉर्म-अप मैच में जैक क्रॉली का विकेट भी शामिल है। हाल ही में ब्रिस्बेन में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ लायंस की पारी की हार वाले मैच में फिशर ने 31 ओवर में 105 रन देकर कोई विकेट नहीं लिया। फिशर ने अब तक सिर्फ एक टेस्ट मैच खेला है, जो उन्होंने 2022 में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था। उस मैच में उन्होंने एंटीगा में मैच में कुल 1/21 के आंकड़े दर्ज किए थे। मार्क वुड के बाहर होने से इंग्लैंड की तेज गेंदबाजी यूनिट और कमजोर हो गई है, जो पहले से ही एशेज में चुनौतीपूर्ण हालात का सामना कर रही है।

विधायक किशोरी लाल ने किया इंटर-कॉलेज महिला खो-खो प्रतियोगिता का शुभारंभ

एजेंसी

धर्मशाला। पंडित संत राम राजकीय महाविद्यालय बैजनाथ में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय इंटर-कॉलेज महिला खो-खो प्रतियोगिता 2025 का शुभारंभ किया गया। महाविद्यालय परिसर में आयोजित इस उद्घाटन समारोह में विधायक किशोरी लाल ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और प्रतियोगिता का औपचारिक शुभारंभ किया।

प्रतियोगिता में राजकीय महाविद्यालय बैजनाथ, हमीरपुर, ऊना, थुरल, रामपुर, जयसिंहपुर, ददाहू, खड्ड, घुमारवीं, बिलासपुर, मुल्थान तथा आर के एम वी शिमला सहित कुल 12 टीमों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि खो-खो जैसे भारतीय पारंपरिक खेल हमारी सांस्कृतिक धरोहर का अभिन्न अंग हैं और युवाओं में एकाग्रता, टीम भावना तथा मानसिक मजबूती को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने कहा कि बेटियों की खेलों में बढ़ती भागीदारी प्रदेश के लिए गौरव का विषय है और सरकार द्वारा महिला खिलाड़ियों को हर स्तर पर प्रोत्साहित करने के लिए अनेक कदम उठाए जा रहे हैं। विधायक ने सभी टीमों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि जीत-हार खेल का हिस्सा है लेकिन सही मायनों में खेल भावना और अनुशासन ही खिलाड़ी को महान बनाते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से पूरे उत्साह, समर्पण और सकारात्मक ऊर्जा के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने का आह्वान किया।

फॉर्मूला 4 इंडियन चैंपियनशिप का फाइनल चेन्नई के मद्रास इंटरनेशनल सर्किट में

एजेंसी

चेन्नई। एफआईए से मान्यता प्राप्त फॉर्मूला 4 इंडियन चैंपियनशिप अपने सीजन के निर्णायक फाइनल के लिए पूरी तरह तैयार है। चार राउंड के बाद अब खिताब की जंग अंतिम वीकेंड तक पहुंच गई है, जहां 13-14 दिसंबर को चेन्नई के मद्रास इंटरनेशनल सर्किट में नए चैंपियन का ताज पहनाया जाएगा।

सीजन के दौरान शानदार निरंतरता दिखाने वाले 15 वर्षीय केन्याई ड्राइवर शेन चांडारिया (चेन्नई टर्बो राइडर्स) 158 अंकों के साथ प्वाइंट्स टेबल में सबसे आगे हैं। इस सीजन उन्होंने रफ्तार और बेहतरीन रेस क्राफ्ट का संतुलन दिखाया है। तीन रेस जीत, जिसमें पिछले महीने करी में मिली अहम जीत भी शामिल है, ने उन्हें मजबूत स्थिति में पहुंचाया है। हालांकि, अंक अंतर कम होने के कारण खिताब की तस्वीर अभी पूरी तरह साफ नहीं है। उनके ठीक पीछे फ्रांस के सैशेल रोटगे (किच्चा'स किंग्स बेंगलुरु) 134 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। चेन्नई ट्रैक पर उनका रिकॉर्ड शानदार रहा है, जहां राउंड-2 में उन्होंने दो जीत दर्ज की

थीं। इसके अलावा कोयंबटूर में मिली एक और जीत ने उन्हें फाइनल से पहले आत्मविश्वास से भर दिया है। तीसरे स्थान पर भारतीय युवा ड्राइवर ईशान मडेश (कोलकाता रॉयल टाइगर्स) 127 अंकों के साथ खिताब की दौड़ में बने हुए हैं। उन्होंने भी इस सीजन चेन्नई में एक रेस जीती है और यह साबित किया है कि वे शेन और सैशेल दोनों को कड़ी चुनौती दे सकते हैं। तीनों ड्राइवरों के बीच अंक अंतर बहुत कम होने से चैंपियनशिप पूरी तरह खुली हुई है। मिडफील्ड की लड़ाई भी इस सीजन का बड़ा आकर्षण रही है। साई शिवा शंकरन (स्पीड डेमन्स दिल्ली), ग़ाज़ी मोटलेकर (कोलकाता रॉयल टाइगर्स) और लुवीवे संबुडला (गोवा एसेज़ जेए रेसिंग) जैसे ड्राइवरों ने लगातार पोडियम के लिए जोरदार संघर्ष किया। उनकी पहिया से पहिया लड़ाई ने हर राउंड में दर्शकों को बांधे रखा।

मद्रास इंटरनेशनल सर्किट ड्राइवरों की सटीकता और धैर्य की कड़ी परीक्षा लेता है। इसके तेज़ कॉर्नर और चुनौतीपूर्ण ब्रेकिंग ज़ोन साफ-सुथरी ड्राइविंग का इनाम देते हैं, जबकि छोटी-सी गलती भी भारी पड़ सकती है। खिताब दांव पर होने के कारण चेन्नई में हर लैप बेहद अहम होगा। जैसे ही सीजन अपने आखिरी सिग्नल की ओर बढ़ रहा है, फैंस को एक बेहद रोमांचक और दबाव से भरा वीकेंड देखने को मिलेगा। पूरे साल अनिश्चित और रोमांचक रही यह चैंपियनशिप अब अपने अंतिम चरण में है, जहां भारत को मिलने वाला अगला फॉर्मूला 4 चैंपियन तय होगा।

जिला क्रिकेट लीग अंडर 16 में डीसीए की शानदार जीत

एजेंसी

अररिया। स्थानीय नेताजी सुभाष स्टेडियम में खेले जा रहे कॉन्सम ट्राफी जिला क्रिकेट लीग अंडर-16 मुकाबले में डीसीए ने एफसीए को 8 विकेट से पराजित कर शानदार जीत दर्ज की। टॉस जीतकर डीसीए ने पहले गेंदबाज़ी का फैसला किया, जो पूरी तरह सही साबित हुआ। पहले बल्लेबाज़ी करते हुए एफसीए की टीम 20 ओवर में 95 रन ही बना सकी। टीम की ओर से कृष्ण आर्यन ने सर्वाधिक 15 रन बनाए, जबकि शुभम बिराजी ने 14 रन का योगदान दिया। डीसीए की ओर से गेंदबाज़ी में शानदार प्रदर्शन करते हुए यक्षेंद्र ने कसी हुई गेंदबाज़ी की और 3 विकेट लिए,जबकि हसन रजा ने 2 विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करते हुए डीसीए की टीम मात्र 8 विकेट शेष रहते हुए आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। बल्लेबाज़ी में राहुल सिद्धार्थ ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए 37 रन, जबकि शादमान ने 24 रन की उपयोगी पारी खेली और टीम को जीत दिलाई। अपने हरफनमौला प्रदर्शन के लिए शादमान को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। मैच में अंपायर की भूमिका में अनामी शंकर और अशोक मिश्रा रहे।जबकि स्कोरर पंकज थे। मौके पर संघ के सचिव राजेंद्र प्रसाद यादव, ओम प्रकाश जायसवाल, आनंद मोहन सिन्हा, उज्ज्वल, सरवन,अमित सेनगुप्ता एवं ग्राउंड्स मैन राजेश कुमार मौजूद रहे।

तिलक वर्मा ने टी20आई में सिर्फ 34 इनिंग्स में पूरे किए 1000 रन, टॉप 5 में बनाई जगह

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के उभरते हुए युवा स्टार तिलक वर्मा ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में उन्होंने 1000 टी20आई रन पूरे कर बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। इस मैच से पहले वह इस मुकाम से केवल 4 रन दूर थे और जैसे ही उन्होंने जरूरी रन बनाए, वह इस खास क्लब का हिस्सा बन गए। बेहद कम समय में और दबाव भरी परिस्थितियों में यह उपलब्धि हासिल करना उनके तेजी से उभरते करियर और निरंतर प्रदर्शन का प्रमाण है। अब वह सबसे कम इनिंग्स में 1000 टी20आई रन पूरे करने वाले टॉप 5 खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं।

भारतीय क्रिकेट के सबसे भरोसेमंद युवा चेहरों में से एक तिलक वर्मा ने अपने टी20 इंटरनेशनल करियर में एक और कमाल कर दिखाया है। कटक के बाराबाती स्टेडियम में खेले जा रहे सीरीज के पहले मैच में उन्होंने अपने 1000 टी20आई रन पूरे कर लिए। यह उपलब्धि उनके करियर की तेजी और निरंतरता को दर्शाती है। इस मुकाम तक पहुंचकर वह उन चुनिंदा भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने टी20आई फॉर्मेट में 1000 या उससे अधिक रन बनाए हैं।

सिर्फ 34 पारियों में बड़ी उपलब्धि

तिलक वर्मा ने यह रिकॉर्ड सिर्फ 34 पारियों में हासिल किया है, जो उनकी क्लास और खेल को समझने की अद्भुत क्षमता को दर्शाता है। इतनी कम पारियों में यह मुकाम हासिल करना आसान नहीं, लेकिन तिलक ने लगातार प्रदर्शन करते हुए यह उपलब्धि हासिल की है। इस उपलब्धि के साथ वे टी20आई में 1000+ रन बनाने वाले 13वें भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं।

टी20आई में सबसे कम इनिंग्स में 1000 रन पूरे करने वाले टॉप 5 भारतीय खिलाड़ी

विराट कोहली - 29 मैच - 28 इनिंग्स
अभिषेक शर्मा - 29 मैच - 29 इनिंग्स
केएल राहुल - 32 मैच - 29 इनिंग्स
सूर्यकुमार यादव - 33 मैच - 31 इनिंग्स
तिलक वर्मा - 37 मैच - 34 इनिंग्स

दबाव भरी परिस्थितियों में उभरा उनका दम

तिलक वर्मा की सबसे बड़ी खासियत यह रही है कि उन्होंने अक्सर मुश्किल हालात में टीम के लिए महत्वपूर्ण पारियां खेली हैं। चाहे टीम शुरुआती झटकों से उबर रही हो या तेज रन गति की जरूरत हो– तिलक ने लगभग हर परिस्थिति में खुद को साबित किया है। उनकी बल्लेबाजी में मैच का हाल समझने और परिस्थितियों के अनुसार खेल बदलने की क्षमता देखने को मिलती है, जो उन्हें टीम इंडिया के लिए बेहद मूल्यवान खिलाड़ी बनाती है। 23 साल के तिलक वर्मा को 2026 टी20 वर्ल्ड कप, जो भारत में होने वाला है, के लिए टीम की दीर्घकालिक योजनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है।

संजू से प्रतिस्पर्धा पर जितेश ने दिया बड़ा बयान, इस भारतीय टीम में बहुत प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं

एजेंसी

कटक : टी20 विश्व कप शुरू होने में अब जबकि दो महीने से भी कम समय बचा है तब खेल के इस छोटे प्रारूप में जितेश शर्मा विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में भारत की पहली पसंद के रूप में उभरे हैं लेकिन उन्होंने संजू सैमसन के साथ किसी तरह की प्रतिस्पर्धा को खास तवज्जो नहीं दी और कहा कि इससे वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित होते हैं। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में संजू के बजाय जितेश को अंतिम एकादश में रखा। उन्होंने विकेट के पीछे शानदार प्रदर्शन करके भारत की 101 रन से जीत में अहम भूमिका निभाई। जितेश ने मैच के बाद कहा, 'वह (संजू) बेहतरीन खिलाड़ी है। अगर आपको उसके खिलाफ प्रतिस्पर्धा करनी है और कंधे से कंधा मिलाकर चलना है तो मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। मुझे लगता है कि हम किसी अन्य टीम के लिए नहीं बल्कि भारत की तरफ से खेलने के लिए प्रयास कर रहे हैं।' संजू ने पिछले साल टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तीन शतकों की मदद से 436 रन बनाए थे। उन्होंने अभिषेक शर्मा के साथ एक मजबूत सलामी जोड़ी बनाई थी लेकिन शुभमन गिल की टी20 टीम में वापसी के बाद संजू की टीम में जगह पक्की नहीं रही और अंतिम एकादश उनकी भूमिका अनिश्चित हो गई। जितेश ने व्यक्तिगत प्रतिस्पर्धा को कम महत्व दिया और कहा कि वह संजू के मार्गदर्शन में काफी कुछ सीख रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे बहुत खुशी है कि वह टीम में है और मैं उनके मार्गदर्शन में सीख रहा हूं। वह मेरे लिए बड़े भाई की तरह हैं। मुझे लगता है कि स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से ही प्रतिभा निखरती है। यह टीम के लिए भी अच्छा है। इस भारतीय टीम में बहुत अधिक प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि संजू बाहर हैं और मैं खेल रहा हूं।' जितेश ने कहा, 'हम भाइयों की तरह हैं। हम एक-दूसरे के साथ अपने अनुभव साझा करते हैं। जब भी मैं विकेटकीपिंग या बल्लेबाजी करता हूं तो वह मेरी बहुत मदद करते हैं।' जितेश ने 2023 में एशियाई खेलों में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से फिनिशर की भूमिका अच्छी तरह से निभाई है और इसलिए उन्हें संजू पर प्राथमिकता दी गई। उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद मुझे ज्यादा आराम नहीं मिला। मैं एशिया कप में खेला था।

जसप्रीत बुमराह का ऐतिहासिक रिकॉर्ड, भारतीय क्रिकेट में पहली बार हुआ ऐसा कारनामा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में इतिहास रच दिया। जैसे ही बुमराह ने इस मैच में अपना पहला विकेट लिया, उन्होंने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में एक ऐसा रिकॉर्ड बना दिया, जिसे आज तक कोई भारतीय गेंदबाज नहीं कर पाया था। बुमराह ने इस मैच में अपना पहला विकेट लेते ही टी20 इंटरनेशनल करियर के 100 विकेट पूरे कर लिए। इसके साथ ही वे भारत की ओर से टी20 में 100+ विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बन गए। उनसे पहले यह उपलब्धि अर्शदीप सिंह ने हासिल की थी। खास बात यह है कि बुमराह ने यह उपलब्धि सिर्फ 81 टी20 मैचों में पाई – यह उनकी निरंतरता, फिटनेस और घातक गेंदबाजी का बड़ा सबूत है।भारत के पहले गेंदबाज: तीनों फॉर्मेट में 100+ विकेट सिर्फ टी20 ही नहीं, बुमराह ने एक और अनोखा भारतीय रिकॉर्ड बनाया है: वे भारत के पहले ऐसे गेंदबाज बन गए हैं जिन्होंने तीनों इंटरनेशनल फॉर्मेट - टेस्ट, वनडे और टी20 – सभी में 100 या उससे ज्यादा विकेट लिए हैं।

टेस्ट: 234 विकेट
वनडे: 149 विकेट
टी20आई: 101* विकेट

यह उपलब्धि दुनिया के बहुत कम गेंदबाजों ने हासिल की है और अब बुमराह भी इस खास क्लब में शामिल हो गए हैं।

आईपीएल 2026 ऑक्शन: वेंकटेश अय्यर और रवि बिश्नोई सबसे ऊंचे बेस प्राइस वाले भारतीय

एजेंसी

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 ऑक्शन से ठीक एक हफ्ते पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शॉर्टलिस्ट किए गए खिलाड़ियों की आधिकारिक सूची जारी कर दी है। 16 दिसंबर को अबू धाबी में होने वाले टाटा आईपीएल 2026 ऑक्शन में कुल 350 खिलाड़ी बोली के लिए उपलब्ध रहेंगे। इस ऑक्शन की सबसे खास बात यह है कि 2 करोड़ रुपये की सबसे ऊंची बेस प्राइस वाली कैटेगरी में शामिल भारतीय खिलाड़ियों में सिर्फ वेंकटेश अय्यर और रवि बिश्नोई को ही जगह मिली है। आईपीएल 2026 ऑक्शन के लिए कुल 1390 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया था, जिनमें से 350 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया गया। इस फाइनल लिस्ट में 240 भारतीय और 110 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। इनमें 112 खिलाड़ी इंटरनेशनल क्रिकेट खेल चुके हैं, जबकि 224 अनकैप्ड भारतीय और 14 अनकैप्ड विदेशी खिलाड़ी भी ऑक्शन का हिस्सा होंगे, जिससे युवा प्रतिभाओं को बड़ा मंच मिलने की उम्मीद है।

विदेशी खिलाड़ियों की मौजूदगी भी इस बार मजबूत नजर आ रही है। ऑक्शन में 9 देशों के क्रिकेटर शामिल होंगे, जिनमें इंग्लैंड से सबसे ज्यादा 21 खिलाड़ी, ऑस्ट्रेलिया से 19, न्यूजीलैंड से 16, साउथ अफ्रीका से 15, श्रीलंका से 12, वेस्टइंडीज से 9, अफगानिस्तान से 10, बांग्लादेश से 7 और आयरलैंड से 1 खिलाड़ी शामिल है। भारतीय ऑलराउंडर जलज सक्सेना 39 साल की उम्र में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होंगे, जबकि अफगानिस्तान के वाहिदुल्लाह जदरान महज 18 साल से थोड़ी अधिक उम्र के साथ ऑक्शन में सबसे युवा खिलाड़ी हैं। इस बार 2 करोड़ रुपये के बेस प्राइस में कुल 40

खिलाड़ियों ने एंट्री ली है। इस कैटेगरी में कैमरन ग्रीन, स्टीव स्मिथ, डेविड मिलर, क्विंटन डी कॉक, वानिंदु हसरंगा, लियाम लिविंगस्टोन, मैथीशा पथिराना, एनरिक नॉर्खिया, जेसन होल्डर, डेरिल मिचेल, जॉश इंग्लिस, मुजीब उर रहमान और नवीन-उल-हक जैसे बड़े अंतरराष्ट्रीय सितारे शामिल हैं। भारतीय खिलाड़ियों में केवल वेंकटेश अय्यर और रवि बिश्नोई ही इस हाईएस्ट बेस प्राइस स्लैब में हैं।

इसके अलावा 1.5 करोड़ रुपये और 1.25 करोड़ रुपये के बेस प्राइस में भी कई चर्चित नाम शामिल हैं, जिनमें रहमानुल्लाह गुरबाज, मैथ्यू शॉर्ट, झाय रिचर्डसन, फिन एलन, जॉनी बेयरस्टो, उमेश यादव, राहुल चाहर और चारिथ असलंका जैसे खिलाड़ी फ्रेंचाइजियों का ध्यान खींच सकते हैं। 75 लाख रुपये और उससे नीचे के बेस प्राइस में कई भारतीय युवा और अनुभवी खिलाड़ी भी मैदान में होंगे। इस सूची में सरफराज खान, पृथ्वी शॉ, दीपक हुड्डा, मयंक अग्रवाल, राहुल त्रिपाठी, नवदीप सैनी, चेतन साकरिया, कुलदीप सेन और दर्शन नालकंडे जैसे नाम शामिल हैं, जिन पर टीमों की खास नजर रहने वाली है। ऑक्शन में सभी 10 फ्रेंचाइजियां मिलकर कुल 77 खाली स्लॉट भरेंगी, जिनमें से 31 स्लॉट विदेशी खिलाड़ियों के लिए आरक्षित हैं। सभी टीमों के पास मिलाकर 237.55 करोड़ रुपये की राशि खर्च करने के लिए उपलब्ध है। कोलकाता नाइट राइडर्स के पास सबसे बड़ा पर्स 64.3 करोड़ रुपये का है, जबकि मुंबई इंडियंस के पास केवल 2.75 करोड़ रुपये बचे हैं। कुल मिलाकर, टाटा आईपीएल 2026 ऑक्शन खिलाड़ियों और फ्रेंचाइजियों दोनों के लिए बेहद अहम साबित होने वाला है, जहां अनुभव, युवा जोश और बड़ी रणनीतियों के साथ एक बार फिर रोमांचक बोली देखने को मिलेगी।

चावल, गेहूं नरम; चीनी स्थिर; दालों, खाद्य तेलों में घट-बढ़

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल के औसत भाव टूट गये। चावल के साथ गेहूं में भी नरमी रही जबकि दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत पांच रुपये घटकर 3,853.85 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं 11 रुपये सस्ता हुआ और 2,847.41 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटे की कीमत कमोबेश अपरिवर्तित रही। दाल-दलहनों में मूंग दाल 14 रुपये और मसूर दाल 11 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। तुअर दाल की कीमत 18 रुपये और उड़द दाल की आठ रुपये प्रति क्विंटल घट गयी। चना दाल में टिकाव रहा। विदेशों में बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का फरवरी वायदा 11 रिंगिट चढ़कर 4,104 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं, जनवरी का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.08 प्रतिशत गिरकर में 51.14 डॉलर के भाव बोला गया। स्थानीय बाजारों में सोया तेल औसतन आठ रुपये प्रति क्विटल महंगा हुआ। सरसों तेल की कीमत 99 रुपये और वनस्पति की 34 रुपये प्रति क्विंटल घट गयी। पाम ऑयल में 26 रुपये और मूंगफली तेल में 18 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही। सूरजमुखी तेल छह रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया। मीठे के बाजार में आज गुड़ की औसत कीमत 13 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। वहीं, चीनी पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर ही टिकी रही।

रुपया 17 पैसे मजबूत

मुंबई। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया दो दिन की गिरावट से उबरते हुए 17.50 पैसे मजबूत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 89.8750 रुपये का बोला गया। पिछले कारोबारी दिवस पर भारतीय मुद्रा 9.75 पैसे टूटकर 90.05 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी। रुपया आज 10 पैसे की गिरावट के साथ 90.15 रुपये प्रति डॉलर पर खुला, लेकिन इसके बाद लगातार मजबूत हुआ। इसका उच्चतम स्तर 89.8450 रुपये प्रति डॉलर रहा।

सीमेंट कंपनियों का मुनाफा 2.5 प्रतिशत बढ़ने की संभावना: क्रिसिल

मुंबई। विक्रय मूल्य और लागत में स्थिरता के बीच चालू वित्त वर्ष में सीमेंट कंपनियों के मुनाफे में 2.50 प्रतिशत की वृद्धि की संभावना है। बाजार अध्ययन एवं साख निर्धारक कंपनी क्रिसिल इंटेलीजेंस की जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में सीमेंट उत्पादन में पांच प्रतिशत की वृद्धि हुई थी जिसके चालू वित्त वर्ष में 6.5 से 6.75 प्रतिशत के बीच बढ़ने की उम्मीद है। खासकर, दूसरी तिमाही में अब तक उत्पादन आठ से नौ प्रतिशत बढ़ा है। इसमें पहली तिमाही की ठहरी हुई मांग और लोगों के पास नकदी की उपलब्धता का भी योगदान है। देश की 14 सीमेंट कंपनियों के बैलेंसशीट के अध्ययन के आधार पर तैयार रिपोर्ट में अनुमान व्यक्त किया गया है कि इस साल सीमेंट की 50 किलोग्राम की बोरी की औसत कीमत 354 से 359 रुपये के दायरे में रह सकती है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में हालिया सुधारों में सीमेंट को 28 फीसदी के स्लैब से हटाकर 18 फीसदी में किया गया है। इससे खुदरा मूल्यों में गिरावट की गुंजाइश है। हालांकि मांग बढ़ने से उद्योग के लिए परिदृश्य सकारात्मक रहेगा। क्रिसिल इंटेलीजेंस के निदेशक सेहुल भट्ट ने कहा कि मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही में सीमेंट की औसत कीमत तीन प्रतिशत बढ़ी है। अनुमान है कि जीएसटी सुधारों का पूरा असर तीसरी तिमाही से दिखेगा। इसमें दूसरी छमाही में कीमतों में चार-पांच प्रतिशत की गिरावट आयेगी।

इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की बिक्री नवंबर में 62 प्रतिशत बढ़ी, दुपहिया में गिरावट

नई दिल्ली। देश में इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की बिक्री में इस साल नवंबर में सालाना आधार पर 62 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी जबकि दुपहिया में 2.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी। यात्री वाहनों में कारों, उपयोगी वाहनों और कैब को शामिल किया जाता है। वाहन डीलरों के संगठन सियाम के जारी आंकड़ों के अनुसार, नवंबर 2024 में देश में कुल 9,174 इलेक्ट्रिक वाहन बिके थे। इस साल नवंबर में यह संख्या बढ़कर 14,850 इकाई पर पहुंच गयी। इस प्रकार इसमें 61.87 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसमें टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स ने 6,153 और जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने 3,693 वाहन बेचे हैं। दुपहिया ई-वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 2.51 प्रतिशत घटकर 1,16,982 इकाई रह गयी। इसमें 30,347 इकाई के साथ टीवीएस मोटर पहले और 25,565 के साथ बजाज ऑटो दूसरे स्थान पर रही। तिपहिया ई-वाहनों की बिक्री में 31.99 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गयी और यह एक साल पहले के 63,400 से बढ़कर नवंबर 2025 में 83,683 पर पहुंच गया। इसमें 10,779 इकाई के साथ महिंद्रा समूह पहले और 8,765 इकाई के साथ बजाज ऑटो दूसरे स्थान पर रही। नवंबर में देश में कुल 1,698 ई-वाणिज्यिक वाहन बिके जो 203 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

तेलंगाना को 2047 तक तीन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनाने का लक्ष्य : मुख्यमंत्री रेड्डी

एजेंसी

हैदराबाद। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सोमवार को कहा कि तेलंगाना विकास में एक लंबी छलांग लगाएगा। उन्होंने कहा कि वे 2047 के लिए नए लक्ष्य तय करके आगे बढ़ रहे हैं। उनका मकसद तेलंगाना को तीन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनाना है। फ्यूचर सिटी में आयोजित तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने राज्य के भविष्य के लिए एक महत्वाकांक्षी रोडमैप पेश करते हुए कहा कि तेलंगाना भारत का सबसे उन्नत और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी राज्य बनने की राह पर है। उन्होंने कहा कि विकास के लिए उद्योगपतियों और अर्थशास्त्रियों से सुझाव मांगे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में बहुत सारे मौके हैं। यहां अच्छा सकारात्मक माहौल भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने राज्य को 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर

की इकॉनमी में बदलने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में देश की लगभग 2.9 प्रतिशत आबादी रहती है। तेलंगाना देश की जीडीपी में लगभग 5 प्रतिशत का योगदान देता है। उन्होंने भरोसा जताया कि उनका लक्ष्य 2047 तक भारत की जीडीपी में 10 प्रतिशत का योगदान देना है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना को तीन हिस्सों में बांटा गया है। यानी सर्विस सेक्टर, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर और एग्रीकल्चर सेक्टर। उन्होंने कहा कि इसके लिए कोर अर्बन रीजन इकॉनमी, पेरी अर्बन रीजन इकॉनमी और रूरल एग्रीकल्चर रीजन इकॉनमी मॉडल बनाए गए हैं।मुख्यमंत्री रेड्डी ने आगे कहा कि देश की आजादी के बाद हमारे नेताओं ने एक नया संविधान बनाकर भविष्य के लिए एक रोड मैप बनाया। वे तेलंगाना के भविष्य के लिए भी एक रोड मैप बनाना चाहते थे। रेड्डी ने कहा कि उन्होंने महात्मा गांधी, डॉ. बीआर अंबेडकर से बहुत प्रेरणा ली है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के लोगों ने दशकों तक अलग राज्य के लिए लड़ाई लड़ी है। 2014 में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और उस समय के प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में अलग तेलंगाना राज्य का सपना पूरा हुआ। उन्होंने कहा कि तेलंगाना भारत में एक युवा राज्य के तौर पर उभरा है। अगले दस सालों में हम तेलंगाना को देश का सबसे विकसित राज्य और दुनिया का सबसे बेहतरीन और सभी निवेशकों के लिए, एक उपयुक्त निवेश गंतव्य की रूप में पेश करने का प्रयास जारी है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि हम खुशकिस्मत हैं कि इस ग्लोबल समिट में सभी क्षेत्र के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। उन्होंने उद्योगपति, कॉर्पोरेट दिग्गजों, नीतिनिर्धारकों, सरकारी अधिकारियों और अलग-अलग क्षेत्र के विशेषज्ञों को धन्यवाद दिया।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट का आईपीओ 12 दिसंबर को खुलेगा

एजेंसी

अहमदाबाद। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के इक्विटी शेयरों का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 12 दिसंबर को खुलेगा और 16 दिसंबर को बंद होगा। कंपनी की ओर से यहाँ जारी बयान में कहा इसका प्राइस बैंड 2,061 से 2,165 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। फ्लोर प्राइस इक्विटी शेयर्स के फेस वैल्यू का 2,061 गुना और कैप प्राइस इक्विटी शेयर्स के फेस वैल्यू का 2,165 गुना है। यह पूरा इश्यू ऑफर फॉर सेल होगा। जिसमें प्रूडेंशियल कॉरपोरेशन अपनी हिस्सेदारी का 9.9 प्रतिशत हिस्सा बेच रही है। बिड/ऑफर 12 दिसंबर को खुलेगा और मंगलवार, 16 दिसंबर को बंद होगा। एंकर इन्वेस्टर बिडिंग तारीख 11 दिसंबर होगी। न्यूनतम बिड लॉट छह इक्विटी शेयर्स का है और उसके बाद छह इक्विटी शेयर्स के मल्टीपल में बिड की जा सकती है। यह ऑफर कंपनी के एक प्रमोटर, यानी प्रूडेंशियल कॉर्पोरेशन होल्डिंग्स लिमिटेड द्वारा ऑफर फॉर सेल के जरिए अधिकतम 48,972,994 इक्विटी शेयर्स तक का है। पूरा आईपीओ ऑफर फॉर सेल (ओपीएस) है। इस ओएफएस के तहत 4.89 करोड़ शेयर बेचे जाएंगे। ये सभी शेयर ब्रिटेन स्थित कंपनी प्रूडेंशियल कॉरपोरेशन होल्डिंग्स बेच रही है, जो आईसीआईसी आई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी की जॉइंट वेंचर पार्टनर भी है।

भारत बना एशिया की ग्रोथ का 'सुपरइंजन', ADB ने आर्थिक वृद्धि अनुमान बढ़ाया

एजेंसी

नई दिल्ली। एशियाई विकास बैंक (ADB) ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में घोषणा की है कि भारत अब पूरे एशिया की ग्रोथ का 'सुपरइंजन' बन गया है। मजबूत इकोनॉमिक ग्रोथ आंकड़ों के दम पर, भारत और वियतनाम ने पहले के प्रमुख देश चीन और जापान की जगह ले ली है। भारत ने अपनी दूसरी तिमाही में 8 फीसदी से अधिक की असाधारण आर्थिक वृद्धि दर्ज की है, जो पूरे एशिया क्षेत्र में सबसे मजबूत आंकड़ों में से एक है। भारत की इस आर्थिक मजबूती को देखते हुए ADB ने पूरे एशिया के विकास अनुमान में महत्वपूर्ण वृद्धि की है। ADB के अनुसार, 2025 में एशिया की ग्रोथ रेट अब 5.1 फीसदी रहने का अनुमान है, जो सितंबर के शुरुआती अनुमान (4.8 फीसदी) से काफी ज्यादा है। बैंक ने व्यापार अनिश्चितता में कमी और AI तथा इलेक्ट्रॉनिक्स साइकिल में तेजी का हवाला देते हुए 2026 के ग्रोथ अनुमान को भी 4.5 फीसदी से

बढ़ाकर 4.6 फीसदी कर दिया है।

उप-क्षेत्रीय संभावनाओं में, खासकर दक्षिण एशिया में बड़ा सुधार देखा गया है। दक्षिण एशिया के लिए इस वर्ष 6.5 फीसदी की वृद्धि दर की उम्मीद है, जो पहले के 5.9 फीसदी के अनुमान से अधिक है। यह वृद्धि मुख्य रूप से भारत के मजबूत प्रदर्शन पर आधारित है। हालांकि, ADB ने चीन के प्रॉपर्टी सेक्टर में जारी कमजोरी को भविष्य के लिए महत्वपूर्ण जोखिम बताया है।

माइक्रोसॉफ्ट ने की भारत में 17.5 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज अमेरिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने चार साल में भारत में 17.5 अरब डॉलर (लगभग 1,573 अरब रुपये) के निवेश की घोषणा की है जो एशिया में कंपनी का अब तक का सबसे बड़ा निवेश होगा।

कंपनी ने यह घोषणा यहां विभिन्न वैश्विक कंपनियों के प्रमुखों से यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात के बाद की। मुलाकात करने वालों में माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और मुख्य कार्यकारी सत्य नडेला भी थे। प्रधानमंत्री ने इस घोषणा पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे देश के युवाओं को नवाचार का अवसर मिलेगा। श्री सत्य नडेला ने श्री मोदी के साथ मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'देश की आकांक्षा का समर्थन करने के लिए माइक्रोसॉफ्ट 17.5 अरब डॉलर का निवेश करेगी। यह एशिया में हमारा अब तक का सबसे बड़ा निवेश होगा। ' कंपनी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यह निवेश 2026 से 2029 के बीच

किया जायेगा। इससे पहले जनवरी 2025 में उसने भारत में पांच अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की थी।

कंपनी ने साल 2030 तक देश में दो करोड़ लोगों के कौशल विकास की प्रतिबद्धता जतायी है जो जनवरी की घोषणा के मुकाबले दो गुना है। उसने बताया कि उसका नया डाटा सेंटर अगले साल के मध्य तक ऑपरेशनल हो जायेगा। इसके अलावा वह ई-श्रम और नेशनल करियर सर्विस प्लेटफॉर्म से माइक्रोसॉफ्ट एआई को जोड़ेगी जिससे अनौपचारिक क्षेत्र में काम करने वाले 31 करोड़ लोगों को लाभ मिलेगा। उसने यहां एक स्वदेशी सार्वजनिक क्लाउड और एक स्वदेशी निजी क्वाउड की भी घोषणा की है।

लगातार दूसरे दिन शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद, सेंसेक्स 436 अंक लुढका

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसले से पूर्व निवेशकों के मुनाफावसूली की वजह से लगातार दूसरे दिन घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 436.41 अंक यानी 0.51 फीसदी लुढककर 84,666.28 अंक पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 120.90 अंक यानी 0.47 फीसदी टूटकर 25,839.65 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 में से 22 शेयर में गिरावट और 8 शेयरों में तेजी रही। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 719.73 अंक लुढ़ककर 84,382.96 पर आ गया था। बड़े निजी बैंकों, तेल और आईटी शेयरों में भी उल्लेखनीय गिरावट आई। कारोबार के दौरान एक समय यह 232.55 अंक गिरकर 25,728 के स्तर तक आ गया था। सेंसेक्स के

शेयरों में एशियन पेंट्स, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाटा स्टील, मारुति सुजुकी इंडिया, सन फार्मास्युटिकल्स, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स में गिरावट हुई। हालांकि, इटर्नल, टाइटन, अदाणी पोर्ट्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फिनसर्व, एनटीपीसी और भारती एयरटेल के शेयर बढ़कर बंद हुए। इसके अलावा एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग, चीन का शंघाई कॉम्पोजिट और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए हैं, जबकि जापान का निक्की बढ़त में रहा। यूरोपीय बाजार मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। वैश्विक मानक ब्रेंट क्रूड 0.27 फीसदी गिरकर 62.33 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक दिन पहले बीएसई का सेंसेक्स 609.68 अंक यानी 0.71 फीसदी लुढ़ककर 85,102.69 के स्तर पर बंद हुआ था। एनएसई का निफ्टी भी 225.90 अंक यानी 0.86 फीसदी फिसलकर 25,960.55 के स्तर पर बंद हुआ था।

धरती का ज्ञात सोने का भंडार 20 साल में होगा खत्म, अब तक 2.16 लाख टन सोना निकाला गया

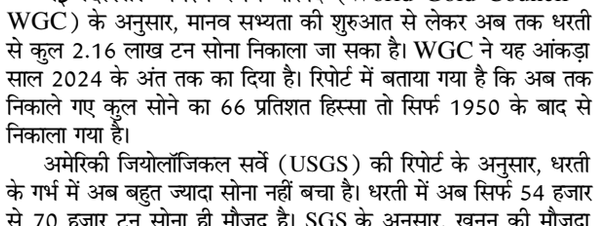

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व स्वर्ण परिषद (World Gold Council - WGC) के अनुसार, मानव सभ्यता की शुरुआत से लेकर अब तक धरती से कुल 2.16 लाख टन सोना निकाला जा सका है। WGC ने यह आंकड़ा साल 2024 के अंत तक का दिया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अब तक निकाले गए कुल सोने का 66 प्रतिशत हिस्सा तो सिर्फ 1950 के बाद से निकाला गया है।

अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे (USGS) की रिपोर्ट के अनुसार, धरती के गर्भ में अब बहुत ज्यादा सोना नहीं बचा है। धरती में अब सिर्फ 54 हजार से 70 हजार टन सोना ही मौजूद है। SGS के अनुसार, खनन की मौजूदा स्पीड (हर साल 3,000 टन) से आने वाले 20 साल में धरती से ज्ञात सोने का भंडार पूरी तरह खत्म हो सकता है। हालांकि, नई टेक्नोलॉजी से भविष्य में नई खदानें मिलने की उम्मीद है। सोने के भंडार की बात करें तो रूस और ऑस्ट्रेलिया के पास सबसे ज्यादा सोना है, दोनों के पास लगभग 12-12 हजार टन गोल्ड रिजर्व है। वहीं, निकाले गए कुल सोने का 45फीसदी हिस्सा गहनों में, 22फीसदी सिक्कों और बार बनाने में, और करीब 17फीसदी केंद्रीय बैंकों में सुरक्षित रखा गया है। चूंकि यह भंडार सीमित है, इसलिए इसकी कीमत और महत्व भविष्य में बढ़ने की संभावना है।

आईआईटी-आईएसएम धनबाद के शताब्दी वर्ष समारोह में अडाणी ने छात्रों से देश की चुनौतियों पर चर्चा की

एजेंसी

नई दिल्ली। आईआईटी-आईएसएम धनबाद के शताब्दी वर्ष समारोह में देश के जाने-माने उद्योगपति और अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी शामिल हुए। उन्होंने यहां आईआईटी-आईएसएम धनबाद के छात्रों के लिए पेड इंटर्नशिप और 3एस माइनिंग एक्सलेंस सेंटर की स्थापना की घोषणा की। अडाणी ने इस अवसर पर देश की चुनौतियों और उसके समाधान पर भी चर्चा की। अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी जब शताब्दी समारोह में पहुंचे, तो पूरा ऑडिटोरियम जोश और गर्व से भर गया। हर चेहरा उत्साहित था, हर आंखों में भविष्य के सपनों की चमक थी। छात्रों की आंखों में चमक थी, मानो वे अपने सपनों को साकार होते देख रहे हों। शिक्षकों के चेहरे पर गर्व की मुस्कान थी, और अतिथि भी इस ऐतिहासिक पल का हिस्सा बनने पर खुद को भाग्यशाली मान रहे थे। ऑडिटोरियम में तालियों की गूंज थी, मानो हर कोई इस विचार से सहमत हो कि भारत की असली ताकत उसकी मिट्टी में छुपी है। गौतम अडाणी ने अपने संबोधन की शुरुआत धनबाद की इस ज्ञानभूमि को प्रणाम करते हुए की। उन्होंने कहा कि अगर भारत को अपनी तक़दीर संवारनी है, तो उसे अपनी धरती की ताकत को समझना होगा। गौतम अदाणी ने बताया कि सौ साल पहले जब भारत ब्रिटिश शासन के अधीन था, तब भी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने इस संस्थान की स्थापना की सिफारिश की थी। उनका कहना था कि एक राष्ट्र तभी महान बनता है, जब वह अपनी धरती की भाषा सीखे लेता है। उन्होंने नालंदा विश्वविद्यालय का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत की ज्ञान परंपरा सदियों पुरानी है और आईआईटी-आईएसएम धनबाद उसी परंपरा का आधुनिक रूप है। गौतम अडाणी ने छात्रों को याद दिलाया कि इतिहास को भूलना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि जो तुम बनोगे, वही हमारा भारत बनेगा। अदाणी ने दुनिया में चल रहे नैरेटिव कॉलोनाइजेशन की चर्चा की। उन्होंने कहा कि जो कहानी हम नहीं लिखेंगे, वो हमारे खिलाफ लिखी जाएगी। उन्होंने छात्रों को चुनौती दी कि वे ऐसे मॉडल बनाएं जो भारत की ऊर्जा गरिमा को सही मायनों में दर्शाएं। गौतम अडाणी ने इस मौके पर नए भारत की तस्वीर खींची। उन्होंने इसके लिए ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े डाटा के श्रोताओं के सामने रखा। उन्होंने समझाने की कोशिश की कि कैसे भारत पर्यावरण को प्रति सजग होकर दुनिया के विकसित देशों से कम प्रदूषण पैदा कर रहा है। उन्होंने बताया कि भारत ने 50 फीसदी से ज्यादा बिजली गैर-फॉसिल स्रोतों से हासिल कर ली है और यह लक्ष्य तय समय से पहले पूरा हुआ। उन्होंने अपने ऑस्ट्रेलिया के कारमाइकल प्रोजेक्ट और गुजरात के खावड़ा में दुनिया के सबसे बड़े अक्षय ऊर्जा पार्क की चर्चा की। उन्होंने कहा कि लोग भले ही माइनिंग को पुरानी अर्थव्यवस्था कहें, लेकिन बिना इसके नई अर्थव्यवस्था संभव नहीं।

आरबीआई गवर्नर ने बैंकों से कहा, रेपो दर में कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाएं

एजेंसी

मुंबई। रिजर्व बैंक ने वाणिज्यिक बैंकों से रेपो दरों में की गयी कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए कहा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने सार्वजनिक बैंकों और चुनिंदा निजी बैंकों के प्रबंध निदेशकों एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) के साथ यहां एक बैठक की। इसमें आरबीआई के डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर, स्वामीनाथन जे., डॉ. पूनम गुप्ता और एस.सी. मुर्मू तथा कई अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

श्री मल्होत्रा ने बैंकों से कहा कि रिजर्व बैंक ने इस कैलेंडर वर्ष में अब तक चार बार में रेपो दर में 1.25 प्रतिशत की कटौती की है। इसके साथ प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल का परिणाम ऋण की लागत में कमी

के रूप में सामने आना चाहिये और दक्षता बढ़नी चाहिये ताकि वित्तीय समावेशन बढ़ सके। बैंकिंग सेक्टर की मजबूती का जिक्र करते हुए आरबीआई गवर्नर ने कहा कि उन्हें आत्मतुष्टि का शिकार नहीं होना चाहिये और सतत गतिशील माहौल में हमेशा सतर्क रहना चाहिये।

उन्होंने ग्राहक सेवा की गुणवत्ता में सुधार करने और उनकी शिकायतों के समाधान में तत्परता की जरूरत पर जोर दिया। डिजिटल धोखाधड़ी को बढ़ते जोखिम को रेखांकित करते हुए उन्होंने इंटेलिजेंस पर आधारित सुरक्षा उपायों पर जोर दिया।

स्पाइसजेट के बेड़े में शामिल हुए दो और बोइंग 737

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के उड्डयन क्षेत्र में जारी संकट के बीच किफायती विमान सेवा कंपनी स्पाइसजेट के बेड़े में दो और बोइंग 737 विमान शामिल हो गये हैं। स्पाइसजेट ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि दोनों विमान 26 और 29 नवंबर से वाणिज्यिक

उड़ान भरनी शुरू कर चुके हैं। इनका उपयोग दिल्ली-बैंकॉक, अहमदाबाद-दुबई और अहमदाबाद-कोलकाता मार्गों पर किया जा रहा है। पीक मांग वाले समय में दो विमानों का बेड़े में शामिल होना कंपनी के लिए काफी लाभदायक है। स्पाइसजेट के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी देबोजो महर्षि ने इसे चरणबद्ध तरीके से क्षमता विस्तार की तरफ एक और कदम बताया। उन्होंने उम्मीद जतायी कि इससे परिचालन को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।

भारत-ऑस्ट्रेलिया ने कौशल विकास और वर्कफोर्स मोबिलिटी पर साझेदारी मजबूत करने पर सहमति जताई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने कौशल विकास, कार्यबल गतिशीलता और खेल अर्थव्यवस्था में सहयोग को नई दिशा देने पर जोर देते हुए जताते हुए कौशल मानकों के सामंजस्य और पेशेवरों की आवाजाही को आसान बनाने पर सहमति व्यक्त की है। दोनों देशों ने योग्यताओं की मान्यता, उन्नत निर्माण क्षेत्र में ग्लोबल स्टैंडर्ड तैयार करने और खेल आधारित उद्योग में उभरते अवसरों को साझा रूप से विकसित करने पर बुई चर्चा की। राजधानी दिल्ली में आयोजित तीसरी ऑस्ट्रेलिया-इंडिया एजुकेशन एंड स्किल्स काउंसिल की बैठक में कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी और ऑस्ट्रेलिया के कौशल एवं ट्रेनिंग मंत्री एंड्रयू जाइल्स की मौजूदगी में कौशल विकास, वर्कफोर्स मोबिलिटी, खेल अर्थव्यवस्था और भविष्य उन्मुख तकनीकी कौशलों पर विस्तृत बातचीत हुई। चर्चा के दौरान दोनों पक्षों ने भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों में आई प्रगति को रेखांकित किया और इस गति को कौशल आधारित पेशों की सुगम आवाजाही में बदलने की जरूरत पर बल दिया। योग्यताओं की पारस्परिक मान्यता को लागू करने

और कौशलों के अनुरूप ब्रिज कोर्स संयुक्त रूप से तैयार करने पर सहमति बनी। उन्नत निर्माण क्षेत्र में मांग को देखते हुए वैश्विक मानकों के अनुरूप कुशल कार्यबल तैयार करने को प्राथमिकता दी गई, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया में आगामी खेल आयोजनों के कारण निर्माण गतिविधि तेजी से बढ़ रही है। भारत की 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स बोली और ऑस्ट्रेलिया में 2032 ब्रिस्बेन ओलंपिक व पैरालंपिक की तैयारियों से पैदा हो रहे अवसरों पर भी विस्तार से विचार हुआ। दोनों देशों ने माना कि खेल और शारीरिक कल्याण आधारित उद्योग एक उभरता हुआ क्षेत्र है, जो भारत की जीडीपी में लगभग 2 प्रतिशत तक योगदान देने की क्षमता रखता है। भारत के खेल निर्माण और गिग इकॉनमी क्षेत्र को ऑस्ट्रेलिया की खेल प्रबंधन और तकनीकी विशेषज्ञता का स्वाभाविक पूरक बताया गया। भारत के आईटीआई, राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान और ऑस्ट्रेलिया के टीईएफई नेटवर्क के बीच सहयोग बढ़ाने का प्रस्ताव भी रखा गया। खनन, डिजिटल और आईटी, हॉस्पिटैलिटी, हरित रोजगार, नवीकरणीय ऊर्जा और लॉजिस्टिक्स जैसे कई क्षेत्रों में संयुक्त कार्य की रूपरेखा पर सहमति बनी। जयंत चौधरी ने बैठक में कहा कि भारत भविष्य उन्मुख कौशलों के विकास के लिये प्रतिबद्ध है और स्किलिंग फॉर एआई रेडीनेस पहल इसी सोच का हिस्सा है। उन्होंने डिजिटल तकनीकों के नैतिक उपयोग और उच्च गुणवत्ता वाली वर्कफोर्स मोबिलिटी की आवश्यकता पर जोर दिया। चौधरी ने भारत और ऑस्ट्रेलिया में बारी-बारी से एक वार्षिक कौशल सम्मेलन आयोजित करने का सुझाव भी दिया, जिससे दोनों देशों के कौशल मानक और प्रशिक्षण ढांचे में सामंजस्य बढ़ सके।एंड्रयू जाइल्स ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया भारत को अपनी सबसे महत्वपूर्ण साझेदारियों में से एक मानता है। वैश्विक खेल आयोजनों और बदलते आर्थिक अवसरों के बीच कौशल सहयोग दोनों देशों के साझा विकास में अहम भूमिका निभाएगा। बैठक में कौशल विकास मंत्रालय, डीजीटी, एनसीवीईटी, एनएसडीसी और ऑस्ट्रेलिया के शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। सत्र का समापन इस सहमति के साथ हुआ कि दोनों देश कौशल प्रशिक्षण की गुणवत्ता, वैश्विक मोबिलिटी और भविष्य के लिये तैयार कार्यबल निर्माण में तेज गति से सहयोग जारी रखेंगे।

अमेरिका ने जनवरी से अब तक 85,000 वीज़ा रद्द किये

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश विभाग ने घोषणा की है कि जनवरी से अब तक 85,000 वीज़ा रद्द किए गए हैं, जो आव्रजन और सीमा सुरक्षा पर ट्रम्प प्रशासन के रुख एवं रवैये को रेखांकित करता है। अमेरिकी विदेश विभाग ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, 'जनवरी से अब तक 85,000 वीज़ा रद्द किए गए हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प और विदेश मंत्री मार्को रूबियो एक साधारण जनादेश का पालन कर रहे हैं और वे इस प्रक्रिया को जल्द रोकने वाले नहीं हैं।' इस पोस्ट के साथ ही 'मेक अमेरिका सेफ़ अगेन' नारे वाले पोस्टर लगाये गये। विदेश विभाग के एक अधिकारी के अनुसार, रद्द किए गए 85,000 वीज़ा सभी श्रेणियों के हैं। ये पिछले साल रद्द किये गए वीज़ा की संख्या से दोगुने से भी अधिक हैं। केबल न्यूज़ नेटवर्क (सीएनएन) की रिपोर्ट के अनुसार, इस आँकड़े में 8,000 से अधिक छात्र वीज़ा शामिल हैं। अधिकारी ने कहा कि शराब पीकर गाड़ी चलाना, हमला और चोरी जैसे अपराध पिछले साल वीज़ा रद्द होने के मामलों में 'लगभग आधे के लिए ज़िम्मेदार थे।' वीज़ा रद्द होने की इस वृद्धि ने 'प्रथम संशोधन' को लेकर भी चिंताएं बढ़ाई हैं। माना जा रहा है कि गाज़ा युद्ध के विरोध में प्रदर्शनों में शामिल अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को निशाना बनाने के लिए कथित तौर पर यह संशोधन किया गया है।

थाईलैंड-कंबोडिया सीमा पर झड़पों के बाद शांति समझौता टूटने के कगार पर

बैंकॉक। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच ताज़ा सीमा झड़पों के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता से हुआ शांति समझौता टूटता नजर आ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने थाईलैंड और कंबोडिया के बीच संघर्ष के फिर से भड़कने की बात स्वीकार करते हुए कहा है कि वह इस संकट को रोकने के लिए हस्तक्षेप करेंगे। उन्होंने पेंसिल्वेनिया में एक रैली में कहा, 'यह आज शुरू हुआ। मैं एक टेलीफोन पर बातचीत कर एक युद्ध को रोक दूँगा।' इस ताजा झड़प ने दोनों पड़ोसियों के बीच लंबे समय से चले आ रहे क्षेत्रीय विवाद को फिर से तेज कर दिया है और शांति के सारे प्रयास विफल होते नजर आ रहे हैं। उल्लेखनीय है कि दोनों देशों ने अक्टूबर में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के प्रयासों से मलेशिया में शांति समझौते पर हस्ताक्षर किये थे। राष्ट्रपति ने उस समय चेतावनी दी थी कि यदि दोनों में से कोई भी देश इस समझौते का समर्थन या कार्यान्वयन करने से इनकार करता है, तो अमेरिका भविष्य के व्यापार सौदों को रोक देगा।

केबल न्यूज़ नेटवर्क (सीएनएन) की रिपोर्ट के अनुसार, ताज़ा संघर्ष के बीच दोनों देशों के सीमा के नजदीक रहने वाले लगभग 400,000 लोगों को वहाँ से सुरक्षित निकाला गया है। थाईलैंड के विदेश मंत्री सिहासक फुंगकेतकेओ ने संकेत दिया है कि स्थिति और बिगड़ सकती है।

रणनीतिक साझेदारी को मजबूती प्रदान करने के लिए भारत पहुंचे इटली के उप प्रधानमंत्री ताजानी

नई दिल्ली। इटली के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मामलों एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्री एंटोनियो ताजानी भारत और इटली के बीच रणनीतिक साझेदारी को गति प्रदान करने के मकसद से बुधवार को नयी दिल्ली पहुंचे। श्री ताजानी इस साल दूसरी बार भारत के दौरे पर आये हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा, 'इटली के उप प्रधानमंत्री तथा विदेश मामलों एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्री एंटोनियो ताजानी का नयी दिल्ली पहुंचने पर हार्दिक स्वागत है। इस साल यह उनकी भारत की दूसरी यात्रा है। दिल्ली और मुंबई में उनके कार्यक्रम भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेंगे।' श्री ताजानी का यह दौरा द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए इटली की लगातार कोशिशों का हिस्सा है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि वह बुधवार को यहां विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मिलेंगे और फिर गुरुवार को आधिकारिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए मुंबई जाएंगे। वह शुक्रवार को मुंबई से इटली के लिए रवाना होंगे। श्री ताजानी का यह दौरा 23 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी के साथ हुई मुलाकात के बाद हो रहा है।

सऊदी अरब में आसमानी कहरः मक्का-जेद्दा में भारी बारिश से सड़कें बनीं झील, ट्रैफिक ठप, रेड सी फिल्म फेस्टिवल रद्द

नई दिल्ली। सऊदी अरब के रेगिस्तानी इलाकों में आमतौर पर बारिश बहुत कम होती है, लेकिन जेद्दा, मक्का और आसपास के क्षेत्रों में अचानक भारी बारिश हुई। इतनी तेज बारिश हुई कि कुछ ही मिनटों में सड़कें पानी में डूब गईं, जिससे सड़कें झील में तब्दील हो गईं। मौसम विभाग ख़तरनाक इसे सामान्य रेड अलर्ट से भी ज्यादा खतरनाक बताया, जिसके कारण स्कूलों में ऑनलाइन क्लास शुरू करने का आदेश दिया गया। दोपहर तक जेद्दा के कई इलाकों में मध्यम से भारी बारिश शुरू हो गई, जिससे पानी सड़कों पर भर गया और ट्रैफिक ठप हो गया। प्रशासन ने लोगों को निचले इलाकों और वादियों के पास जाने से मना किया। रिपोर्ट के मुताबिक कई इलाकों में बिजली चली गई। लोगों ने सोशल मीडिया पर वीडियो साझा कर बताया कि पानी कुछ ही मिनटों में गाड़ियों की बोनट तक पहुँच गया।

बयान के लिए उपस्थित नहीं होने पर पूर्व प्रधानमंत्री ओली और पूर्व गृहमंत्री लेखक की गिरफ्तारी की तैयारी

एजेंसी

काठमांडू। जेन जी आंदोलन के दौरान हुए अत्यधिक पुलिस बल प्रयोग की जांच के लिए गठित न्यायिक आयोग तत्कालीन प्रधानमन्त्री केपी शर्मा ओली और तत्कालीन गृहमन्त्री रमेश लेखक के बयान के लिए उपस्थित न होने की स्थिति देखते हुए उन्हें गिरफ्तार कर पेश कराने की तैयारी में है। इस आयोग की अवधि केवल दो सप्ताह शेष रहते हुए आयोग की तरफ से अब तक बयान का काम पूरा नहीं हो पाया है। फील्ड में तैनात सुरक्षा कर्मियों और प्रशासनिक अधिकारियों के बयान लेने के बाद अब आयोग राजनीतिक स्तर के बयान लेने की प्रक्रिया में है। आयोग के प्रवक्ता विज्ञानराज शर्मा के अनुसार लगभग डेढ़ सौ लोगों से बयान लेने का काम पूरा हो चुका है। अब पूर्व प्रधानमन्त्री ओली, पूर्व गृहमन्त्री लेखक, तत्कालीन गृह सचिव गोकर्णमणि दुवाडी, तत्कालीन प्रधानसेनापति

अशोकराज सिग्देल और नेपाल पुलिस प्रमुख आईजीपी दानबहादुर कार्की का बयान लेना बाकी है। आयोग की सिफारिश के आधार पर पूर्व प्रधानमंत्री ओली और पूर्व गृहमंत्री लेखक की विदेश यात्रा और बिना अनुमति काठमांडू से बाहर जाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। ओली की तरफ से आयोग को असंवैधानिक बताते हुए बयान न देने की घोषणा पहले ही की जा चुकी है। प्रवक्ता शर्मा का कहना है कि बयान लेने में किसी प्रकार की शंका नहीं होनी चाहिए। यदि नहीं आए, तो कानूनी प्रक्रिया शुरू होगी। आयोग सरकार को कानूनी रूप से उन्हें पेश कराने का अनुरोध करेगा।गृहमन्त्री ओमप्रकाश अर्याल ने स्पष्ट किया है कि यदि आयोग लिखित अनुरोध करता है तो सरकार पुलिस भेज कर उन्हें उपस्थित कराएगी।

गृहमंत्री ने कहा कानून सबके लिए समान है। उम्मीद है कि वे मानेंगे; न मानने पर कानून लागू किया जाएगा। जांच आयोग के प्रवक्ता शर्मा के अनुसार बयान लेना अनिवार्य होने के कारण ही उनकी विदेश यात्रा पर प्रतिबंध लगाया गया है। प्रक्रियागत रूप से जल्द से जल्द बयान लेने का निर्णय आयोग कर चुका है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रमुख सचिव, संसद महासचिव और सुरक्षा निकायों के प्रमुख तक आयोग में आकर बयान दे चुके हैं। इधर, एमाले उपमहासचिव प्रदीप ज्ञवाली ने कहा कि 'आयोग स्वयं अमान्य है।

ट्रंप की टैरिफ नीति ने किसानों को वैश्विक बाजार से किया बाहर, व्यापार नीति पर सीनेटर का बयान

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा घोषित 12 अरब डॉलर के नए किसान सहायता पैकेज पर सियासत तेज हो गई है। शीर्ष डेमोक्रेटिक नेता और अमेरिकी सीनेटर मारिया कैंटवेल ने इस योजना को किसानों के लिए बेहद नाकाफी राहत बताया। उनका कहना है कि यह कदम उन नुकसान की भरपाई नहीं कर सकता, जो ट्रंप की टैरिफ नीतियों की वजह से अमेरिकी कृषि क्षेत्र को पिछले कई वर्षों में झेलने पड़े हैं। कैंटवेल ने कहा कि ट्रंप प्रशासन की व्यापारिक नीतियों ने वैश्विक बाजारों का संतुलन बिगाड़ दिया और कई प्रमुख अमेरिकी उत्पादों के निर्यात पर बड़ा असर पड़ा, खासतौर पर उन वस्तुओं पर जिन्हें भारत जैसे बड़े बाजार में पहले बड़ी मात्रा में भेजा जाता था। ट्रंप ने हाल ही में घोषणा की थी कि वह सोयाबीन, मक्का, गेहूं, मसूर, चना और जौ उत्पादकों के लिए नए किसान सेतु सहायता कार्यक्रम के तहत 11 अरब डॉलर तक देने का प्रस्ताव कर रहे हैं। इसके अलावा 1 अरब डॉलर विशेष फसलों के लिए निर्धारित किया जाएगा। हालांकि प्रशासन ने अभी तक इन राशियों के वितरण की समय-सीमा और प्रक्रिया स्पष्ट नहीं की है। माना जा रहा है कि भुगतान 28 फरवरी 2026 तक जारी कर दिए जाएंगे।

यह सहायता राशि कमोडिटी क्रेडिट कॉरपोरेशन के माध्यम से प्रदान की जाएगी और फार्म सर्विस एजेंसी इसका प्रबंधन करेगी। यह घोषणा उस पहली टैरिफ वॉर के लगभग एक वर्ष से भी अधिक समय बाद आई है, जिसके चलते कई देशों ने अमेरिकी उत्पादों पर कड़े जवाबी शुल्क लगाए थे। सीनेटर कैंटवेल ने कहा कि यह राहत योजना बहुत कम और बहुत देर से आई है।

नए कस्टम कानून के विरोध में देशभर में कस्टम का कामकाज बंद, आयात-निर्यात प्रभावित

एजेंसी

काठमांडू। नए कस्टम कानून के विभिन्न प्रावधानों पर असहमति जताते हुए देशभर में कस्टम एजेंटों के पेनडाउन के कारण सभी कस्टम कार्यालय का कामकाज पूरी तरह बंद हो गया है। इसका सीधा असर आयात-निर्यात पर हो रहा है। गत शनिवार से लागू हुए नए कस्टम कानून में दंड-जुर्माना कठोर होना, कागजात एवं जाँच-पास प्रक्रिया अव्यावहारिक होना जैसे कारणों का हवाला देते हुए एजेंटों ने मंगलवार सुबह से पूरे देश के कस्टम कार्यालयों में काम रोक दिया है।

भंसार एजेन्ट महासंघ के आह्वान पर जाँच-पास प्रक्रिया ठप होने से आयात-निर्यात गतिविधियाँ बाधित हो गई हैं। मंगलवार की वार्ता बिना किसी नतीजे के समाप्त होने के कारण आज बुधवार को भी आयात-निर्यात ठप है। कस्टम विभाग का कहना है कि विवादित प्रावधानों को संशोधित करने के लिए उच्च स्तर पर चर्चा आवश्यक है। दंड और कागजात सम्बन्धी प्रावधान कानूनी ढांचे पर आधारित होने के कारण इन्हें तुरंत संशोधित

करना संभव नहीं है; इसके लिए आर्थिक कानून में संशोधन करना होगा।

कस्टम विभाग के महानिर्देशक श्याम भण्डारी ने कहा, 'व्यावहारिक प्रकृति के विषयों का तुरंत समाधान किया जाएगा। कस्टम प्रक्रिया में सहजता लाने वाले सुधारों को विभाग प्राथमिकता में रखकर आगे बढ़ेगा।' उन्होंने बताया कि सर्वर की गति बढ़ाना, काम की दक्षता बढ़ाने वाली व्यवस्थाएँ लागू करना जैसे कार्यगत मुद्दों का त्वरित समाधान किया जाएगा।

वार्ता के बाद महासंघ के प्रतिनिधियों ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि चर्चा जारी है और विभाग ने समाधान की दिशा में सकारात्मक संकेत दिए हैं।

पाकिस्तान को एफ-16 अपग्रेडः अमेरिका 686 मिलियन डॉलर की डील पर आगे बढ़ा

एजेंसी

वाशिंगटन। ट्रंप प्रशासन ने अमेरिकी कांग्रेस को पाकिस्तान के एफ-16 लड़ाकू विमानों को अपग्रेड करने के लिए 686 मिलियन डॉलर की प्रस्तावित हथियार बिक्री की सूचना दी है। इससे यह पैकेज 30-दिन की अनिवार्य समीक्षा अवधि में चला गया है। हालांकि, ट्रंप प्रशासन के इस कदम ने वैश्विक स्तर पर हलचल बढ़ाई है। रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी (डीएससीए) ने हाउस स्पीकर माइक जॉनसन, सीनेट विदेश संबंध समिति के चेयरमैन जेम्स रिश और हाउस विदेश मामलों की समिति के चेयरमैन ब्रायन मास्ट को इस संबंध में सूचना दी है। एजेंसी ने पत्रों में कहा कि अमेरिकी वायुसेना पाकिस्तान को लगभग 686 मिलियन डॉलर की 'रक्षा सामग्री और सेवाओं के लिए लेटर ऑफ ऑफर एंड एक्सेप्टेंस (एलओए) जारी करने वाली है, जिसकी अनुमानित लागत 686 मिलियन डॉलर है। प्रस्तावित पैकेज में 37 मिलियन डॉलर के प्रमुख रक्षा उपकरण (एमडीई) और 649 मिलियन डॉलर के अतिरिक्त हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और लॉजिस्टिकल सपोर्ट शामिल हैं। एमडीई सूची में 92 लिंक-16 टेक्निकल डेटा लिंक सिस्टम भी शामिल हैं। यह एक जैम-प्रतिरोधी डिजिटल नेटवर्क है, जिसका उपयोग अमेरिकी और सहयोगी सेनाएं वास्तविक समय में युद्धक्षेत्र की जानकारी शेयर करने के लिए करती हैं। छह एमके-82 इनर्ट के अलावा 500-पाउंड बम बॉडी भी शामिल हैं, जो बिना गाइड वाले और कम ड्रैग वाले प्रशिक्षण हथियार हैं। इनका इस्तेमाल विशेष रूप से इंटीग्रेशन और रिलीज परीक्षण के लिए किया जाता है। नोटिफिकेशन के अनुसार, इस डील में कई तरह की गैर-एमडीई वस्तुएं भी शामिल हैं, जिनमें एवियोनिक्स अपडेट, ऑपरेशनल फ्लाइट प्रोग्राम संशोधन, सुरक्षित संचार प्रणाली, आइडेंटिफिकेशन फ्रेंड या फो इक्विपमेंट, क्रिप्टोग्राफिक एप्लीक, मिशन-प्लानिंग सिस्टम, परीक्षण उपकरण, स्पेयर पार्ट्स, ट्रेनिंग डिवाइस, सिमुलेटर, पब्लिकेशन और कॉन्ट्रैक्टर इंजीनियरिंग और लॉजिस्टिक्स सपोर्ट शामिल हैं। प्रशासन ने कहा कि ये अपग्रेड पाकिस्तान को अपने ब्लॉक-52 और मिड-लाइफ अपग्रेड एफ-16 बेड़े को आधुनिक बनाने और अमेरिकी और साझेदार सेनाओं के साथ अनुकूलता सुनिश्चित करने में मदद करेंगे। नोटिस में कहा गया है कि यह डील अमेरिका की विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा को सपोर्ट करेगी। इससे आतंकवाद विरोधी अभियानों में पाकिस्तान अमेरिकी और सहयोगी सेनाओं के साथ मिलकर काम करना जारी रख पाएगा। नोटिफिकेशन में यह भी कहा गया है कि नवीनीकरण से विमानों की उम्र 2040 तक बढ़ जाएगी और महत्वपूर्ण उड़ान सुरक्षा चिंताओं का समाधान होगा। भारत की लंबे समय से चली आ रही चिंताओं को ध्यान में रखते हुए नोटिफिकेशन में स्पष्ट रूप से कहा गया है।

दुनिया का पहला सबसे प्रदूषित शहर है पाकिस्तान का लाहौर

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान का लाहौर शहर दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में से एक है। स्विस एयर क्वालिटी मॉनिटर आईक्यूएयर के अनुसार, लाहौर का एक्यूआई 300 से ज्यादा है। इसके साथ ही यह वैश्विक प्रदूषण चार्ट में टॉप पर है। स्थानीय मीडिया ने बुधवार को बताया कि पाकिस्तान के कई शहरों में बहुत ज्यादा गंदगी और हवा बहुत ज्यादा प्रदूषित है। 353 एक्यूआई के साथ लाहौर दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में पहले नंबर पर है। क्वेटा सुबह पाकिस्तान का सबसे प्रदूषित शहर रहा। क्वेटा का एक्यूआई 517 है। पाकिस्तान की एआरवाई न्यूज के अनुसार, रहीम यार खान, गुजरांवाला और फैसलाबाद में भी हवा की गुणवत्ता खराब मापी गई। इसके अलावा, खैबर पख्तूनख्वा और दक्षिण पंजाब के मैदानी इलाकों में बहुत ज्यादा कोहरा छाया रहा, जिससे हाईवे पर विजिबिलिटी कम हो गई। खराब विजिबिलिटी के कारण मोटरवे के कई हिस्से बंद कर दिए गए। 2024 में कुछ दिनों के लिए, लाहौर कोहरे से ढका रहा। असल में यह कोहरे और प्रदूषण का मिश्रण था, जो घटिया क्वालिटी के डीजल के धुएं और मौसमी खेती से निकलने

वाले धुएं की वजह से होता है। लाहौर में हवा के प्रदूषण का स्तर एक बार विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा मंजूर नॉर्मल साफ-सफाई वाले स्तर से 80 गुना ज्यादा हो गया था। नवंबर की शुरुआत में, एक रिपोर्ट में कहा गया था कि पाकिस्तान दुनिया भर में 168वीं रैंकिंग पर है और क्लाइमेट रिस्क इंडेक्स 2026 में 15वीं रैंकिंग पर है। पाकिस्तान का ह्यूमन डेवलपमेंट इंडेक्स (एचडीआई) 0.544 कम है। बढ़ते तापमान से गर्मी और पानी की कमी होती है, खासकर सूखे और कम सूखे इलाकों में, जिससे खेती की पैदावार पर असर पड़ता है। इसके साथ ही, परिवहन, उद्योग और खेती से होने वाले वायु प्रदूषण से कोहरा होता है जो एविएशन पर असर डालता है। इसकी वजह से विजिबिलिटी कम हो जाती है और यह सांस की बीमारियों का कारण बनता है। अब्दुल वहीद भुट्टो ने कहा कि ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन शमन और सतत संसाधन प्रबंधन पर पब्लिकेशन का बड़ा रिकॉर्ड है। उन्होंने द डिप्लोमैट में लिखा, 'कई नेशनल और इंटरनेशनल एडवाइज़री और समीक्षा समितियों में काम किया है।' द डिप्लोमैट की एक रिपोर्ट में, अब्दुल वहीद भुट्टो ने लिखा, 'देश का सीमित जंगल का इलाका लगातार कम हो रहा है, जबकि सिंधु डेल्टा में खारे पानी के घुसने से तटीय इकोसिस्टम को नुकसान हो रहा है। इससे मैंग्रोव, मछली पालन और खेती को नुकसान हो रहा है। समुद्र का बढ़ता स्तर और तूफान की गतिविधि तटीय आबादी को और खतरे में डाल रही है, जबकि पानी के बंटवारे को लेकर बढ़ते तनाव, जन स्वास्थ्य संकट और जलवायु की वजह से होने वाले प्रवासन पाकिस्तान विफलता को दिखाते हैं।'

कमजोर' लोगों के हाथ में यूरोप के कई देश 'पतन की ओर' : ट्रंप

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि यूरोप के कई देशों का नेतृत्व 'कमजोर' लोग कर रहे हैं, और ये देश 'पतन की ओर' बढ़ रहे हैं। यह बात उन्होंने 'पॉलिटिको' को दिए एक इंटरव्यू में कही। पब्लिश पॉलिटिको के साथ इंटरव्यू में व्हाइट हाउस में ट्रंप ने कहा, 'मुझे लगता है कि वे कमजोर हैं, लेकिन मुझे यह भी लगता है कि वे बहुत ज्यादा पॉलिटिकली करेक्ट होना चाहते हैं।' ट्रंप ने आगे कहा, 'उन्हें समझ नहीं आ रहा कि क्या करना चाहिए। यूरोप भी रास्ता नहीं ढूंढ पा रहा।' समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार ट्रंप ने चेतावनी दी कि यदि यूरोप ने अपनी बॉर्डर पॉलिसी नहीं बदली तो कुछ देश आगे चलकर ठीक से टिक भी नहीं पाएंगे। उन्होंने कहा कि लंदन और पेरिस जैसे शहर मध्य-पूर्व और अफ्रीका से आ रहे प्रवासियों के बोझ से दबते जा रहे हैं। यूक्रेन संकट पर भी उन्होंने यूरोपीय देशों की भूमिका को कम आंका। राष्ट्रपति ने कहा कि यूक्रेन संकट को खत्म करने की कोशिश में यूरोपीय नेताओं की भूमिका पर उन्हें ज्यादा भरोसा नहीं है। उनके अनुसार, 'वे बात तो बहुत करते हैं, पर कोई ठोस परिणाम नहीं निकलता और युद्ध चलता ही जा रहा है।' ट्रंप ने कहा कि यूक्रेन को चुनाव कराने चाहिए। साथ ही उन्होंने यूक्रेन से नए चुनाव कराने की अपनी मांग दोहराई। पिछले गुरुवार जारी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति में ट्रंप प्रशासन ने कहा कि वह यूरोप में प्रवासन और अन्य संवेदनशील मुद्दों पर चली आ रही पुरानी नीति के खिलाफ 'प्रतिरोध खड़ा करने' की कोशिश करेगा। इस पर यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा दस्तावेज पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'कोई भी मित्र देश किसी दूसरे मित्र देश के लोकतांत्रिक जीवन या उसकी घरेलू नीतियों में हस्तक्षेप करने की धमकी नहीं देता है।'

अमेरिका में ट्रंप को नहीं मिल रहा आम जनता का साथ! बढ़ती महंगाई को लेकर लोगों में असंतोष

एजेंसी

न्यूयॉर्क। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर से टैरिफ को लेकर दिए हालिया बयानों से हलचल मचा दी है। पूरी दुनिया में टैरिफ का दबाव बनाने वाले ट्रंप अब अपने ही देश में बढ़ती महंगाई को लेकर घिरते नजर आ रहे हैं। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति घरेलू चुनाव को देखते हुए आम जनता के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश में लग गए हैं। ट्रंप भले ही टैरिफ के जरिए दूसरे देशों पर दबाव बनाने की कोशिशों में किसी हद तक कामयाब रहे हों, लेकिन अमेरिकी जमीन पर जनता में उनके फैसलों को लेकर असंतोष साफ जाहिर है। पेंसिलवेनिया के एक कसीनो रिजॉर्ट में ट्रंप एक रैली में शामिल हुए। इस दौरान वह एक बार फिर से अपने पुराने दावों को दोहराते नजर आए। रैली में मौजूद लोग उम्मीद कर रहे थे कि ट्रंप बढ़ती महंगाई से राहत के लिए कोई खास ऐलान कर सकते हैं। उन्होंने पेट्रोल की कम कीमतों, रिकॉर्ड निवेश और नौकरियां बढ़ाने के अपने पुराने दावों को ही दोहराया।

इस दौरान उन्होंने डेमोक्रेट्स और पूर्व की बाइडन सरकार पर तंज कसा। इसके साथ ही ट्रंप ने ट्रांसजेंडर, अप्रवास और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे मुद्दों पर फिर से बयानबाजी करते नजर आए। उन्होंने कहा कि ताकत के जरिए शांति लाना उनका लक्ष्य है, और दावा किया कि टैरिफ को लेकर उनके फैसले सफल रहे। अप्रवासी के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि बाइडन के नेतृत्व में कई खतरनाक अवैध प्रवासी देश में आ गए।विशेषज्ञों का मानना है कि घरेलू मुद्दों की अनदेखी को लेकर रिपब्लिकन पार्टी के भीतर भी चिंता बढ़ गई है। पार्टी सांसद टोनी गोंजालेस ने चेतावनी दी कि अगर रिपब्लिकन आर्थिक मुद्दों पर ध्यान नहीं देंगे, तो यह उनके लिए नुकसानदेह साबित होगा।

हालांकि, जनता के मुद्दों से जुड़ने के लिए ट्रंप ने बढ़ती महंगाई को लेकर ज्यादा कुछ तो नहीं कहा, लेकिन बिना किसी नीति के 'अमेरिका को फिर से किफायती बनाने' का नारा दिया। बता दें, डेमोक्रेट्स हाल के चुनावों में महंगाई और घरों की कीमतों को मुख्य मुद्दा बनाकर आगे बढ़ रहे हैं। कुछ हालिया सर्वे में ट्रंप के लिए मुश्किलें नजर आ रही हैं। कई सर्वे में उनकी अप्रूवल रेटिंग 44 फीसदी पर ही सिमट कर रह गई। अधिकतर लोग ट्रंप के फैसलों से नाखुश नजर आ रहे हैं; उनकी नजर में अमेरिका गलत दिशा में जा रहा है।

वहीं ट्रंप जनता को लुभाने की तमाम कोशिशें कर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने 2,000 डॉलर के 'टैरिफ डिविडेंड चेक' और नवजात बच्चों के लिए 'ट्रंप अकाउंट' का वादा किया है। इसके अलावा, किसानों को टैरिफ वॉर के नुकसान की भरपाई के लिए 12 अरब डॉलर देने की घोषणा की है।

अफगानिस्तानः अलग-अलग सड़क हादसों में 2 की मौत, 16 घायल

एजेंसी

काबुल। अफगानिस्तान में अलग-अलग सड़क हादसों में 2 लोगों की मौत हो गई जबकि 16 अन्य घायल हो गए। स्थानीय पुलिस ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। उत्तरी बगलान प्रांत के दुशी जिले में, दो गाड़ियों की आमने-सामने की टक्कर में एक शख्स की मौत हो गई जबकि चार लोग घायल हो गए। वहीं, पूर्वी वर्दक प्रांत में दो अलग-अलग हादसों में एक की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। उत्तरी समांगन प्रांत के हजरत सुल्तान जिले में एक और दुर्घटना में सात लोग घायल हो गए। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने इन दुर्घटनाओं की मुख्य वजह लापरवाही से गाड़ी चलाना बताया और चेतावनी दी कि भीड़भाड़ वाली और खराब रखरखाव वाली सड़कों पर ड्राइवर की लापरवाही से मौत हो रही हैं। उत्तरी फरयाब और कुंदुज प्रांतों में दो अलग-अलग हादसों में पांच लोगों की मौत हो गई थी और महिलाओं और बच्चों सहित 23 अन्य घायल हो गए थे।

स्थानीय पुलिस ने बताया कि 8 दिसंबर को, उत्तरी अफगानिस्तान के कुंदुज प्रांत में एक बस के पलट जाने से दो यात्रियों की मौत हो गई थी और 20 अन्य घायल हो गए। यह घटना 8 दिसंबर की देर रात अली अबाद जिले में उत्तरी बदख्शां प्रांत को काबुल से जोड़ने वाले हाईवे पर हुई। प्रांतीय पुलिस के प्रवक्ता जुमाद्दीन खाकसर ने बताया कि इसका कारण भी लापरवाही से गाड़ी चलाना था। इस तरह महज 3 दिनों (8 से 10 दिसंबर के बीच) में अलग-अलग इलाकों में हुए सड़क हादसों ने 9 लोगों की जान ले ली है, जबकि 59 लोग घायल हो गए हैं। ये स्थिति अफगानिस्तान में ट्रैफिक नियमों की अनदेखी और लापरवाही की कहानी कहती है। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, हर साल अफगानिस्तान में हजारों लोग सड़क हादसों में मारे जाते हैं; अक्सर लापरवाही से गाड़ी चलाना, ओवरलोड गाड़ियों, खस्ताहाल सड़कों, ट्रैफिक साइन बोर्ड की कमी और खराब हाईवे को इसकी वजह बताया जाता है।

स्पेन में चार दिवसीय हड़ताल पर डॉक्टर, सरकार के नये प्रस्तावित कानून का कर रहे हैं विरोध

एजेंसी

मैड्रिड। स्पेन में सरकार के प्रस्तावित कानून के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी चार दिवसीय हड़ताल पर चले गये हैं। कर्मचारियों ने स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रस्तावित नये कानून के विरोध में मंगलवार से हड़ताल शुरू की। स्पेनिश कन्फेडरेशन ऑफ मेडिकल ट्रेड यूनियंस (सीईएसएम) ने कहा कि कर्मचारी एक अलग कानून की मांग कर रहे हैं जो उनके पेशे की खास ज़रूरतों को ध्यान में रखे। संगठन ने मंगलवार को एक बयान में कहा, 'मौजूदा हालात को देखते हुए कन्फेडरेशन इस बात पर जोर देता है कि लोगों की स्वास्थ्य की देखभाल करने वाले कर्मचारियों की मौजूदा स्थिति के लिए एक ऐसे कानून की ज़रूरत है जो उनकी काम करने की स्थितियों में काफी सुधार करे। संगठन 9, 10, 11 और 12 दिसंबर को होने वाली राष्ट्रीय हड़ताल के लिए समर्थन और लोगों से सभी स्वास्थ्य केंद्रों में होने वाले विरोध प्रदर्शनों में हिस्सा लेने की अपील करता है, ताकि एक बार फिर स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा प्रस्तावित कानून के प्रति पेशेवर समुदाय के विरोध को दिखाया जा सके।' गौरतलब है कि स्पेन में पिछले छह महीनों में स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों का यह तीसरा देशव्यापी विरोध प्रदर्शन है। सीईएसएम के साथ ही अंडालूसी मेडिकल यूनियन (एसएमए) ने भी अपने विरोध प्रदर्शन जारी रखने का फैसला किया है।

थाईलैंड-कंबोडिया तनाव : चौथे दिन 1 लाख से ज्यादा कंबोडियाई लोगों ने अपने घरों को छोड़ा

एजेंसी

नोम पेन्ह। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच फिर से तनाव बढ़ गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता में दोनों देशों के बीच जो सीजफायर हुआ था, वह भी टूट गया और सीमा पर हमले की घटना सामने आई। थाईलैंड के साथ सीमा पर कंबोडिया की लड़ाई चौथे दिन भी जारी है। हालात को देखते हुए 100,000 से ज्यादा कंबोडियाई गांववाले अपने घर छोड़कर सुरक्षित जगहों पर चले गए हैं। कंबोडियाई रक्षा मंत्रालय के अवर सचिव और प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल माली सोचेता ने एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि बेघर हुए लोगों की कुल संख्या 101,129 है, जिसमें छोटे बच्चे, गर्भवती महिलाएं, बुजुर्ग और विकलांग लोग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि थाई सेना ने रविवार दोपहर से बुधवार सुबह तक कंबोडियाई मिलिट्री पोजीशन और रिहायशी इलाकों पर हमला करने के लिए एफ-16 फाइटर जेट समेत भारी और खतरनाक हथियारों का इस्तेमाल किया। न्यूज एजेंसी ने प्रवक्ता सोचेता के हवाले से बताया कि इस लड़ाई में कम से कम सात कंबोडियाई सिविलियन मारे गए और 20 दूसरे घायल हो गए।

इससे पहले दिन में, सिंगापुर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने थाईलैंड और कंबोडिया से संयम बरतने और बातचीत के जरिए अपने मतभेद सुलझाने को कहा। मीडिया के सवालों के जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, 'सिंगापुर, थाई-कंबोडियन सीमा पर हाल ही में फिर से शुरू हुई झड़पों और दोनों तरफ से लोगों के मारे जाने की खबरों से बहुत परेशान है। हम दोनों देशों से अपील करते हैं कि वे संयम बरतें और संयुक्त घोषणा की भावना और

सिद्धांतों का पालन करते हुए बातचीत के जरिए अपने मतभेदों को सुलझाएं।' प्रवक्ता ने कहा, 'यह कंबोडिया और थाईलैंड के बीच लंबे समय के रिश्ते और आसियान के बड़े हितों के लिए जरूरी है।' इसके अलावा, विदेश मंत्रालय की ओर से सिंगापुर के लोगों को थाई-कंबोडिया सीमा की तरफ सभी यात्राएं टालने की भी सलाह दी गई। कंबोडिया और थाईलैंड में सिंगापुर के लोगों को सरकारी न्यूज सोर्स पर नजर रखने, स्थानीय सरकार की सलाह मानने और अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए सतर्क रहने की सलाह दी गई। बता दें, कंबोडिया ने कहा कि थाईलैंड के साथ चल रही सीमा झड़पों की वजह से बॉर्डर वाले इलाकों में कुल 514 स्कूल बंद कर दिए गए हैं। शिक्षा, युवा और खेल मंत्रालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा था, '9 दिसंबर, 2025 तक, 514 स्कूल बंद हो गए हैं, जिससे लगभग 130,000 छात्र और 4,650 शिक्षक प्रभावित हुए हैं।' प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि मुख्य रूप से प्रभावित प्रांत ओडर मींचे, प्रेह विहियर और बांतेय मींचे हैं।

बता दें, दोनों देशों के बीच सीमा पर एक बार फिर से रविवार दोपहर टकराव शुरू हो गया। कंबोडियाई रक्षा मंत्रालय के अवर सचिव और प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल माली सोचेता ने कहा कि इस टकराव में सात कंबोडियाई आम नागरिक मारे गए। कंबोडियाई सूचना मंत्री नेथ फेक्ट्रा ने कहा कि कम से कम 16,568 कंबोडियाई परिवार, जिनमें 54,550 लोग हैं, सीमा के पास अपने घरों से सुरक्षित जगहों पर भाग गए हैं। कंबोडिया के रक्षा मंत्री ने एक प्रेस रिलीज में कहा कि थाई आर्मी ने सोमवार रात और मंगलवार सुबह तक कंबोडियाई सेना और आम नागरिकों पर फायरिंग जारी रखी, जिसमें दो कंबोडियाई आम नागरिक मारे गए।

page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 12/11/2025 12:06 AM Page 2

आलू की खेती

सी एम शर्मा

खेत का चयन

ऊपर वाली भीठ जमीन जो जल जमाव एवं ऊसर से रहित हो तथा जहाँ सिंचाई की सुविधा सुनिश्चित हो वह खेत आलू की खेती के लिए उपयुक्त है। खरीफ मक्का एवं अगात धान से खाली किए गए खेत में भी इसकी खेती की जाती है।

खेत की जुताई

ट्रैक्टर चालित मिट्टी पलटने वाले डिस्क द्धड्डद्य या एम.बी. द्धड्डद्य से एक जुताई करने के बाद डिस्क हैरो 12 तबा से दो चास (एक बार) करने के बाद कल्टी वेटर से दो चास (एक बार) करने के बाद खेत आलू की बोआई योग्य तैयार हो जाता है।

प्रत्येक जुताई में दो दिनों का अंतर रखने से खर-पतवार में कमी आती है तथा मिट्टी पर अच्छा प्रभाव पड़ता है। प्रत्येक जुताई के बाद खर-पतवार निकालने की व्यवस्था की जाती है। ऐसा करने से खेत की नमी बनी रहेगी तथा खेत खर-पतवार से मुक्त हो जाएगा।

शीत भंडार से निकाले कंद को फफूंद एवं बैक्टिरिया जनित रोगों से सुरक्षा के लिए फफूंदनाशक एवं एन्टीवायोटिक दवा का व्यवहार किया जाता है। इसके लिए ड्रम, बाल्टी, या टिन में नाप कर पानी

रासायनिक बीजोपचार

लिया जाता है। प्रति लीटर पानी में 5 ग्राम कार्बेन्डाजिम तथा आधा ग्राम यानि 500 मिलीग्राम स्ट्रोप्टोसाइक्लिन एन्टीवायोटिक दवा का पाउडर मिलाकर घोल तैयार करें ।

इस घोल में कंद को 15 मिनट तक डुबाकर रखने के बाद घोल से आलू को निकाल कर त्रिपाल या खली बोर पर छायादार स्थान में फैला कर रखें ताकि कंद की नमी कम हो जाय।

घोल बहुत गंदा हो जाने पर या बहुत कम हो जाने पर उस घोल को फेंक कर फिर से पानी डालकर नया घोल तैयार कर लिया जाता है। फफूंदनाशक दवाओं में घोल तैयार करने वास्ते कार्बेन्डाजिम सस्ता पड़ता है। इसके अभाव में इन्डोफिल एम.-45, कैप्टाफ या ब्लाइटाक्स 2.5 ग्राम मात्र प्रति लीटर पानी में घोलकर घोल बनाया जा सकता है। इसका मतलब है कि बीजोपचार आवश्यक है। ऐसा करने से खेत में आलू की सड़न रुक जाती है तथा कंद की अंकुरण क्षमता बढ़ जाती है।

खाद एवं उर्वरक

आलू बहुत खाद खाने वाली फसल है। यह मिट्टी के ऊपरी सतह से ही भोजन प्राप्त करती है। इसलिए इसे प्रचुर मात्रा में जैविक एवं रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता होती है।

इसमें सड़े गोबर की खाद 200 क्विंटल तथा 5 क्विंटल खल्ली प्रति हें. की दर से डाला जाता है। खल्ली में अंडी, सरसों, नीम एवं करंज जो भी आसानी से मिल जाय उसका व्यवहार करे। ऐसा करने से मिट्टी की उर्वराशक्ति हमेशा कायम रहती है तथा रासायनिक उर्वरक पौधों को आवश्यकतानुसार सही समय पर मिलता रहता है।

रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग मिट्टी के परिक्षण और साइल हेल्थ कार्ड की सिफारिश के आधार पर ही करें। नाइट्रोजन यूरिया के रूप में आधी मात्रा बोआई के समय तथा शेष बोआई के 30 दिन बाद मिट्टी चढ़ाने के समय डाला जाता है।

फॉस्फोरस तथा पोटाश के लिए डी.ए.पी. तथा पोटाश के लिए म्यूरिएट ऑफ़ पोटाश से व्यवहार करें।

बोआई के समय आलू की पंक्तियों में खाद डालना अधिक लाभकर है परन्तु ध्यान रहे उर्वरक एवं आलू के कंद में सीधा सम्पर्क न हो नहीं तो कंद सड़ सकता है।

इसलिए व्हील होए या लहसूनिया हल से नाला बनाकर उसी में खाद डालें। खाद की नाली से 5 से 10 सेंमी. की दूरी पर दूसरी नाली में आलू का कंद डालें।

यदि पोटेटो प्लांटर उपलब्ध हो तो उसके अनुसार उर्वरक प्रयोग में परिवर्तन किया जा सकता है।

आलू को सब्जियों का राजा कहा जाता है। यह एक अर्द्धसडनशील सब्जी वाली फसल है। भारत के कई भागों में तो पूरे वर्ष आलू की खेती की जाती है।

इसकी उपज क्षमता समय के अनुसार सभी फसलों से ज्यादा है इसलिए इसको अकाल नाशक फसल भी कहते हैं। इसका प्रत्येक कंद पोषक तत्वों का भण्डार है, जो बच्चों से लेकर बूढों तक के शरीर का पोषण करता है।

अब तो आलू एक उत्तम पोष्टिक आहार के रूप में व्यवहार होने लगा है। बढ़ती आबादी के कुपोषण एवं भुखमरी से बचाने में यह फसल मददगार है। जम्मू के गर्म मैदानी इलाकों में और दर्मियानी इलाकों में आलू की खेती के लिए उपयुक्त समय आ रहा है क्योंकि आलू के लिए छोटे दिनों की अवस्था की आवश्यकता होती है।

अपने अपने इलाके में उपयुक्त प्रजाति के बारे में सलाह सम्बंधित वैज्ञानिकों से लें।

बोआई का समय

अक्टूबर के प्रथम सप्ताह से लेकर 20 नवम्बर तक या दीवाली तक आलू की बोआई की जाती है। जम्मू जिला के कुछ क्षेत्रों में जनुअरी के प्रथम पखवारे में आलू की बोआई की जाती है।

प्रजातियों का चयन

आवश्यकता एवं इच्छा के अनुसार कृषि वैज्ञानिकों से सलाह लेकर प्रजातियों का चयन करें।

आलू की खेती के लिए किस्में

आलू अनुसंधान केंद्र शिमला की ओर से आलू की कई किस्में विकसित की गई हैं, जो इस प्रकार हैं

कुफरी अलंकार इस किस्म में फसल 70 दिनों में तैयार हो जाती है मगर यह किस्म पछेती अंगमारी रोग के लिए कुछ हद तक प्रतिरोधी है। यह किस्म प्रति हेक्टेयर 200-250 क्विंटल उपज स्त्रद्गती है।

कुफरी चंद्रमुखी आलू की इस किस्म में फसल 80 से 90 दिनों में तैयार हो जाती है और उपज 200 से 250 क्विंटल तक होती है।

कुफरी नवताल जी 2524 आलू की इस किस्म में फसल 75 से 85 दिनों में तैयार हो जाती है। इसमें 200 से 250 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज होती है।

कुफरी बहार 3792 ई इस किस्म में फसल 90 से 110 दिनों में तैयार हो जाती है, जबकि गर्मियों में 100 से 135 दिनों में फसल तैयार होती है।

कुफरी शीलमानआलू की खेती की यह किस्म 100 से 130 दिनों में तैयार होती है, जबकि उपज 250 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक होती है।

कुफरी ज्योति इस किस्म में फसल 80 से 150 दिनों में तैयार हो जाती है।

यह किस्म 150 से 250 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज देती है।

कुफरी सिंदूरी इस किस्म से आलू की फसल 120 से 125 दिनों में तैयार हो जाती है और 300 से 400 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज होती है।

कुफरी बादशाह आलू की खेती में इस किस्म में फसल 100 से 130 दिन में तैयार हो जाती है और 250-275 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज होती है।

कुफरी देवा इस किस्म में आलू की फसल 120 से 125 दिनों में तैयार हो जाती है और 300 से 400 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज होती है।

कुफरी लालिमा इस किस्म में फसल सिर्फ 90 से 100 दिन में ही तैयार हो जाती है। यह अगेती झुलसा के लिए मध्यम अवरोधी है।

कुफरी लवकर 4eh किस्म 100 से 120 दिनों में तैयार हो जाती है और 300 से 400 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज होती है।

कुफरी स्वर्ण- इस किस्म से फसल 110 दिन में तैयार हो जाती है और उपज 300 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होती है।

संकर किस्में

कुफरी जवाहर जेएच 222= इस किस्म में 90 से 110 दिन में फसल तैयार हो जाती है और खेतों में अगेता झुलसा और फोम रोग की यह प्रतिरोधी किस्म है। इसमें 250 से 300 क्विंटल उपज होती है।

आलू की नई किस्में

इसके अलावा आलू की कुछ नयी किस्में भी हैं। इनमें कुफरी चिप्सोना-1, कुफरी चिप्सोना-2, कुफरी गिरिराज और कुफरी आनंद भी शामिल है।

बीज दर

आलू का बीज दर इसके कंद के वजन, दो पंक्तियों के बीच की दूरी तथा प्रत्येक पंक्ति में दो पौधों के बीच की दूरी पर निर्भर करता है।

प्रति कंद 10 ग्राम से 30 ग्राम तक वजन वाले आलू की बोआई करने पर प्रति हें. 10 क्विंटल से लेकर 30 क्विंटल तक आलू के कंद की आवश्यकता होती है।

बीजोपचार

शीत-भंडार से आलू निकालने के बाद उसे त्रिपाल या पक्की फर्श पर छायादार एवं हवादार जगह में फैलाकर कम से कम एक सप्ताह तक रखा जाता है। सड़े एवं कटे कंद को प्रतिदिन निकालते रहना चाहिए।

जब आलू के कंद में अंकुरण निकलना प्रारंभ हो जाय तब रासायनिक बीजोपचार के बाद बोआई करनी चाहिए।

रोपने की दूरी

आलू को शुद्ध फसल के लिए दो पंक्तियों के बीच की दूरी 40 सें.मी. से लेकर 60 सें.मी. तक रखें ।

प्रत्येक कतार में दो कंद के बीच की दूरी 15 सें.मी. से लेकर 20 सें.मी. तक रखें।

छोटे कंद को 15 सें.मी. की दूरी पर तथा बड़े कंद को 20 सें.मी. की दूरी पर बोआई करें।

रोपनी की विधि

आलू रोपने के समय ही कुदाली से मिट्टी चढ़ाकर लगभग 15 सें.मी. ऊँचा मेड बना लें तथा उसे कुदाली से हल्का थप-थप कर मिट्टी दबा स्त्रद्गठ्ठ ताकि मिट्टी की नमी बनी रहे तथा सिंचाई में भी सुविधा हो।

यदि सुविधा हो तो बड़े खेत में पोटेटो प्लांटर से भी बोआई की जाती है। इसके द्वारा समय एवं श्रम दोनों की बचत होती है।

फ्लाई ऐश का खेती में महत्व

By Bhupender

हमारा देश खेती प्रधान देश है जिसमें अधिकांश 70 प्रतिशत जनसंख्या कृषि पर निर्भर है। हमारे देश की बढ़ती जनसंख्या को देखते हुए खेती में उपज में वृद्धि बहुत ही आवश्यक है। खेती में लगातार विकास और उपज में वृद्धि सिर्फ वैज्ञानिक प्रबंधन के द्वारा ही संभव है। भूमि की उर्वरता को बनाये रखने के लिए विभिन्न प्रकार के पोषक तत्वों का समय पर एवं एक निश्चित मात्रा में होना आवश्यक है।

सघन खेती में बहुत अधिक रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग से मृदा की उर्वरता तथा कृषि उपज पर कुप्रभाव पड़ रहा है, जिससे मनुष्य और पशुओं में भी विभिन्न प्रकार के रोगों का प्रकोप हो रहा है।

अनेक प्रयोगों से पता चला है, कि फ्लाई ऐश जो कि एक औद्योगिक अपशिष्ट और प्रदूषणकारी मानी जाती है, यह भूमि की उर्वरता तथा खेती उपज को बढाने में उपयोगी सिद्ध हुई है, जिससे अनुपयोगी मिट्टी के भौतिक, रासायनिक और जैविक गुणों को सुधारा जा सकता है।

फ्लाई ऐश (राख) मुख्यत थर्मल विद्युत केन्द्रों से कोयले के दहन से निकला हुआ राख के समान अपशिष्ट तथा प्रदूषणकारी पदार्थ है। हमारे देश में लगभग 230 से 2 ।0 लाख मिट्रिक टन कोयला हर साल पैदा किया जाता है और कुल बिजली उत्पादन का ।5 प्रतिशत से अधिक उत्पादन कोयले पर आधारित है, जिससे करीब करीब 112 मिलियन टन फ्लाई ऐश (राख) का निष्कासन होता है। जिसमें से केवल 38 प्रतिशत भाग का ही उपयोग होता है। पहले फ्लाई ऐश को एक अपशिष्ट और प्रदूषणकारी पदार्थ माना जाता था, लेकिन अब यह एक मिट्टी की उर्वरता और कृषि उपज को बढाने के साथ-साथ सस्ता पदार्थ साबित हो गया है।

आजकल खेती उपज में वृद्धि के लिए अनेक प्रकार के उर्वरकों, कीटनाशकों, खरपतवारनाशकों और कई प्रकार के रसायनों का प्रयोग हो रहा है, जोकि बहुत मंहगे पडते हैं एवं जिससे प्रति हैक्टयेर लागत ज्यादा आती है। इसी के साथ-साथ इससे पर्यावरण प्रदूषण बढ़ता हैं और मिट्टी की भौतिक, रासायनिक तथा जैविक दशा भी खराब होती जा रही है।

रासायनिक पदार्थों के प्रयोग से अनाजों, सब्जियों और फलों की गुणवत्ता भी खराब होती जा रही है। जिससे मनुष्य व जीव जन्तुओं के स्वास्थ्य पर कुप्रभाव पड़ रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए हमें खेती क्षेत्र में रासायनिक पदार्थों का प्रयोग कम से कम करके ऐसे पदार्थों का प्रयोग करना चाहिए, जो कि अधिक समय तक बिना किसी कुप्रभाव के अपना प्रभाव बनाये रखें।

फ्लाई ऐश एक ऐसा पदार्थ है, जिसमें सभी प्रकार के दीर्घ और सूक्ष्म पोषक तत्व पाये जाते हंक एवं यह मिट्टी के भौतिक, रासायनिक और जैविक गुणों को सुधारने में सक्षम हैं। फ्लाई ऐश (राख) में पोषक तत्वों के साथ-साथ कीटनाशकों तथा खरपतवारनाशकों के गुण भी पाये जाते हैं। जिससे फसल उत्पादन में प्रति हेक्टेयर लागत कम और उत्पादन अधिक होता है। फ्लाई ऐश एक सस्ता और आसानी से प्राप्त होने वाला पदार्थ है। इस प्रकार यह टिकाऊ खेती में अहम् भूमिका निभा सकता है।

फ्लाई ऐश में विभिन्न प्रकार के दीर्घ एवं सूक्ष्म पोषक तत्व पाये जाते हैं, जो कोयले की किस्म, बॉयलर के प्रकार पर निर्भर करते हैं। इसका पी एच मान 4.5 से 12, स्थूल घनत्व 1.01 से 1.43 ग्राम प्रति सेंटीमीटर, आपेक्षिक घनत्व 1.6 से 2.5 होता हैं। यह रेतीली दोमट प्रकृति की होती है। जिसमें बालू 1 से 10, सिल्ट 8 से 85, क्ले । से 90 प्रतिशत पायी जाती है।

खेती उपज में वृद्धि के लिए मिट्टी में विभिन्न प्रकार की खादों का बार-बार प्रयोग करना पड़ता है। एक ही खेत में बार-बार एक ही प्रकार की फसलें बोने से मिट्टी में दीर्घ और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। फ्लाई एश में उपलब्ध दीर्घ तथा सूक्ष्म पोषक तत्व मिट्टी को उपजाऊ बनाने की क्षमता रखते हैं।

फ्लाई ऐश (राख) मिट्टी में अनुकूलक का कार्य भी करती है, जिससे अनाज, दलहनी, तिलहनी फसलों और सब्जियों की उपज बढ़ती है। फ्लाई ऐश में सिलिका, एल्युमिना की मात्रा अधिक और साथ ही आयरन, कैल्शियम, सोडियम, पोटेशियम, आर्सेनिक, बोरॉन, सेलेनियम इत्यादि तत्व भी पाये जाते हैं।

पौधे के सूक्ष्म तत्व जैसे कि, तांबा, लोहा-जिंक एवं स्थूल तत्व पोटेशियम फास्फोरस, कैल्सियम इत्यादि आसानी से प्राप्त हो जाते हैं। चिकनी और रेतीली मिट्टी में इसको मिलाने से उसकी प्लास्टिकता, सघनता आदि गुणों में वृद्धि के साथ-साथ यह दूषित औद्योगिक पदार्थ के लिये अवशोषक का कार्य भी करती है।

फ्लाई ऐश (राख) विभिन्न प्रकार के धातु तत्वों जैसे कैडमियम, क्रोमियम, मर्करी, तांबा इत्यादि का निष्कासन भी इससे किया जा सकता है। यह अनेक प्रकार के खरपतवार नाशकों जैसे- डाई क्लोरोफिनॉल इत्यादि रसायनों के अवशोषण में सहायक होती है। इसके मिट्टी में मिलाने से उसमें वायु संचारण, स्थूल घनत्व, जल धारण क्षमता आदि को बढ़ाती है।

रेतीली एवं चिकनी

फ्लाई ऐश की आवश्यकता क्यों ?

मिट्टी में 50 से 60 टन प्रति हेक्टेयर फ्लाई ऐश (राख) को मिलाने पर वह मिट्टी दोमट गुणों वाली हो जाती है। यह मिट्टी को पोषक तत्व प्रदान करने के साथ-साथ उसमें लाभदायक जीवाणुओं उदाहरण राइजोबियम स्पीसिज की संख्या को बढ़ाती है और रोगजनक सूक्ष्मजीवों के विकास को कम कर फसल उत्पादन को बढाती है।

खेती क्षेत्र में फ्लाई ऐश (राख) का प्रयोग कम्पोस्ट खाद बनाने में भी किया जा सकता है। कम्पोस्ट खाद मुख्यत: कचरा, कागज, सीवेज, ठोस आदि पदार्थों से बनायी जाती है। जिसमें मुख्यत: सिलिका और एल्युमिनियम तत्वों की कमी पायी जाती है। यदि इस कम्पोस्ट में इसको मिला दिया जाये तो यह इन तत्वों की पूर्ति कर उच्च गुणवत्ता वाला कम्पोस्ट बना सकती है।

फ्लाई ऐश मिलायी गई कम्पोस्ट खाद गोभी, भिन्डी, मक्का, ज्वार और अनेक प्रकार के फूलों का उत्पादन बढ़ाने में उपयोगी है एवं अनेक सूक्ष्म पोषक तत्व जैसे की आयरन, मैंगनीज, जिंक, कोबाल्ट इत्यादि की मात्रा में बढ़ोत्तरी भी मिली है। इसका प्रभाव केवल उपज पर ही नहीं पड़ता बल्कि यह धान, गेहूं आदि में प्रोटीन, कैल्सियम, मैग्निशियम और लौह तत्व की भी वृद्धि करता है, जिससे अनाजों की गुणवत्ता में वृद्धि होती है।

फ्लाई ऐश (राख) मे कैल्सियम तथा फास्फोरस तत्व पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है जो, कि दोनों ही तत्व मूंगफली की फसल के लिए अति आवश्यक हैं एवं प्रयोग करके मूंगफली की पैदावार बढ़ा सकते हैं। इस प्रकार इसका प्रयोग कर विभिन्न प्रकार की फसलों के उत्पादन में वृद्धि जा सकती है, जैसे- गेहूं, सरसों, धान, मक्का में 10 से 20 प्रतिशत, कपास, ज्वार, गेहूं, चना, सोयाबीन में 10 से 45 प्रतिशत, आलू में 30 से 35 प्रतिशत वृद्धि की जा सकती है।

फ्लाई ऐश अन्य पदार्थों की तुलना में जीवाणु खाद के वाहक रूप में प्रयोग सस्ता, प्रभावी और पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ ही यह पोषक तत्वों को धीमी गति से पौधों को प्रदान करने में सहायक होती हैं। इसमें 60 प्रतिशत तक सिलिका होने से इसमें जल स्नेही गुण पाया जाता है, जोकि कीटों के शरीर पर चिपक कर अधिक समय तक असर कारी होती है। फ्लाई ऐश में लगभग 30 प्रतिशत हर्बल तत्व मिलाने पर यह एक उत्तम किस्म का कीटनाशक बनकर मिट्टी में हानिकारक कीटों की संख्या को कम करता है। इसलिए इससे मिट्टी में पौधों के लिए आवश्यक पोषक तत्वों को बढाने के साथ-साथ यह मृदा जीवों के लिए लाभदायक और पर्यावरण प्रदूषण तथा मिट्टी प्रदूषण को कम करने में सहायक हैं। जिससे खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता अच्छी बनी रहे तथा मनुष्य और जीव-जन्तुओं के स्वास्थ्य पर बुरा असर न पड़े।

(Source: Dainik Jagriti)

खेती क्षेत्र में फ्लाई ऐश (राख) का प्रयोग कम्पोस्ट खाद बनाने में भी किया जा सकता है। कम्पोस्ट खाद मुख्यत: कचरा, कागज, सीवेज, ठोस आदि पदार्थों से बनायी जाती है। जिसमें मुख्यत: सिलिका और एल्युमिनियम तत्वों की कमी पायी जाती है। यदि इस कम्पोस्ट में इसको मिला दिया जाये तो यह इन तत्वों की पूर्ति कर उच्च गुणवत्ता वाला कम्पोस्ट बना सकती है।